RNI : PBHIN/25/A4135

सत्ता संदेश

साप्ताहिक

The Power of Print...

सम्पादक : जितेंद्र कुमार | Website : www.sattasandesh.com | YouTube : @sattasandesh25

वर्ष :2 | अंक : 2 | 12 जनवरी : 2026 | मूल्य रु. 5.00 /- | पृष्ठ : 8 | Email : sattasandesh25@ gmail.com

38 की उम्र में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा 6

रोहित और कोहली की मौजूदगी से कप्तानी 8

आज का इतिहास

12 जनवरी

राष्ट्रीय युवा दिवस

भारत में प्रतिवर्ष 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया जाता है। भारत सरकार ने 1984 में इसकी घोषणा की थी। विवेकानंद युवाओं के लिए प्रेरणा के महान स्रोत थे, जिन्होंने 'उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए' का शक्तिशाली संदेश दिया। यह दिन युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका और विवेकानंद के आदर्शों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

ईरान में सड़कों पर जनआक्रोश, सत्ता के गलियारों तक हलचल

अब तक 116 की मौत, इंटरनेट बंद, 2,600 से अधिक लोग हिरासत में

तेहरान- ईरान में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन रविवार को भी जारी रहे। दो सप्ताह से जारी इन विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में मरने वालों की संख्या बढ़कर कम से कम 116 हो गई है। अमेरिका की एक मानवाधिकार संस्था ने यह जानकारी दी।

प्रदर्शन के मद्देनजर ईरान में इंटरनेट और फोन लाइन काट दी गई है, जिससे प्रदर्शन का वास्तविक अनुमान लगाने में मुश्किल आ रही है। हालांकि, अमेरिका स्थित 'ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज़ एजेंसी' के

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

संचार सेवाएं ठप, तेहरान एयरपोर्ट बंद

सरकार ने हालात पर काबू पाने के लिए देशभर में इंटरनेट और मोबाइल सेवाएं बंद कर दी हैं। तेहरान एयरपोर्ट को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है और सेना को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राजधानी में बाजार बंद रहे, जबकि कई विश्वविद्यालय परिसरों पर छात्रों ने कब्जा कर लिया।

खामेनेई की तस्वीर जलाकर सिगरेट सुलगाती दिखीं महिलाएं

ईरान में आंदोलन के बीच महिलाओं ने विरोध का ऐसा तरीका अपनाया है, जिसने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में ईरानी महिलाएं देश के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की जलती तस्वीर से सिगरेट सुलगाती नजर आ रही हैं।

महिलाएं जलती हुई खामेनेई की तस्वीर से सिगरेट जलाकर यह संदेश दे रही हैं कि अब उन्हें किसी का डर नहीं है। यह वही ईरान है, जहां महिलाओं का सार्वजनिक जगह पर सिगरेट पीना भी गलत माना जाता है।

ईरान पर अमेरिकी हमले की अटकलें तेज

ट्रंप बोले–'प्रदर्शनकारियों के साथ अमेरिका'

ईरान को लेकर अमेरिका और तेहरान के बीच तनाव एक बार फिर सुर्खियों में है। अमेरिकी मीडिया में आई ताज़ा रिपोर्टों के अनुसार, वॉशिंगटन में ईरान के खिलाफ संभावित विकल्पों पर विचार किया जा रहा है, हालांकि अभी किसी भी तरह की सैन्य कार्रवाई का फैसला नहीं हुआ है।अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी अधिकारी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि ईरान को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहले दी गई चेतावनियों को किस तरह व्यवहारिक रूप दिया जा सकता है। इन चर्चाओं में यह भी शामिल है कि यदि हालात बिगड़ते हैं तो ईरान के किन संभावित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

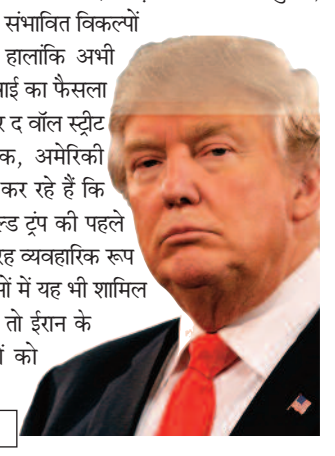

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

अश्लील तस्वीरों पर विवाद के बाद X ने मानी गलती

3500 पोस्ट समेत 600 अकाउंट डिलीट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के आदेश के बाद X ने कई यूजर्स पर एक्शन लिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X ने 600 अकाउंट को डिलीट कर दिया है। साथ ही X ने अपने प्लेटफॉर्म से 3500 से ज्यादा पोस्ट भी हटा दी हैं। केंद्र सरकार ने X पर मौजूद अश्लील सामग्री पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद X ने यह कदम उठाया है। X ने सरकार को आश्वासन दिया है कि वो इस प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री प्रकाशित करने की अनुमति नहीं देगा और सरकारी नियमों का पालन करेगा।

केंद्र ने दी थी चेतावनी

केंद्रीय सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय ने X के खिलाफ चेतावनी जारी की थी, जिसके एक हफ्ते बाद की ये कार्रवाई सामने आई है। केंद्रीय मंत्रालय ने ग्रोक पर एआइ के 'घोर दुरुपयोग' और महिलाओं को अशोभनीय रूप से बदनाम करने के

लिए 'अपमानजनक या अश्लील' तरीके से उनकी तस्वीरें या वीडियो बनाने और साझा का आरोप लगाया।

मंत्रालय ने X को चेतावनी दी थी कि 72 घंटे की समय सीमा का पालन न करने पर कंपनी को कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

ग्रोक पर अश्लील तस्वीरें बनाने के आरोप- बता दें कि एलन मस्क के प्लेटफार्म एक्स के X चैटबाट ग्रोक की ओर से महिलाओं और बच्चों की अश्लील तस्वीरें बनाने का आरोप है। इसे लेकर दुनिया भर की सरकारों ने चिंता जाहिर करते हुए ग्रोक की आलोचना की है। इस लिस्ट में भारत के अलावा फ्रांस, ब्राजील, मलेशिया और यूरोपियन यूनियन का नाम शामिल है। गैर-लाभकारी समूह एआइ फोरेंसिक ने कहा कि उसने 25 दिसंबर से एक जनवरी के बीच ग्रोक द्वारा बनाई गई 20,000 तस्वीरों का विश्लेषण किया और पाया कि दो प्रतिशत में बिकनी या पारदर्शी कपड़ों में 18 या उससे कम उम्र के व्यक्ति को दर्शाया गया है।

चल पड़े 'उड़ चले'- अमेरिका हुआ बेगाना

वीज़ा नियमों में सख्ती ने बदला रुख, भारत लौट रहे हैं भारतीय प्रोफेशनल्स

किन क्षेत्रों के प्रोफेशनल्स लौट रहे हैं

- आईटी इंडस्ट्री
- हेल्थकेयर
- फार्मास्यूटिकल्स
- टेक्नोलॉजी
- फाइनेंस
- स्टार्टअप सेक्टर

नई दिल्ली- अब वो दौर तेज़ी से बदल रहा है, जब अमेरिका भारतीय युवाओं और प्रोफेशनल्स का सबसे पसंदीदा सपना हुआ करता था। बीते कुछ वर्षों में अमेरिका की इमिग्रेशन नीतियों में आई सख्ती और वीज़ा नियमों में लगातार बदलाव के चलते बड़ी संख्या में भारतीय प्रोफेशनल्स स्वदेश वापसी का रुख कर रहे हैं।

खासतौर पर H-B1 और L-1 वीज़ा धारकों के लिए नियमों को कड़ा किए जाने से भारतीयों को नौकरी की सुरक्षा, वीज़ा एक्सटेंशन और स्थायी निवास को लेकर अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। कई मामलों में कंपनियों द्वारा स्पॉन्सरशिप वापस लिए जाने से

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

गर्भवती बनाओ-10 लाख रुपये कमाओ!

'ऑल इंडिया प्रेग्नेंट जॉब' के नाम पर साइबर ठगी

नई दिल्ली - देश के कई राज्यों में 'ऑल इंडिया प्रेग्नेंट जॉब' नाम से एक बेहद शातिर साइबर ठगी सामने आई है। इस गिरोह का भंडाफोड़ खासतौर पर बिहार पुलिस ने किया है। पुलिस ने साफ चेतावनी दी है कि यह पूरी तरह फर्जी योजना है, जिसका न तो कोई कानूनी आधार है और न ही कोई चिकित्सकीय सच्चाई। अब तक इस ठगी गिरोह के आठ सदस्यों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि इसका मुख्य सरगना अभी फरार बताया जा रहा है। इस ठगी का निशाना मुख्य रूप से पुरुष हैं। फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विज्ञापन देकर यह दावा किया जाता है कि निःसंतान महिलाओं को गर्भवती करने के बदले 10 से 15 लाख रुपये दिए जाएंगे। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई नौकरी या व्यवस्था अस्तित्व में ही नहीं है। पीड़ितों को न केवल आर्थिक नुकसान होता है, बल्कि मानसिक उत्पीड़न का भी सामना करना पड़ता है।

पुलिस की चेतावनी

साइबर अपराध अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने की अपील की

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

ठगी का तरीका

पुलिस जांच में सामने आया है कि यह धोखाधड़ी एक तय पैटर्न पर काम करती है-

भ्रामक ऑनलाइन विज्ञापन- कम मेहनत में भारी कमाई का झांसा, जो साइबर ठगी की पहली चेतावनी होती है।

पहले पैसे की मांग- पीड़ितों से पहले 'रजिस्ट्रेशन फीस' (करीब 799 रुपये) ली जाती है, फिर 'सिक्योरिटी डिपॉजिट', 'कोर्ट फीस' या 'जीएसटी चार्ज' के नाम पर लगातार पैसे मांगे जाते हैं।

फर्जी दस्तावेज और धमकी- ठग आधार, पैन कार्ड और फोटो जैसी निजी जानकारी जुटाते हैं। इसके बाद फर्जी कोर्ट नोटिस या सरकारी कागजात भेजकर डराया जाता है। भुगतान रोकने पर कानूनी कार्रवाई या बदनामी की धमकी दी जाती है।

न नौकरी, न पैसा- पुलिस ने साफ किया है कि न कोई महिला होती है, न कोई वैध समझौता और न ही किसी पीड़ित को एक रुपया भी दिया जाता है।

साइबर ठगी से बचाव के जरूरी सुझाव

नौकरी के लिए कभी भी अग्रिम शुल्क न दें
नियोक्ता की जानकारी आधिकारिक वेबसाइट से जांचें
कम मेहनत में ज्यादा कमाई वाले ऑफर से सावधान रहें
संदिग्ध विज्ञापनों की तुरंत साइबर क्राइम में शिकायत करें

सेवा केंद्रों में आधार-बैंक लिंक सेवा शुरू न होने से लोगों में नाराजगी

कहा, इस योजना से जनता का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है

लुधियाना (सत्ता संदेश)-नए साल से शुरू होने वाली आधार कार्ड को बैंक और गैस एजेंसी से लिंक करने की सुविधा अब तक सेवा केंद्रों में शुरू नहीं हो पाई है। पंजाब सरकार की योजना के अनुसार यह सुविधा हैल्प लाइन नंबर 1076 पर बुकिंग करवाने के बाद घर बैठे ही उपलब्ध होनी थी, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका कोई असर दिखाई नहीं दे

रहा है। जानकारी के अनुसार, इस सेवा का लाभ लेने के लिए अब तक करीब 150 लोगों ने हैल्प लाइन 1076 पर कॉल कर बुकिंग करवाई, लेकिन किसी भी व्यक्ति को अभी तक न तो सेवा मिली है और न ही यह बताया गया है कि यह सुविधा फिलहाल शुरू नहीं हुई है। इससे लोगों में भारी

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की बढ़ती थानेदारी

66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अलग होगा अमेरिका-ट्रंप

अमेरिका-अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फैसला किया है कि अमेरिका 66 अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अलग होगा। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये संगठन अमेरिका के हित में काम नहीं करते थे। व्हाइट हाउस ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर अपनी पोस्ट में कहा, आज, राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प ने एक प्रेसिडेंशियल मेमोरेंडम पर साइन किए, जिसमें 66 इंटरनेशनल संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का निर्देश दिया गया है, जो अब अमेरिकी हितों की सेवा नहीं करते हैं, जिसमें 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन और 31 संयुक्त राष्ट्र संस्थाएं शामिल हैं। व्हाइट हाउस के अनुसार, ये संगठन कट्टरपंथी जलवायु नीतियों, वैश्विक शासन और वैचारिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देते हैं जो अमेरिकी संप्रभुता और आर्थिक शक्ति के साथ टकराव पैदा करते हैं। हालांकि व्हाइट हाउस ने उन संगठनों की कोई सूची जारी नहीं की है जिनसे अमेरिका अलग होने जा रहा है। गौरतलब है कि ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के लिए अमेरिकी अनुदान में कटौती करने, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के साथ अमेरिकी भागीदारी को रोकने और संयुक्त राष्ट्र की सांस्कृतिक एजेंसी यूनेस्को से बाहर निकलने की कोशिश की है। वे विश्व स्वास्थ्य संगठन और पेरिस जलवायु समझौते से भी बाहर निकलना चाहते हैं।

रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत, चीन और ब्राजील पर ट्रंप ने कसा शिकंजा

वेनेजुएला से आ रहे रूसी तेल टैंकर को अमेरिका द्वारा पकड़े जाने के बाद दोनों देशों में तनाव चरम पर पहुंच गया है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने वाले भारत, चीन और ब्राजील पर एक बार फिर शिकंजा कसा है। वे इन देशों से 500 फीसदी तक टैरिफ वसूलने की तैयारी में है। ट्रंप प्रशासन ने एक विधेयक को मंजूरी दी है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले इन देशों पर यह भारी शुल्क लगाया जाएगा। हालांकि यह विधेयक अभी अमेरिकी संसद में पारित नहीं हुआ है। इसे अगले हफ्ते संसद में पेश किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

अमेरिका पर समंदर डकैती का आरोप!

अमेरिका ने उत्तरी अटलांटिक महासागर में वेनेजुएला से आ रहे रूसी झंडे लगे तेल टेंकर को जब्त कर लिया। इससे दोनों महाशक्तियों में तनातनी बढ़ गई। रूस ने अमेरिका पर समंदर में डकैती का आरोप लगाया। अमेरिकी एक्शन से वैश्विक संकट गहराने की आशंका है। रूसी संसद के ऊपरी सदन के वरिष्ठ नेता एंड्री क्लिशास ने साफ कहा कि यह समुद्री कानून का उल्लंघन है। इस तरह की कार्रवाइयां वैश्विक समंदरी सुरक्षा के लिए खतरनाक मिसाल कायम कर सकती हैं। रूस नेता ने मांग की कि अमेरिका को जहाज पर मौजूद रूसी नागरिकों की शीघ्र और सुरक्षित स्वदेश वापसी में कोई बाधा नहीं डालनी चाहिए। इससे पहले अमेरिकी सेना के यूरोपीय कमान ने एक्स पर एक बयान जारी कर इस ऑपरेशन की पुष्टि की। बयान में कहा गया कि न्याय विभाग, गृह सुरक्षा विभाग और रक्षा विभाग ने

बाकी पन्ना नम्बर 2 पर

गैस सिलेंडरों के कैंटर से 1329 बोतलें गैर कानूनी शराब सहित ड्राइवर गिरफ्तार

लुधियाना (सत्ता संदेश)- स्थानीय पुलिस ने गैर कानूनी शराब के धंधे में शामिल एक कैंटर ड्राइवर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से करीब 1329 बोतल गैर-कानूनी शराब बरामद की है। जानकारी के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी की पहचान राजस्थान के रहने वाले रतन लाल के बेटे प्रकाश सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उक्त आरोपी यह शराब गैस सिलेंडर के कैंटर में ले जा रहा था और उसने कुछ शराब गैस सिलेंडर में भर ली थी। सूचना मिलने पर जब पुलिस ने लुधियाना-जालंधर मेन रोड पर लाडोवाल के पास नाकाबंदी की हुई थी, तो उसके कैंटर को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन आरोपी कैंटर छोड़कर भाग गया। पीछा करने पर पुलिस ने उसे पकड़ लिया और उसके पास से यह शराब बरामद की।

गजनी से औरंगजेब तक सब नष्ट हो गए, सोमनाथ मंदिर आज भी अडिग खड़ा है - पीएम मोदी

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सेवा का अवसर मेरा सौभाग्य

सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह इसे अपना बड़ा सौभाग्य मानते हैं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में उन्हें इस स्वाभिमान पर्व की सेवा का अवसर मिला। उन्होंने देश और दुनिया से जुड़े श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए 'जय सोमनाथ' का उद्घोष किया। पीएम मोदी ने कहा कि यह समय, यह वातावरण और यह उत्सव अपने आप में अद्भुत है। एक ओर भगवान महादेव की उपस्थिति, दूसरी ओर समुद्र की लहरें, मंत्रोच्चार की गूंज और भक्तों की आस्था, यह सब मिलकर इस पर्व को दिव्य बना रहा है।

नई दिल्ली - प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर में आयोजित सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने 108 अश्वों के साथ निकाली गई भव्य शौर्य यात्रा में भाग लिया। यह यात्रा उन वीर योद्धाओं की स्मृति में निकाली गई, जिन्होंने सोमनाथ मंदिर की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी थी। यात्रा को साहस, बलिदान और वीरता का प्रतीक बताया गया। शौर्य यात्रा में शामिल होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की और इसके बाद एक विशाल जनसभा को संबोधित किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में गौरव, गरिमा और आध्यात्मिक अनुभूति का संगम देखने को मिल रहा है। उन्होंने 72 घंटे तक चले अनवरत ओंकार नाद और मंत्रोच्चार का उल्लेख किया। पीएम मोदी ने बताया कि ड्रोन शो के जरिए सोमनाथ मंदिर के 1000 वर्षों के इतिहास को दर्शाया गया, जिसमें वैदिक गुरुकुलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि 108 अश्वों के साथ निकली शौर्य यात्रा, मंत्रों और भजनों की प्रस्तुति अत्यंत भावुक और प्रेरणादायक रही, जिसे शब्दों में व्यक्त करना कठिन है।

आधुनिकता के युग में बिजली हीटरों ने कर दी मिट्टी की अंगीठी की आग ठंडी

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पहले जब भी ठंड बढ़ती थी, तो शहर के लोग घर गर्म करने और घर के काम के लिए मिट्टी के छोटे-छोटे चूल्हे खरीदते थे, जिससे एक तरफ लोगों को गर्मी मिलती थी, वहीं दूसरी तरफ ये चूल्हे घर का सामान तैयार करने में भी बहुत काम आते थे, लेकिन समय के साथ हालात पूरी तरह बदल गए हैं। अब बाजारों में तरह-तरह के बिजली के हीटर आने से मिट्टी के चूल्हों की जगह आधुनिक साधनों ने ले ली है। इस बदलाव का सीधा असर इन चूल्हों को बनाने वाले कारीगरों पर पड़ा है और उनका पारंपरिक धंधा लगभग ठप हो गया है। शहर के किला मोहल्ला में चूल्हे बनाने वाले एक कारीगर ने बातचीत के दौरान बताया कि पहले जब शहर में बहुत ठंड पड़ती थी, तो लोग हाथ गर्म करने और दूसरे कामों के लिए इससे बने छोटे-छोटे मिट्टी के चूल्हे बड़ी संख्या में खरीदते थे। इससे उन्हें अच्छी इनकम भी हो जाती थी। उन्होंने कहा कि अब चूल्हों की डिमांड बहुत

कम हो गई है और उनके दाम भी कम हो गए हैं। पहले 200 रुपये में बिकने वाला छोटा चूल्हा अब 150 रुपये में भी मुश्किल से बिक रहा है। दाम कम होने के बावजूद ग्राहक नहीं मिल रहे हैं। कारीगर का कहना है कि मार्केट में तरह-तरह के सस्ते और आसानी से मिलने वाले इलेक्ट्रिक हीटर आने से यह पारंपरिक धंधा दिन-ब-दिन कम होता जा रहा है। उन्होंने चिंता जताते हुए कहा कि अगर हालात ऐसे ही रहे तो आने वाले समय में मिट्टी के चूल्हे बनाने का यह पुराना हुनर खत्म होने की कगार पर पहुंच सकता है। कुल मिलाकर, आधुनिकता की दौड़ में पारंपरिक कला और कारीगरों की मेहनत धीरे-धीरे पीछे छूटती जा रही है।

गुरदास मान ने पंजाब के राज्यपाल के साथ की मुलाकात

पंजाब में नशा-सेवन की बढ़ती समस्या पर की गहन चर्चा

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-मशहूर पंजाबी गायक गुरदास मान ने पंजाब के राज्यपाल तथा चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से लोक भवन में मुलाकात की है। इस अवसर पर दोनों द्वारा पंजाब में नशा-सेवन की बढ़ती समस्या पर गहन चर्चा की गई, जो पंजाब के युवाओं पर गंभीर और विनाशकारी प्रभाव डाल रही है। राज्यपाल ने इस चुनौती पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य की रक्षा के लिए समाज के सभी वर्गों की सामूहिक जिम्मेदारी है, ताकि इस अभिशाप को पंजाब की धरती से जड़ से समाप्त किया जा सके। गुलाब चंद कटारिया ने गायक गुरदास मान को अवगत कराया कि वह पिछले एक वर्ष से नशे के विरुद्ध निरंतर जन-जागरूकता अभियान का नेतृत्व कर रहे हैं। इस अभियान में शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों, गैर-सरकारी संस्थाओं, खिलाड़ियों, राजनीतिक संगठनों तथा अन्य हितधारकों का सक्रिय सहयोग शामिल है। राज्यपाल ने बताया कि जमीनी स्तर पर आमजन से सीधे संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से उन्होंने व्यापक पदयात्राएं भी की हैं। इनमें गुरदासपुर और अमृतसर जिलों को कवर करने वाली 6 दिवसीय पदयात्रा तथा

मशहूर पंजाबी गायक गुरदास मान लोक भवन चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल तथा चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया से मुलाकात दौरान बातचीत करते हुए।

जालंधर जिले में की गई 2 दिवसीय पदयात्रा शामिल है, जिनका उद्देश्य जनसमर्थन जुटाना और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति व्यापक जागरूकता फैलाना रहा है। नशा-विरोधी जनमत निर्माण में कला, संस्कृति और प्रभावशाली व्यक्तित्वों की सशक्त भूमिका को रेखांकित करते हुए राज्यपाल ने गुरदास मान से आग्रह किया कि वे इस अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ें और अपनी अपार लोकप्रियता का उपयोग कर युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करें तथा उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करें। इस पुनीत उद्देश्य के प्रति अपनी पूर्ण प्रतिबद्धता को दोहराते हुए गुरदास मान ने राज्यपाल को आश्वस्त किया कि वे नशा-विरोधी अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ेंगे तथा जागरूकता पदयात्राओं में भी सहभागिता करेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं को नशे की लत से बचाना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है और स्वस्थ एवं नशामुक्त पंजाब के निर्माण के लिए वे पूर्ण निष्ठा, समर्पण और संपूर्ण प्रतिबद्धता के साथ अपना योगदान देंगे।

गर्भवती बनाओ-10 लाख रुपये कमाओ!

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

है। एक अधिकारी ने कहा, 'कोई भी वैध नौकरी रजिस्ट्रेशन या प्रोसेसिंग फीस नहीं मांगती।' ऐसे किसी भी विज्ञापन या कॉल के संपर्क में आने पर लोगों को तुरंत स्थानीय पुलिस या साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई है।

सुरक्षित रोजगार के विकल्प

अधिकारियों और रोजगार विशेषज्ञों ने सलाह दी है कि नौकरी की तलाश के लिए Indeed, Naukri.com जैसे सत्यापित पोर्टलों का ही उपयोग करें। इसके अलावा गर्भवती महिलाओं के लिए सरकार की प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना (PMMVY) जैसी योजनाएं केवल आधिकारिक सरकारी माध्यमों से ही लागू होती हैं।

ईरान में सड़कों पर जनआक्रोश....

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

किया कि विरोध प्रदर्शन रविवार सुबह तक जारी रहे। इसने तेहरान और उत्तर-पूर्व में स्थित शहर मशहद में प्रदर्शन होने की जानकारी दी।

अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने शनिवार को चेतावनी दी कि प्रदर्शनों में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को 'अल्लाह का शत्रु' माना जाएगा और इसके लिए मृत्युदंड का भी प्रावधान है। ईरान के सरकारी टेलीविजन द्वारा प्रसारित बयान में कहा गया है कि 'दंगाइयों की मदद करने वालों' को भी इस आरोप का सामना करना पड़ेगा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों को समर्थन देते हुए सोशल मीडिया पर कहा, 'ईरान आजादी चाहता है जो शायद उसने पहले कभी नहीं देखी थी। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।' 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' ने अज्ञात अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से शनिवार रात को बताया कि ट्रंप को ईरान पर हमले के लिए सैन्य विकल्प दिए गए थे लेकिन उन्होंने अब तक अंतिम निर्णय नहीं लिया है।

ईरान पर अमेरिकी हमले की अटकलें तेज

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

रिपोर्ट में यह स्पष्ट किया गया है कि फिलहाल अमेरिका ने न तो किसी तरह के सैन्य हथियार तैनात किए हैं और न ही अतिरिक्त सैनिकों की तैनाती का कोई आदेश जारी हुआ है। अधिकारियों के बीच इस मुद्दे पर अभी आम सहमति भी नहीं बन पाई है। यानी योजना पर चर्चा होना यह संकेत नहीं देता कि हमला तय है। इस बीच, राष्ट्रपति ट्रंप ने ईरान में जारी सरकार विरोधी प्रदर्शनों के संदर्भ में बयान देते हुए कहा है कि अमेरिका ईरानी प्रदर्शनकारियों की मदद के लिए ÷तैयार÷ है। उनके इस बयान को कूटनीतिक दबाव बढ़ाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, न कि तत्काल सैन्य कार्रवाई के संकेत के रूप में। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संभावित कदम से पहले क्षेत्रीय स्थिरता, अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया और कूटनीतिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। विशेषज्ञों के मुताबिक, मौजूदा हालात में वॉशिंगटन की प्राथमिकता दबाव की राजनीति और चेतावनी तक सीमित दिखती है, न कि सीधा सैन्य टकराव।

रूस से तेल खरीदने को लेकर भारत, चीन...

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

यह कदम यूक्रेन युद्ध के बीच रूस पर दबाव बनाने के लिए उठाया गया है। गौरतलब है कि अमेरिका ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगा रखा है। इसमें से 25 फीसदी टैरिफ रूस से तेल खरीदने की वजह से लगाया गया है। इसी तरह अमेरिका ने चीन और ब्राजील पर भी भारी टैरिफ लगाया है। अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर 145 फीसदी तक टैक्स लगाया था, इसके जवाब में चीन ने अमेरिकी सामान पर 125 फीसदी टैक्स लगा दिया। हालांकि, बाद में दोनों देशों ने संयुक्त बयान जारी कर कहा था कि वे 90 दिनों के लिए अपने-अपने टैरिफ रोक देंगे और बातचीत जारी रखेंगे। अमेरिका ने चीन से आने वाले सामान पर टैक्स घटाकर 30 फीसदी कर दिया वहीं चीन ने अमेरिका से आने वाले सामान पर 10 फीसदी टैक्स वसूलने का फैसला किया। दूसरी तरफ यदि अदालत टैरिफ को गैर कानूनी करार देती है तो अमेरिका को भारत को अब तक वसूले गए लगभग 18 हजार करोड़ रुपए लौटाने होंगे।

अमेरिका पर समंदर डकैती का आरोप!

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

अमेरिकी प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए टैंकर को जब्त कर लिया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी कहा कि अमेरिका द्वारा जब्त किए गए तेल टैकर के चालक दल पर मुकदमा चलाया जा सकता है। जहाज के खिलाफ न्यायिक जब्ती का आदेश था। गौरतलब है कि अमेरिका नेवी इस तेल टैंकर का पिछले दो हफ्तों से पीछा कर रही थी। इसने वेनेजुएला के आसपास प्रतिबंधित तेल जहाओं पर अमेरिकी नाकेबंदी से बचने की कोशिश की थी। इस दौरान मॉस्को ने नेवी तैनात करके जहाज की सुरक्षा करने की कोशिश की थी। हालांकि रूसी नौसेना टैंकर की रक्षा करने में असफल रही।

वर्ल्ड-क्लास वॉटर ट्रीटमैंट प्लांट से शहरवासियों को सप्लाई होगा साफ व शुद्ध पीने वाला पानी

पानी सप्लाई करने के प्रोजेक्ट की समीक्षा मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए मेयर प्रिंसीपल इंदरजीत कौर, निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल। (छाया-सत्ता संदेश)

लुधियाना (सत्ता संदेश)-भविष्य में शहर के लोगों को साफ व शुद्ध पीने का पानी उपलब्ध करवाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस संबंध में लुधियाना अर्बन वाटर एंड वेस्टवाटर मैनेजमेंट लिम. के बोर्ड ऑफ डायरैक्टर्ज की 11वीं मीटिंग नगर निगम के ज़ोन डी. में हुई, जिसकी अध्यक्षता मेयर प्रिंसीपल इंद्रजीत कौर और नगर निगम कमिश्नर आदित्य डेचलवाल ने की। इस दौरान वाटर यूटिलिटी कंपनी के चल रहे कामों का विवरण की समीक्षा की गई और काम में तेज़ी लाने के लिए ज़रूरी दिशा-निर्देश दिए गए। मीटिंग में कुछ सदस्यों को कंपनी का डायरैक्टर भी बनाया गया। गौरतलब है कि यह कंपनी शहर के वाटर सप्लाई ढांचे को मज़बूत करने और वर्ल्ड बैंक और ए.आई.आई.बी. की मदद से चल रहे नहर आधारित वाटर सप्लाई प्रोजैक्ट को लागू करने के लिए बनाई गई है। इस प्रोजैक्ट के तहत ग्राउंड वाटर पर निर्भरता कम करके सरफेस वाटर के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया जा रहा है। मीटिंग में संयुक्त कमिश्नर विनीत कुमार, चीफ इंजीनियर रविंदर गर्ग, पी.डब्लयू.एस.एस.बी. के चीफ इंजीनियर सतनाम सिंह, एसई हरप्रीत सिंह, आशुतोष कुमार, कुलविंदर सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मेयर प्रिंसीपल इंदरजीत कौर ने मीटिंग के दौरान कहा कि नगर निगम शहर के टिकाऊ विकास की दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि नहर से पानी सप्लाई करने का प्रोजेक्ट तेज़ी से आगे बढ़ रहा है और इसकी नियमित समीक्षा करना बहुत ज़रूरी है।

शातिरों ने बना डाली आईएएस अधिकारी की फर्जी फेसबुक आईडी

शिमला (सत्ता संदेश)-राज्य में वरिष्ठ अधिकारियों के नाम पर फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी के प्रयास के कई मामले सामने आ चुके हैं। अब राजधानी शिमला में तैनात एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी डॉ. यूनुस की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर ठगी का प्रयास किया गया। ठगों ने उनके नाम और तस्वीरों का उपयोग करके लोगों से पैसे की मांग की। डॉ. यूनुस ने फेसबुक पर पोस्ट कर इस फेक आईडी का स्वयं खुलासा किया और लोगों से इसे रिपोर्ट करने का अनुरोध किया। बता दें कि शिमला में इससे पहले भी शिमला डीसी और एसडीएम शहरी शिमला की फर्जी आईडी बनाकर ठगी और इसके दुरुपयोग के मामले प्रकाश में आ चुके हैं। बता दें कि डॉ. यूनुस 2010 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। वह कई जिलों में डीसी का कार्यभार संभाल चुके हैं। वह एचआरटीसी के प्रबंध निदेशक भी रह चुके हैं और वर्तमान में वह आबकारी आयुक्त के पद पर आसीन हैं और उनके पास उद्योग विभाग के निदेशक का चार्ज है। आईएएस अधिकारी यूनुस के पास यह मामला पहुंचा। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि मेरे संज्ञान में यह बात आई है कि मेरे नाम और तस्वीरों का उपयोग करके कुछ नकली फेसबुक अकाऊंट चलाए जा रहे हैं। मैं सभी मित्रों से अनुरोध करता हूं कि इन अकाऊंट्स को स्वीकार न करें और न ही इनके साथ कोई संपर्क करें।

बेहतरीन अवसर साबित होगी 4 दिवसीय इंटीरियर-एक्स्टीरियर एक्सपो-जी.एस. ढिल्लों

लुधियाना (सत्ता संदेश)-साहनेवाल स्थित लुधियाना एग्जीबिशन सैंटर में 16 से 19 जनवरी तक आयोजित होने वाले 4 दिवसीय प्रदर्शनी में देशभर से 300 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियां हिस्सा लेंगी और 8000 से ज्यादा आधुनिक व इनोवेटिव उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। इस प्रदर्शनी में देश के जाने-माने और अनुभवी आर्किटैक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स मौजूद रहेंगे, जो विजिटर्स को डिजाइन, निर्माण और तकनीकी समाधान से जुड़ी अहम जानकारी और मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यह एक्सपो न केवल व्यापारिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि घर, ऑफिस और कमर्शियल प्रोजैक्ट्स की प्लानिंग कर रहे लोगों के लिए भी एक बेहतरीन अवसर साबित होगी। इस प्रदर्शनी में इंटीरियर, एक्स्टीरियर और बिल्डिंग मटीरियल से जुड़े नवीनतम ट्रेंड्स और तकनीकों का एक भव्य मंच इंटीरियर-एक्स्टीरियर एक्सपो-2026 के रूप में सजने जा रहा है। प्रदर्शनी को सफल बनाने के लिए द इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्कि, टेक्ट्स (आई.आई.ए.), आर्किटेक्ट्स एसोसिएशन, क्लब एनपीसी इंडिया, आई.सी.सी.टी.ए.एस., क्रेडाई पंजाब, द लुधियाना सेनेटरी एंड पाइप ट्रेडर्स एसोसिएशन, लुधियाना इंटीरियर क्लब वैल्फेयर एसोसिएशन सहित कई प्रमुख संस्थाएं विशेष सहयोग प्रदान कर रही हैं। इन संस्थाओं की भागीदारी से प्रदर्शनी की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों बढ़े हैं। प्रदर्शनी में आर्किटैक्चर एवं डेकोरेटिव लाइटिंग, बाथ और सेनिटेशन, टाइल्स व सैरेमिक्स, सेफ्टी व सिक्योरिटी सिस्टम, होम व ऑफिस ऑटोमेशन, मॉड्यूलर किचन, फर्नीचर व फिक्स्चर, दरवाजे-खिड़कियां, लिफ्ट व एस्केलेटर, इलैक्ट्रिकल आइटम्स, तार व केबल, वॉटर मैनेजमेंट सिस्टम, रूफिंग व क्लैडिंग, हार्डवेयर, निर्माण सामग्री, कांच, प्लंबिंग, पाइप व फिटिंग, सोलर सिस्टम व लाइटिंग, लैंडस्केप व गार्डन सॉल्यूशंस, फ्लोरिंग सहित कई अन्य नवीन और अत्याधुनिक उत्पाद पेश किए जाएंगे।

देश के जाने-माने और अनुभवी आर्किटैक्ट्स, इंटीरियर डिजाइनर्स और इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स करेंगे शिरकत

क्या कहा मैनेजिंग डायरैक्टर जी.एस. ढिल्लों ने

उड़ान मीडिया एंड कम्युनिकेशंस के मैनेजिंग डायरैक्टर जी.एस. ढिल्लों ने बताया कि इस एक्सपो में एक ही छत के नीचे वास्तुकला और निर्माण से जुड़े लगभग सभी सेगमेंट्स को शामिल किया गया है। उन्होंने कहा कि इंटीरियर-एक्स्टीरियर एक्सपो-2026 लुधियाना ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए एक महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म साबित होगा, जहां निर्माता, डीलर, आर्किटेक्ट्स, बिल्डर्स और आम उपभोक्ता एक साथ जुड़कर भविष्य की निर्माण और डिजाइन जरूरतों को समझ सकेंगे।

हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्टों पर हिमाचल का भूमि राजस्व अधिकार क्षेत्र से बाहर और कानूनी रूप से अस्थिर-बी.बी.एम.बी.

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-बी.बी.एम.बी. ने हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा जारी एक हालिया गजट नोटिफिकेशन पर औपचारिक रूप से आपत्ति जताई है, जिसमें, बड़े हाइड्रोइलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट्स पर भूमि राजस्व का विशेष मूल्यांकन लगाया गया है। बी.बी.एम.बी. ने इस कदम को अधिकार क्षेत्र से बाहर, मनमाना और कानूनी रूप से अस्थिर करार दिया है। ये आपत्तियां, 12 दिसंबर, 2025 के नोटिफिकेशन के जवाब में भूमि अधिग्रहण अधिकारी और राजस्व अधिकारी, शिमला डिवीजन को सौंपी हिमाचल गई है। नोटिफिकेशन के तहत प्रदेश सरकार के राजस्व विभाग ने पौंग हाइड्रो पावर प्रोजैक्ट के लिए 58.77 करोड़ रुपए, ब्यास-सतलुज लिंक (बीएसएल) प्रोजैक्ट के लिए 146.92 करोड़ रुपए और भाखड़ा बांध प्रोजैक्ट के लिए प्रति वर्ष 227.46 करोड़ रुपए के वार्षिक भूमि राजस्व का मूल्यांकन किया है। बी.बी.एम.बी. ने तर्क दिया है कि वह मूल्यांकित भूमि राजस्व का भुगतान करने के लिए उत्तरदायी नहीं है, जिस भूमि पर भाखड़ा बांध और हाइड्रो इलैक्ट्रिक प्रोजैक्ट बना है, उसे 1947 में तत्कालीन पंजाब राज्य द्वारा अधिग्रहित किया गया था, जो हिमाचल प्रदेश के गठन से काफी पहले था। भाखड़ा प्रोजैक्ट के लिए आवश्यक अतिरिक्त भूमि को 1956 और 1958 के दौरान कानूनी रूप से अधिग्रहित किया गया था, जिसमें भूस्वामियों को प्रचलित बाजार दरों पर पूरा मुआवजा दिया गया था। इसी तरह, पौंग बांध और बी.एस.एल. प्रोजैक्ट्स के लिए भूमि अधिग्रहण क्रमशः 1961 और 1962 में शुरू हुआ। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के लागू होने के बाद, ये संपत्तियां भागीदार राज्यों की ओर से बी.बी.एम.बी. के प्रशासनिक नियंत्रण में आ गई। बी.बी.एम.बी. ने आरोप

लगाया कि नोटिफिकेशन ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है क्योंकि दरें और विशेष मूल्यांकन रिपोर्ट बिना आपत्तियां आमंत्रित किए या भागीदार राज्यों सहित प्रभावित हितधारकों से परामर्श किए बिना अंतिम रूप दी गई। इससे पहले पंजाब सरकार ने भी हिमाचल प्रदेश की सरकार की ओर से लगाए गए सैस का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि इससे राज्य के राजस्व पर 500 करोड़ का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

नाबालिग शूटर के यौन उत्पीड़न के आरोप में राष्ट्रीय शूटिंग कोच पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

चंडीगढ़-फरीदाबाद में 17 वर्षीय राष्ट्रीय स्तर की शूटर द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद हरियाणा पुलिस ने राष्ट्रीय शूटिंग कोच के खिलाफ मामला दर्ज किया है। प्राथमिकी (एफ.आई.आर.) के अनुसार, यह घटना 16 दिसंबर, 2025 को हुई थी, जब एथलीट ने दक्षिण दिल्ली के डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में एक राष्ट्रीय स्तर की शूटिंग प्रतियोगिता में भाग लिया था। पीड़िता ने जो एफ.आई.आर. दर्ज करवायी है, उसके अनुसार, पिछले महीने करणी सिंह रेंज में एक अभ्यास सत्र के बाद यह घटना घटी थी। पिछले साल अगस्त से भारद्वाज के साथ प्रशिक्षण ले रही इस युवा निशानेबाज ने बताया कि वह इस घटना से सदमे में है और उन्होंने बार-बार पूछे जाने पर एक जनवरी को अपनी मां को इसकी जानकारी दी। अपनी एफआईआर में 17 वर्षीय खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि भारद्वाज उसे मोहाली, पटियाला, देहरादून और दिल्ली जैसे स्थानों पर प्रशिक्षण के लिए बुलाते थे, लेकिन वह हमेशा उसी दिन घर लौट आती थी। पीड़िता ने कहा कि घटना वाले दिन वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भाग लेने के लिए टैक्सी से अकेले ही करणी सिंह रेंज गई थी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता समाप्त होने के बाद जब वह घर जा रही थी, तो कोच ने उसे अपने प्रदर्शन का विश्लेषण करने के लिए रुकने को कहा। इस युवा खिलाड़ी ने अपनी शिकायत में बताया कि कोच ने पहले उसे फरीदाबाद के सूरजकुंड इलाके में एक होटल की लॉबी में मिलने के लिए कहा।

चल पड़े 'उड़ चले'- अमेरिका हुआ बेगाना

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

भारतीय प्रोफेशनल्स के सामने देश छोड़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा।

वापसी का बड़ा कारण बन रही भारत की तरक्की

विशेषज्ञों का मानना है कि अमेरिका से लौटने का एक बड़ा कारण भारत में तेज़ी से बढ़ते करियर अवसर भी हैं। आईटी, स्टार्टअप्स, फार्मास्यूटिकल्स, हेल्थकेयर, फाइनेंस और टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत अब न केवल रोजगार दे रहा है, बल्कि बेहतर ग्रोथ और स्थिरता भी प्रदान कर रहा है।

वीज़ा धारकों की जीवन-साथियों पर भी असर

नए नियमों के तहत H-1B धारकों के जीवन-साथियों को मिलने वाले वर्क परमिट पर भी रोक या अनिश्चितता बढ़ी है। इससे हजारों परिवारों की आय और जीवनशैली प्रभावित हुई है, जो भारत वापसी का अहम कारण बन रही है।

सेवा केंद्रों में आधार-बैंक लिंक सेवा शुरू न ...

पन्ना 1 का बाकी हिस्सा

नाराजगी देखने को मिल रही है। सेवा के लिए आवेदन करने वाली एक महिला ने बताया कि उन्होंने अपना आधार कार्ड बैंक खाते और गैस एजेंसी से लिंक करवाने के लिए 1076 पर बुकिंग करवाई थी। उन्हें भरोसा था कि सेवा केंद्र की टीम घर आकर यह काम कर देगी, लेकिन कई दिन बीत जाने के बावजूद न तो कोई कॉल आई और न ही किसी तरह का संदेश मिला। उन्होंने कहा कि यदि यह सुविधा शुरू नहीं हुई थी, तो लोगों को पहले ही इसकी जानकारी दी जानी चाहिए थी। वहीं एक अन्य व्यक्ति ने भी बताया कि वे ज्यादा पढ़े-लिखे नहीं हैं, इसलिए किसी परिचित की मदद से हेल्प लाइन नंबर पर कॉल कर आधार लिंक कराने के लिए आवेदन करवाया था। उन्होंने बताया कि दस दिन बीत जाने के बावजूद कोई जवाब नहीं मिला। मजबूर होकर उन्हें खुद गैस एजेंसी जाकर अपना आधार कार्ड लिंक करवाना पड़ा। लोगों का कहना है कि सरकार की इस योजना से आम लोगों को सुविधा मिलनी थी, लेकिन देरी और सही जानकारी के अभाव में लोगों को उल्टा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सरकार एक ओर डिजिटल सेवाओं और घर बैठे सुविधाओं की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर सेवा केंद्रों में तैयारी के बिना ही योजनाओं का ऐलान कर दिया जाता है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहा है।

मालवा सभ्याचारक मंच द्वारा परिवारिक एकता का सार्थक संदेश देते 30वां बेटियों का लोहड़ी मेला करवाया गया

पद्मश्री निर्मल ऋषि ने किया मेले का उद्घाटन विभिन्न क्षेत्रों की 13 हस्तियों का हुआ विशेष सम्मान

लुधियाना (अश्विनी जेटली) - मालवा सभ्याचारक मंच की ओर से गुरु नानक देव भवन के ऑडिटोरियम में लड़कियों के लिए 30वां लोहड़ी मेला पूरे धूमधाम से मनाया गया। मंच के चेयरमैन कृष्ण कुमार बावा, अध्यक्ष जसवीर सिंह राणा झांडे, महिला विंग की चेयरपर्सन सिमी क्षात्रा, प्रेसिडेंट इंदरजीत कौर, पूर्व मंत्री मलकीत सिंह दाखा, रविंदर सियान, रेशम सिंह सग्गू और दूसरे पदाधिकारी मुख्य मेहमान पद्मश्री निर्मल ऋषि और सम्मानित हस्तियों को बैंड और ढोल की थाप के साथ स्टेज पर ले कर पहुँचे। इस बार बेटियों का लोहड़ी मेला बॉलीवुड के ही-मैन धर्मेंद्र, संगीत सम्राट चरणजीत आहूजा, कॉमेडी किंग जसविंदर भल्ला, एक्टर और सिंगर राजवीर जवंदा और विश्व प्रसिद्ध चित्रकार और कवि देव की याद को समर्पित रहा। मेले का उद्घाटन सिनेमा और थिएटर की प्रमुख हस्ती पद्मश्री निर्मल ऋषि ने किया। अपने उद्घाटनीय भाषण में मैडम ऋषि ने मेले में बड़ी संख्या में आए उन परिवारों को बधाई दी, जिनके घर साल 2025 में छोटी लड़कियों की किलकारियां गूंजी थीं। उन्होंने कहा कि हमें बच्चों को अच्छे संस्कार देने चाहिए ताकि वे भविष्य में एक बेहतर समाज के निर्माण में अपनी भूमिका अच्छे से निभा सकें। मैडम ऋषि ने जॉइंट फैमिली की ज़रूरत पर ज़ोर देते हुए एक साथ रहने की

भी अपील की और माता-पिता से अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाने की सलाह दी ताकि हमारी यह पीढ़ी बहुत अच्छी हो।

विधायक कुलवंत सिंह सिद्धू, पूर्व मंत्री शरणजीत सिंह ढिल्लों, कांग्रेस नेता पवन दीवान, गुरदेव सिंह लापरां, भाजपा नेता प्रवीण बांसल और प्रमुख पंजाबी कवि और विचारक प्रो. गुरभजन सिंह गिल ने बच्चियों को आशीर्वाद देने के लिए मेले में शिरकत की और श्री बावा की पहल की सराहना की जो बेटियों के सम्मान के लिए 29 वर्षों से लगातार लोहड़ी मेले का आयोजन कर रहे हैं। मंच की तरफ से इस बार फोटोग्राफी, लेखन और औद्योगिक क्षेत्र की प्रसिद्ध शख्सियत रणजोध सिंह, पत्रकारिता के क्षेत्र में ख़ास पहचान रखने वाले प्रसिद्ध पत्रकार सतिबीर सिंह, डाक्टर निर्मल जौड़ा, महिला उद्यमी श्रीमती मुस्कान शर्मा, श्रीमती मुस्कान शर्मा यादव, प्रमुख समाज सेविका मैडम रचना शर्मा, दर्शन लाल बवेजा, तरलोचन सिंह सफरी, रमनदीप कौर, रमनजीत सिंह ढिल्लों और भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित मास्टर श्रवण सिंह को पदक, स्मृति चिह्न और लोई से सम्मानित किया। परिवारिक गीत गाने वाले शिरोमणि गायक पाली देतवालिया, कौर सिम्मी, दलेर सिंह दलेर, अमरजीत सिंह शेरपुरी, सुरिंदर भलवान, मनी हरियाणा, मलकीत मंगा समेत कई पंजाबी गायकों ने बेटियाँ को समर्पित गीतों के द्वारा समय बाँधा और मेले को प्यार के रंगों से भर दिया। जीत फाउंडेशन के बच्चों के भांगड़े ने मेले में रिवायती रंग भरा जबकि नेत्रहीन बच्चों ने धार्मिक गीत पेश करके मेले में हाज़री लगवाई। मंच की तरफ से सोशल मीडिया पर सामाजिक संदेश देने वाली देवगुन फैमिली को भी सम्मानित किया गया। इस मौके रमिन्दर सिंह आई.ए.एस, कर्नल हरबंस सिंह काहलों, चरणजीत सिंह विश्वकर्मा, परमिंदर मेहता, अशोक थापर, प्रीतम सिंह भरोवाल, बलविंदर कौर जॉइंट कमिश्नर इनकम टैक्स, जगदीश जैन, पूर्व पार्षद और महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुरदीप कौर, कंवलजीत सिंह शंकर, रिंकू बैरागी कुरुक्षेत्र, रेणु नारंग पटियाला आदि उपस्थित थे।

गुमशुदा की तालाश

सूचित किया जाता है कि हरी राम यादव पुत्र ननकू प्रशाद यादव वासी गांव खरबा चोरन थाना संगरामगढ़, जिला प्रतापगढ़ यूपी, हाल वासी किरायेदार देवराज का मकान, गली नं. 4 लक्ष्मण नगर निकट 33 फुटटा रोड,ग्यासपुरा, लुधियाना उम्र करीब 33 वर्ष, कद 5'-8'', रंग सांवला, शरीर पतला, जिसने लाल रंग की शर्ट व जीन की पैंट पहनी हुई थी। 11 दिसम्बर, 2025 को करीब 4.30 बजे बाद दोपहर श्री गणेश एग्रो यार्न प्राईवेट लिमटिड फैक्टरी प्लाट नं. सी-171, फेस-6, फोकल प्वाईंट, लुधियाना से अपना बनता हिसाब लेकर चला गया था, पर आजतक घर वापिस नहीं लौटा, जिस किसी को इसका पता लगे तो नीचे दिये गये टैलीफोन नम्बरों पर सूचित करे:-

थाना फोकल प्वाइंट लुधियाना-78370-18612, मुंशी-78370-18611
तफ्तीश अधिकारी-98145-17700, मुदई हरी राम यादव-98148-75914

दम तोड़ रहा है लुधियाना का सिलाई मशीन उद्योग

कच्चे माल, स्पेयर पार्ट्स और श्रम लागत में बेतहाशा बढ़ौतरी ने तोड़ी उद्योग की कमर

लुधियाना (अश्विनी जेतली) - देश के प्रमुख औद्योगिक शहर लुधियाना में सिलाई मशीन उद्योग गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। कच्चे माल, स्पेयर पार्ट्स और श्रम लागत में लगातार हो रही बेतहाशा बढ़ौतरी ने उद्योग की कमर तोड़ के रख दी है। हालात इतने विकट हो चुके हैं कि द स्यूईंग मशीन डीलर्स एंड असैंबलर्स एसोसिएशन को मजबूरी में सिलाई मशीन के दाम बढ़ाने का फैसला लेना पड़ा है। यह संशोधित दरें तत्काल प्रभाव से लागू मानी जाएगी। जानकारी के अनुसार डॉमेस्टिक सिलाई मशीन की 100 रुपए, अम्ब्रेला सिलाई व ओवरलॉक स्यूईंग मशीन की 150 रुपए और इम्ब्रॉयडरी सिलाई मशीन की 200 रुपए तक कीमत बढ़ाई जाएगी, जबकि सिलाई मशीन मोटर की कीमत में 150 रुपये की बढ़ौतरी की गई है। एसोसिएशन द्वारा जारी आधिकारिक नोटिस में साष्ट कहा गया है कि स्टील, कास्ट आयरन, एल्युमिनियम, इलैक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स और अन्य कच्चे माल की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके साथ- साथ स्पेयर पार्ट्स, बिजली, ट्रांसपोर्टेशन और मजदूरी खर्च भी रिकॉर्ड स्तर तक पहुंच चुका है। इसके बावजूद लंबे समय से कारोबारी पुरानी दरों पर काम करने को मजबूर थे, जिससे उद्योग को लगातार घाटा झेलना पड़ रहा था। एसोसिएशन के प्रधान संदीप सिंह ने तीखे शब्दों में कहा कि अब हालात असहनीय हो चुके हैं। सरकार और नीति निर्माताओं को बार-बार आगाह किया गया कि लागत लगातार बढ़ रही है, लेकिन किसी स्तर पर कोई राहत नहीं दी गई। कच्चे माल के दाम आसमान छू रहे हैं और मजदूरी खर्च दिन- प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है। ऐसे में उद्योग को जिंदा रखने के लिए दाम बढ़ाना मजबूरी बन गया है। यह फैसला इंडस्ट्री का अस्तित्व बचाने हेतु लिया गया है। प्रधान संदीप सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि समय रहते कीमतों में संशोधन नहीं किया जाता तो कई छोटी व मध्यम यूनिट्स बंद होने की कगार पर पहुंच जातीं, जिससे हजारों कामगारों के रोजगार पर संकट खड़ा हो जाता। इसी तरह एसोसिएशन के ऑडिटर रजनीश जैन ने कहा कि यह फैसला बेहद सोच-समझकर लिया गया है। हमने हर स्तर पर लागत को झेलने की कोशिश की, लेकिन अब हालात हाथ से बाहर हो चुके हैं। उद्योग पिछले कई महीनों से नुक्सान में चल रहा था। दाम बढ़ौतरी बेहद सीमित रखी गई है ताकि बाजार पर ज्यादा दबाव न पड़े।

लुधियाना स्यूईंग मशीन इंडस्ट्रीज एसो. ने रेट बढ़ौतरी का किया खुलकर समर्थन

सिलाई मशीन उद्योग पर लगातार बढ़ते लागत दबाव के बीच लुधियाना स्यूइंग इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एल.एस. एम. आई.ए.) भी खुलकर डीलर्स व असेंबलर्स के समर्थन में सामने आ गई है। एसोसिएशन के प्रधान अमरजीत सिंह डिंपल और फाइनेंस सैक्रेटरी जतिंदर नागपाल रिंकू ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि मौजूदा हालात में रेट बढ़ौतरी के अलावा उद्योग के पास कोई और विकल्प नहीं बचा था। प्रधान अमरजीत सिंह डिंपल ने कहा कि सिलाई मशीन उद्योग पिछले काफी समय से गंभीर आर्थिक दबाव में काम कर रहा है। कच्चे माल के दामों में बेतहाशा बढ़ौतरी, स्पेयर पार्ट्स की महंगाई, बिजली दरों में इजाफा और मजदूरी खर्च ने उद्योग को पूरी तरह झकझोर कर रख दिया है। उन्होंने कहा कि कई यूनिट्स पहले ही घाटे में चल रही थीं और यदि समय रहते कीमतों में संशोधन नहीं किया जाता तो बड़े पैमाने पर यूनिट्स के बंद होने का खतरा पैदा हो जाता। डिंपल ने दो टूक कहा कि उद्योग कोई शौक से दाम नहीं बढ़ा रहा, बल्कि यह मजबूरी है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने जल्द राहत पैकेज, टैक्स में छूट और बिजली दरों में कटौती जैसे कदम नहीं उठाए तो हालात और ज्यादा बिगड़ सकते हैं। वहीं फाइनेंस सैक्रेटरी जतिंदर नागपाल रिंकू ने कहा कि उद्योग पहले ही अपनी जेब से नुक्सान झेल रहा था। लागत बढ़ती रही और रेट स्थिर रहे, यह किसी भी उद्योग के लिए आत्मघाती स्थिति होती है। अगर अब भी संतुलन नहीं बनाया गया तो इसका सीधा असर रोजगार और उत्पादन पर पड़ेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सिलाई मशीन उद्योग सिर्फ लुधियाना ही नहीं, बल्कि देशभर की हौजरी और गारमैंट इंडस्ट्री की रीढ़ है। यदि यह सैक्टर कमजोर होता है तो इसका असर पूरी टैक्सटाइल वैल्यू चेन पर पड़ेगा। एसोसिएशन दोनों पदाधिकारियों ने केंद्र और राज्य सरकार से स्पष्ट मांग की कि सिलाई मशीन उद्योग को गंभीरता से लिया जाए। कच्चे माल पर टैक्स में राहत, एम.एस.एम.ई. सैक्टर के लिए सस्ती बिजली और वित्तीय सहायता के बिना उद्योग को संभालना मुश्किल हो जाएगा। अंत में उन्होंने उद्योग से जुड़े सभी संगठनों से एकजुट होकर आवाज़ उठाने की अपील करते हुए कहा कि अगर समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में उद्योग को और भी सख्त फैसले लेने पड़ सकते हैं।

संयुक्त किसान मोर्चे और सार्वजनिक जत्थेबंदियां 16 जनवरी को देंगी विशाल धरना

लुधियाना (सत्ता संदेश)- संयुक्त किसान मोर्चा, ट्रेड यूनियनों और जमहूरी सार्वजनिक जत्थेबंदीयों ने मिलकर लुधियाना के शहीद करनैल सिंह इसरू भवन में एक संयुक्त बैठक की और तय किया कि केंद्र सरकार के मनरेगा कानून में बदलाव, चार लेबर कोड लागू करने, बिजली संशोधन बिल 2025 और सीड बिल लाने की तैयारी के खिलाफ 16 जनवरी को लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर के सामने धरना दिया जाएगा। इस मौके पर नेताओं ने कहा कि यह धरना केंद्र सरकार की कॉर्पोरेट परस्त नीतियों के खिलाफ निर्णायक साबित होगा। उन्होंने कहा कि इसकी तैयारी के लिए गांवों, शहरों और मोहल्लों में मीटिंग और रैलियां करके लोगों को इस धरने का हिस्सा बनने के लिए इकट्ठा किया जाएगा।

सब इंस्पेक्टर दलवीर सिंह थाना जमालपुर के एस.एच.ओ. नियुक्त

लुधियाना के अलग अलग थानों और चौकियों में बतौर इंचार्ज निभा चुके है सेवाएं

लुधियाना (संजय भाटिया)- पुलिस प्रशासन के उच्च अधिकारियों द्वारा रूटीन बदली के चलते थाना जमालपुर की एस.एच.ओ. इंस्पेक्टर बलविंदर कौर की जगह अब सब इंस्पेक्टर दलवीर सिंह ने बतौर एस.एच. ओ. चार्ज सम्भाला है। चार्ज लेते ही उन्होंने थाना जमालपुर और अधीन आती चौकी मुंडियां कलां और चौकी रामगढ़ की पुलिस टीम के साथ मीटिंग की। यहाँ बता दें की दलवीर सिंह बतौर चौकी इंचार्ज और एस.एच.ओ. अपनी सेवाएं निभा चुके है। खासकर जमालपुर इलाके से वो अच्छी तरह से वाकिफ है। मीटिंग में उन्होंने बताया कि नशे और असमाजिक गतिविधियों पर नकेल कसना उनका पहला मकसद होगा। साथ कि आम जनता की सुनवाई और

शिकायतों को भी पहल के आधार पर हल किया जाएगा। साथ ही उन्होंने लोगों से अपील की है कि वो भी पुलिस का साथ दे ताकि इलाके से गैरकानूनी गतिविधियों पर फूल स्टॉप लगाया जा सके।

कैबिनेट मिनिस्टर हरदीप सिंह मुंडियां ने गांव भैणी साहिब का दौरा किया

वॉटर सप्लाई, सीवरेज और ट्रीटमेंट प्लांट के प्रपोज़ल का रिव्यू किया

नामधारी संस्था के हेड, प्रिंसिपल सेक्रेटरी, संबंधित डिपार्टमेंट के सीनियर ऑफिसर भी मौजूद थे

भैणी साहिब/लुधियाना (सत्ता संदेश) - कैबिनेट मिनिस्टर हरदीप सिंह मुंडियां की लीडरशिप में गांव भैणी साहिब में वॉटर सप्लाई और सीवरेज सिस्टम जिसमें सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट भी शामिल है, के प्रपोज़ल का इंस्पेक्शन किया गया।

कैबिनेट मिनिस्टर मुंडियां ने कहा कि इस प्रोजेक्ट को जल्द ही ग्रीन सिग्नल दिया जाएगा ताकि लोगों को इसका फायदा मिल सके। इस मौके पर मैनेजिंग कमेटी के साथ नामधारी संगठन के हेड, पंजाब सरकार के वाटर सप्लाई और सैनिटेशन डिपार्टमेंट के प्रिंसिपल सेक्रेटरी नीलकंठ अवाद, डिपार्टमेंट के हेड हरप्रीत सिंह, चीफ इंजीनियर (पीडीक्यूए) इंजीनियर जेजे गोयल, सुपरवाइजिंग इंजीनियर इंजीनियर सुखपिंदर सिंह और संबंधित एग्जीक्यूटिव इंजीनियर इंजीनियर गगनदीप सिंह संधू टेक्निकल टीम के साथ भी मौजूद थे। इस मौके पर खंड मिल, बुड्ढेवाल के चेयरमैन जोरावर सिंह के साथ इन गांवों के सरपंच और पंच और गांवों के दूसरे खास लोग मौके पर मौजूद थे।

विधायक ग्रेवाल की अध्यक्षता में गलाडा अधिकारियों के साथ मीटिंग

इलाके में चल रहे विकास कार्यों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए

लुधियाना (सत्ता संदेश) - लुधियाना ईस्ट विधानसभा इलाके के विधायक दलजीत सिंह ग्रेवाल भोला ने आज गलाडा के सीनियर अधिकारियों के साथ मीटिंग की।

मीटिंग के दौरान पार्षद साहबान, गलाडा के चीफ एडमिनिस्ट्रेटर संदीप कुमार और दूसरे सीनियर अधिकारी भी मौजूद थे।

विधायक दलजीत सिंह ग्रेवाल भोला ने कहा कि गलाडा द्वारा शुरू किए गए विकास कामों को जल्द पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा सेक्टर 32, 33 और 39 में बारिश के पानी की निकासी के लिए पाइपलाइन का काम भी जल्दी शुरू करने के लिए अधिकारियों से बात की गई है ताकि इसे जल्दी शुरू किया जा सके।

विधायक ग्रेवाल ने कहा कि इन इलाकों में सफाई को लेकर सख्त निर्देश दिए गए हैं ताकि इलाके के लोगों को साफ माहौल मिल सके। उन्होंने कहा कि सेक्टर 32 में जल्द ही एक हेल्थ क्लब का उद्घाटन किया जाएगा। श्री ग्रेवाल ने कहा कि इस हेल्थ क्लब के शुरू होने से इलाके के लोगों को बास्केटबॉल और कई दूसरे गेम खेलने का भी मौका मिलेगा, जिससे वे खुद को हेल्दी रख सकेंगे।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने अंडर आने वाले पार्कों को उनकी सुंदरता के लिए रेनोवेट करें, ताकि इलाके के लोग सुबह और शाम की सैर का मज़ा ले सकें।

कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल की लुधियाना के नेताओं से मुलाकात

समराला(सत्ता संदेश)-'मनरेगा बचाओ संग्राम' रैली के दौरान लुधियाना शहरी जिला कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेसी नेता पवन दीवान की छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और पंजाब मामलों के प्रभारी कांग्रेस महासचिव भूपेश बघेल के साथ एक महत्वपूर्ण मुलाकात हुई। मुलाकात के दौरान दीवान ने कहा कि पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग के सक्षम नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग कांग्रेस से जुड़ रहे हैं, जिससे पार्टी की जमीनी स्तर पर पकड़ और मजबूत हो रही है। इस दौरान उन्होंने पंजाब की मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों पर, विशेष रूप से लुधियाना जिले पर ध्यान केंद्रित करते हुए, विस्तार से चर्चा की। दीवान ने दावा किया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की जन-विरोधी नीतियों से लोग पूरी तरह तंग आ चुके हैं और पूरे प्रदेश में कांग्रेस के पक्ष में एक मजबूत लहर बन रही है। भूपेश बघेल ने गंभीरता से बात सुनते हुए, दीवान को जमीनी स्तर पर और तेज़ी से काम करने तथा लोगों को कांग्रेस की जन-हितैषी नीतियों व आम आदमी पार्टी सरकार की पूर्ण प्रशासनिक विफलताओं से अवगत कराने के लिए प्रेरित किया।

बाद में, चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत करते हुए, दीवान ने इस मुलाकात को बेहद सार्थक और प्रेरणादायक संवाद बताया।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन द्वारा वायदा खिलाफी विरुद्ध निगम कार्यालय का 21 को होगा घेराव -धींगान/बाली

लुधियान (सत्ता संदेश)- नगर निगम कर्मचारी यूनियन के मुख्य दफ्तर जोन-ए. पानी वाली टंकी के सामने, दर्जाचार कच्चे कर्मचारी जिनमें माली, बेलदार, सीवरमैन, सफाई सेवक, ड्राइवर शामिल हैं, को जल्द से जल्द पक्का करने और ठेकेदारी सिस्टम खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए चेयरमैन वीरेश नरेश धींगान अगवाई में हंगामी मीटिंग हुई। इस मीटिंग को संबोधित करते उप चेयरमैन रवि बालीए प्रधान विक्की रहेला ने कर्मचारी साथियों में जोश भरा और अपने हकों के लिए एकजुट होने के लिए कहा। इस मौके नरेश धींगान और रवि बाली ने मीटिंग में कहा कि नगर निगम कर्मचारी यूनियन द्वारा ओवरएज समेत समूह दर्जाचार मुलाज़िमों को पक्का कराने, कूड़े काम ठेके पर देने के खिलाफ, ठेकेदारी सिस्टम खत्म करने और कर्मचारियों की अन्य मांगों संबंधी मेयर हाउस और नगर निगम की मीटिंग दौरान मौके पर मौजूद विधायकों और पार्षदों का घेराव किया गया जिस पर आम आदमी पार्टी के विधायकों द्वारा 2 जनवरी से यूनियन की मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग कराने का भरोसा दिया गया परन्तु आज 8 जनवरी होने ते बाद भी यूनियन की मुख्यमंत्री के साथ कोई भी मीटिंग नहीं कराई गई है जिस करके इस वादा खिलाफी कारण मुलाज़म वर्ग में रोस की लहर है इसलिए यूनियन की तरफ से समूह कर्मचारियों की मौजूदगी में फैसला लिया गया है कि अगर आम आदमी पार्टी की तरफ से कर्मचारियों की मांगों संबंधी 20 जनवरी तक मुख्यमंत्री के साथ मीटिंग नहीं कराई जाती तो यूनियन की तरफ से 21 जनवरी को सवेरे 11.00 जोन ए. माता रानी चौक नगर निगम कार्यालय का घेराव करके गेट रैली की जाएगी और इस दौरान समूह कर्मचारियों की तरफ से यह भी ऐलान किया गया कि अगर आपी मांगें मनवाने के लिए उन्हें भूख हड़ताल भी करनी पड़ी तो वो इससे पीछे नहीं हटेंगे।

नगर निगम कर्मचारी यूनियन की मांगों को लेकर हुई बैठक दौरान चेयरमैन वीरेश नरेश धींगान व अन्य। (छाया-सत्ता संदेश)

धर्म ग्रंथ सम्मान यात्रा का लुधियाना पंहुचने पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व महराणा प्रताप राजपूत सभा ने किया स्वागत

समाना से एक जनवरी को शुरु हुई यात्रा 15 जनवरी को अमृतसर में अरदास के साथ होगी सम्पन्न

लुधियान (सत्ता संदेश)-समाना से अमृतसर स्थित हरिमंदिर साहिब जाने वाली धर्म ग्रंथ सम्मान यात्रा के लुधियाना पंहुचने पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व महराणा प्रताप राजपूत सभा सदस्यों ने स्थानीय ढोलेवाल चौक स्थित महाराणा प्रताप पार्क में स्वागत कर संगत के लिए जलपान की व्यवस्था की। इससे पूर्व आठवें दिन की सम्मान यात्रा वीरवार को प्रात: श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का छत्रछाया में साहनेवाल से रवाना होकर लुधियाना पंहुची। महाराणा प्रताप पार्क पंहुचने पर डिंपल राणा के नेतृत्व में राजपूत भाईचारे से जुड़ी शख्शियतों ने सभी धर्म ग्रंथों के सम्मान, मर्यादा एवं धार्मिक अन्याय के विरुद्ध आयोजित यात्रा का खुले दिल से समर्थन देकर आपसी भाईचारे, सामाजिक एकता और सेवा भावना का सशक्त संदेश दिया। राम सिंह राणा ने पंजाब में श्री गुरु ग्रंथ साहिब सहित अन्य धर्म ग्रंथों की बढ़ती बेदअदबी की घटनाओं की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा सख्त कानून बनाए बिना धर्म ग्रंथों की रक्षा के संभव नहीं। धर्म ग्रंथ सिर्फ आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, इतिहास और नैतिक मूल्यों की नींव हैं। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष डिंपल राणा ने पंजाब विधानसभा में अधर में लटके बेअदबी कानून को जल्दी पारित करने की अपील राज्य सरकार से की। उन्होने कहा कानून बनने में देरी होने से दोषियो के हौसले बुलंद हो रहे है। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष संत सिंह राणा, महाराणा प्रताप राजपुत सभा के अध्यक्ष राकेश मिन्हास, हिमाचल प्रांतीय सभा के अध्यक्ष अनिल ठाकुर, डीएसपी राज कुमार चौधरी, अमन राणा (मोनू) इकबाल सिंह सेनू कौंसलर, गुरुद्वारा फेरुमान के अध्यक्ष बलविन्द्र सिंह लायलपुरी, हिमाचल परिवार संघटन से राजेश रतन भारद्वाज , रणजीत सिंह राणा, राज कुमार राणा, डी.एस राणा, , धर्मवीर राणा, आर.एस पठानिया, अमरेन्द्रा गोविंद राव, कमल डडवाल, गौतम पुंडीर, माम चंद राणा, रुप सिंह राणा, कश्मीर सिंह पटियाल, दिनेश राणा, सोनी राणा, आशू राणा, राणा रणजीत सिंह, अशोक राणा, गुलजार गुलेरिया, सुरजीत राणा, रविन्द्र पठानिया, नरेश राणा, हरीश कुमार, सुरिन्द्र गुज्जर जगदेव मिन्हास, अमित डोगरा, अमित डाडीच, राजेश राणा, जगदीप राणा, अमनदीप राणा, कुलदीप शर्मा, राज कुमार शर्मा, मिंटू राणा, बिट्टू राणा, तजिन्द्र चहल, हरीश दुआ, अब्बास राजा, कुलवंत राणा, आर.पी चंदेल, संदीप रघु, बलदेव ठाकुर, प्रमोद राणा, अशोक जसरोटिया, सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा व महराणा प्रताप राजपूत सभा की ओर से समाना से अमृतसर स्थित हरिमंदिर साहिब जाने वाली धर्म ग्रंथ सम्मान यात्रा का लुधियाना पंहुचने पर स्वागत करते समय डिम्पल राणा व अन्य सम्मानित शख्सियतों के साथ। (छाया-सत्ता संदेश)

पिछले 20 साल से न्याय न मिलने पर लोकपाल में दी जज के विरुद्ध शिकायत

लुधियाना (सत्ता संदेश)-पिछले 20 साल से जमीन के विवाद में इंसाफ नहीं मिला तो होशियारपुर जिले के जसपाल सिंह संधू ने लुधियाना में तैनात एक जज के खिलाफ लोकपाल में शिकायत दर्ज करवाई है। मामला 52 कनाल जमीन से जुड़ा है, जिसे शिकायतकर्ता पैतृक संपत्ति बता रहे हैं। संधू के मुताबिक निचली अदालत ने 7 जुलाई, 2017 को यह कहते हुए केस खारिज कर दिया था कि जमीन को पैतृक साबित नहीं किया जा सका। इसके बाद शिकायतकर्ता ने 2017 में अपील दाखिल की। अपील के दौरान उन्होंने 1912-13 की जमाबंदी और उसका पंजाबी अनुवाद अतिरिक्त साक्ष्य के तौर पर पेश करने की अनुमति मांगी थी। शिकायतकर्त्ता का आरोप है कि साक्ष्य पेश करने का आवेदन, अतिरिक्त मुद्दे तय करने का आवेदन और पूरी अपील- तीनों को 15 अक्टूबर, 2025 को एक ही दिन में खारिज कर दिया गया। उन्होंने कहा कि इसमें न तो अतिरिक्त साक्ष्य खारिज करने के कारण लिखे गए और न ही उनके वकील द्वारा दिए गए लिखित तर्कों का उल्लेख किया गया। शिकायत में यह भी कहा गया है कि मामला आठ महीने तक सुरक्षित रखा गया, लेकिन अंत में बिना विस्तार से सुनवाई किए केस खारिज कर दिया गया। संधू ने 29 दिसंबर को लोकपाल से मामले की जांच कराने और संबंधित न्यायिक अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पी.एस.पी.सी.एल. की चेतावनी को कहाँ मानते हैं सरकारी विभाग!

निगम की चेतावनी के बावजूद सरकारी विभागों से नहीं हो रही बकाया बिलों की वसूली

लुधियाना (सत्ता संदेश)- पी.एस.पी.सी.एल. के सैंट्रल जोन में सरकारी विभागों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। राज्य सरकार के ही करीब 36 विभाग ऐसे हैं, जो वर्षों से नियमित रूप से बिजली का उपयोग तो कर रहे हैं, लेकिन उसका भुगतान करना जरूरी नहीं समझ रहे। हालात यह हैं कि बार-बार नोटिस भेजे जाने के बावजूद इन विभागों की ओर से बकाया बिजली बिल जमा नहीं करवाया गया है। सैंट्रल जोन की 20 डिवीजनों के अंतर्गत आने वाली सरकारी इमारतों पर कुल 32,475.10 रुपए का बिजली बिल बकाया है। यह राशि भले ही बहुत बड़ी न लगे, लेकिन सरकारी विभागों द्वारा समय पर बिजली बिल जमा न कराना न केवल वित्तीय अनुशासन पर सवाल खड़े करता है, बल्कि आम उपभोक्ताओं के लिए भी गलत संदेश देता है। एक ओर जहां आम उपभोक्ताओं से समय पर भुगतान न होने पर बिजली कनैक्शन काटने जैसी कार्रवाई की जाती है, वहीं सरकारी विभागों की इस लापरवाही से विभागीय छवि पर भी प्रभाव पड़ रहा है। विशेष बात यह है कि यह सभी विभाग जनता से जुड़े हैं और समय पर टैक्स, शुल्क व अन्य देनदारियां वसूलते हैं, लेकिन खुद बिजली बिल चुकाने में लापरवाही बरत रहे हैं, वहीं पी.एस.पी.सी.एल. अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल जोन की सभी 20 डिवीजनों की ओर से अपने-अपने क्षेत्र में आने वाली सरकारी इमारतों को लगातार नोटिस भेजे जा चुके हैं। इसके बावजूद संबंधित विभागों के उच्च अधिकारी इन नोटिसों को गंभीरता से नहीं ले रहे। विभागीय सूत्रों के अनुसार कुछ कार्यालयों ने तो नोटिस मिलने के बाद भी कोई जवाब तक नहीं दिया। पी.एस.पी.सी.एल. अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह पूरी सूची नवंबर 2025 में तैयार की गई थी। इसके बाद से लगातार संबंधित विभागों को भुगतान के लिए कहा जा रहा है।

किन-किन विभागों का कितना बकाया लम्बित

पी.एस.पी.सी.एल. द्वारा तैयार की गई सूची के अनुसार नवंबर 2025 तक विभिन्न विभागों पर यह बकाया राशि दर्ज है। इसमें सबसे अधिक बकाया डिपार्टमेंट ऑफ लोकल गवर्नमेंट पर है, जिसका बिजली बिल 18,204.78 रुपए पेंडिंग है। इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफ वाटर सप्लाई एंड सैनिटेशन पर 5,918.59 रुपए और डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ एंड फैमिली वेलफेयर पर 2,607.36 रुपए बकाया हैं। अन्य विभागों में डिपार्टमेंट ऑफ रूरल डेवलपमेंट एंड पंचायत पर 2,212.36 रुपए, सीवरेज बोर्ड पर 1,060.04 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ होम अफेयर्स एंड जेल पर 640.74 रुपए और डिपार्टमेंट ऑफ लीगल एंड लेजिस्लेटिव अफेयर्स पर 329.83 रुपए का बकाया शामिल है। वहीं इसके अलावा डिपार्टमेंट ऑफ स्कूल एजुकेशन पर 281.23 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नेंस रिफॉर्म्स पर 136.75 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर पर 60.15 रु पए, डिपार्टमेंट ऑफ एनिमल हसबेंडरी, डेयरी डेवलपमेंट एंड फिशरीज पर 48.09 रुपए और डिपार्टमेंट ऑफ ट्रांसपोर्ट पर 47.58 रुपए का बकाया दर्ज है। कई विभागों पर छोटी-छोटी राशियां भी बकाया हैं, जैसे डिपार्टमेंट ऑफ फाइनेंस पर 0.29 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ वेलफेयर ऑफ एससी एंड बीसी पर 0.08 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ प्लानिंग पर 0.13 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च पर 0.59 रुपए, डिपार्टमेंट ऑफ स्पोर्ट्स एंड यूथ सर्विसेज पर 0.77 रुपए और डिपार्टमेंट ऑफ टूरिज्म एंड कल्चरल अफेयर्स पर 0.78 रुपए बकाया है। वहीं इन सभी विभागों की राशि को जोड़ने पर कुल बकाया 32,475.10 रुपए बनता है।

www.sattasandesh.com | sattasandesh25@gmail.com
नजरिया
सत्ता संदेश

सम्पादकीय

लोहड़ी पर्व और बेटी बचाओ का नारा

लोहड़ी पर्व प्रकृति के जश्न का त्यौहार है। सर्दी के मौसम की विदाई, नए मौसम के आगमन, नई फसल और नए जीवन की शुरुआत का पर्व। पंजाब में लोहड़ी का पर्व परिवार में बेटे के जन्म की खुशियों को दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ मिलकर बांटने के त्यौहार के रूप में मनाया जाता है। लोहड़ी पर्व उत्तर भारत का प्रमुख लोक पर्व है। सदियों से हमारे समाज में लड़कियों को वो स्वतंत्रता नहीं थी, जो आज है। वे अपनी मर्जी से शिक्षा भी प्राप्त नहीं कर पाती थीं और ना ही अपनी मर्जी से वे अपनी पसंद के वर से ब्याह रचा सकती थीं, अपने दौर में दुल्ला भट्टी ने बच्चियों को जिल्लत से बचाने और सम्मानपूर्वक जीने का भरोसा दिया। तब से लोहड़ी का त्यौहार दुल्ला भट्टी के साथ भी जुड़ गया। पिछले कुछ समय से लड़कों के मुकाबले लड़कियों की निरंतर कम होती संख्या की चिंता को देखते हुए बेटियों के जन्म की खुशी के रूप में मनाया जाने लगा है। एक तो लिंगानुपात की दर 1000 लड़कों के मुकाबले लड़कियों की संख्या 913 रह जाने के कारण इसकी भविष्य में और बढ़ोतरी ना होने की सोच के चलते और दूसरा इधर लड़कों के मुकाबले लड़कियों द्वारा समाज के हर क्षेत्र में शीर्ष स्थान पर रहने के चलते समाज में बेटियों का सम्मान बढ़ाने के लिए लोहड़ी पर्व पर नवजन्मी बच्चियों को खुशामदीद कहने को लेकर मनाया जाने लगा है। इस दिशा में सरकार ने भी बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा देते हुए एक सार्थक अभियान शुरू किया हुआ है। वहीं कई सामाजिक संगठन भी इस दिशा में कार्यशील हैं और पूरे जोश के साथ सामाजिक जिम्मेवारी का निर्वहन करते हुए बेटियों के सम्मान में निरंतर कार्यक्रम करते रहते हैं। लुधियाना में 29 वर्ष पूर्व बेटियों को बेटों के बराबर सम्मान दिलाने के लिए मालवा सभ्याचारक मंच नामक संस्था ने हर साल 'धीयां दी लोहड़ी' मनाना शुरू किया। हर साल यह समारोह समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर बड़े पैमाने पर आयोजित होता है, जिसमें साल भर में जन्म लेने वाली 100 से भी अधिक नवजन्मी बच्चियों को शगुन देकर परिवारों को बेटियों के प्रति अच्छी सोच रखने का संदेश जाता है। लुधियाना में विशेष रूप से इस संस्था का योगदान भी महत्वपूर्ण है। अन्य राज्यों में भी इसी तरह की अनेकों और संस्थाओं द्वारा बेटियों के सम्मान के लिए जगाई अलख के कारण अब लिंगानुपात 913 से बढ़कर 930 लड़कियों प्रति 1000 लड़के हो गया है, जो भविष्य में और भी अच्छी स्थिति का संकेत माना जा सकता है। हमारा देश धर्म और संस्कृति की धरोहर को सहेज कर रखने वाला देश है। हम देवियों का पूजन करते हैं। हर समाज में कुछ राक्षस प्रवृति के लोग भी होते हैं जो धरा के उल्ट चलते हुए महिलाओं का सम्मान ना कर उनको शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर अपनी गंदी सोच को निवाला देते हैं। समाज को ऐसे लोगों से मुक्ति दिलाने का एक ही रास्ता गए कि हम बेटियों को इतना सुदृढ़ बनाएं कि वे ऐसे कुकर्मियों का मुंह तोड़ सकें। इस तरह समाज में मर्द और औरत की समानता की बात को वास्तविकता प्रदान हो सकेगी और हमारा समाज तरक्की और खुशहाली की ओर तेज़ी से अग्रसर होगा।

जितेंद्र कुमार, संपादक

लघुकथा

तराशने की कला

'मुझसे नहीं होगा... इतना प्रेशर अब नहीं झेला जा सकता!' मयंक ने झुंझलाकर लैपटॉप और नोटबुक एक तरफ सरकाए और झटके से खड़ा हो गया। कुर्सी पीछे खिसकती हुई तेज आवाज के साथ जमीन पर गिर पड़ी। आवाज सुनकर उसकी बड़ी बहन गीतिका कमरे में आ गई। 'क्या हुआ?' उसने पूछा। सवाल साधारण था लेकिन वह जानती थी कि यह साधारण थकान नहीं, भीतर तक जमा हुआ दबाव है।

'दीदी, अब नहीं पढ़ सकता मैं। पहले जेईई की तैयारी... फिर इंजीनियरिंग... और अब कैट। लगता है जैसे जिंदगी सिर्फ इम्तिहानों की कतार बन गई है।' मयंक ने सिर दोनों हाथों में थाम लिया। गीतिका ने उसे देखा। यह वही छोटा भाई था जो कभी बड़े सपने आंखों में लिए भागता फिरता था और आज उन्हीं सपनों के बोझ से थक चुका था।

'लेकिन एमबीए तो तू खुद करना चाहता था न?' गीतिका ने शांत स्वर में कहा, 'किसी ने जोर तो नहीं डाला!'

मयंक चुप रहा क्योंकि वह जानता था कि दबाव बाहर से नहीं था, उसकी अपनी अपेक्षाओं का था। सबसे अच्छा करने की जिद, खुद को साबित करने की भूख, और असफल होने का डर। गीतिका रसोई में गई। मयंक के लिए हॉट चॉकलेट और अपने लिए नींबू पानी लेकर आई। कप उसकी ओर बढ़ाते हुए बोली, 'तुझे याद है, मुझे पी.सी.ओ.डी. की वजह से कितना वजन बढ़ गया था?'

हां दीदी,मयंक ने कहा, 'पर, अब तो आप बिल्कुल फिट हो गईं और मॉडलिंग में भी नाम बना रही हैं।'

गीतिका हल्के से मुस्कुराई। 'लेकिन ये सब यूं ही नहीं हुआ मयंक। मैंने भी खुद को बदला है। अपनी पसंद का खाना छोड़ा, डाइट अपनाई, सुबह जल्दी उठकर कसरत की- जबकि मैं पहले देर से उठने वालों में थी।' मयंक ध्यान से सुन रहा था।

'समझ रहा है?' गीतिका बोली। 'जब बड़ा बदलाव चाहिए होता है, तो पुराने 'खुद' को छोड़ना पड़ता है। अपनी आदतें, अपना आराम, अपने डर... सब कुछ।'

मयंक ने धीमे स्वर में कहा, 'हां, सही कहा - कुछ पाना हो तो कुछ खोना भी पड़ता है।'

गीतिका ने उसके कंधे पर हाथ रखा, 'बिल्कुल। और कभी-कभी..' वह रुकी, फिर दृढ़ता से बोली, ÷खुद को तोड़ना भी पड़ता है, ताकि खुद को बेहतर बनाया जा सके। डिस्ट्रॉय योरसेल्फ टू बिल्ड अप।'

मयंक चुप था मगर चॉकलेट की गर्माहट और बहन के शब्दों की ताकत मिलकर मयंक के भीतर कुछ जगा गई। थकान अब भी थी, लेकिन हार नहीं। उसने मुस्कुराकर लैपटॉप अपनी ओर खींचा, गिरी हुई कुर्सी उठाई और फिर से बैठ गया - इस बार डर के साथ नहीं, समझ के साथ।

लेखिका- मेघा राठी

सत्ता संदेश
R.N.I. No. PBHIN/25/A4135
पब्लिशर, एडिटर, मालिक जितेंद्र कुमार और प्रिंटर अश्मीत सिंह ने न्यूज़पेपर 'सत्ता संदेश' (हिंदी साप्ताहिक), ने मुंजाल प्रिंटर्स 1558/1, अमरपुरा, माता वाली गली, सिविल हस्पताल के पास, लुधियाना, पंजाब – 141008 से छपवाकर अपने आफिस पीएल 42, वर्धमान पार्क, चंडीगढ़ रोड, मुंडियां कलां, लुधियाना, पंजाब – 141015। से प्रकाशित किया।
Publisher, Editor, Owner JITENDER KUMAR and Printer ASHMEET SINGH Newspaper Title 'SATTA SANDESH' (Hindi Weekly), Printed at MUNJAL PRINTERS 1558/1, AMARPURA MATA WALI GALI, NEAR CIVI HOSPITAL, LUDHIANA, PUNJAB - 141008 and Published from PL 42, VARDHMAN PARK, CHANDIGARH ROAD, MUNDIAN KALAN, LUDHIANA, PUNJAB - 141015.
M. +91 92162 42177
Email : sattasandesh25@gmail.com

सरकारों का शुद्ध पानी, शुद्ध हवा तथा शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए प्रतिबद्ध होना जरूरी

देश की केन्द्र सरकार व राज्यों की सरकारें दिन-रात विकास और जन-कल्याण के दावे तो बड़े जोर-शोर से करती नहीं थकतीं, परन्तु वास्तविकता इसके विपरीत है क्योंकि लोगों में बढ़ती आर्थिक असमानता और उनके रहन-सहन के हालात में भी दिन-प्रतिदिन अवसान होता जा रहा है। शुद्ध पानी, शुद्ध हवा और शुद्ध खाद्य सामग्री लोगों की पहुंच से बाहर होती जा रही है। प्रत्येक वर्ष भारी संख्या में लोग दूषित हवा, पानी और खाद्यान्न के कारण अपनी जान गंवा बैठते हैं। इस संबंध में ताज़ा समाचार देश के सबसे साफ-स्वच्छ माने जाते मध्य प्रदेश के शहर इन्दौर से आया है। इन्दौर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पानी पीने से फैले हैजा के कारण 19 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक छोटा बच्चा भी शामिल है, जिसका जन्म उसके परिवार द्वारा 10 वर्ष तक मन्नतें मांगने के बाद हुआ था। सामने आई जानकारी के अनुसार पाइपों द्वारा सप्लाई किए जाने वाले पानी में सीवरेज का पानी मिल गया, जिस कारण लोगों को उल्टी-दस्त लग गए और कुछ लोगों को बुखार भी हो गया। सितम-जरीफी वाली बात यह है कि मध्य प्रदेश के हाईकोर्ट में स्थानीय प्रशासन ने दूषित पानी से मरे लोगों तथ्यों को छिपाते हुए मात्र 4 लोगों के मरने की बात स्वीकार की है और यह भी दावा किया है कि पानी की सप्लाई में कोई खराबी नहीं है। वैसे मध्य प्रदेश की सरकार ने नगर निगम से संबंधित कुछ सरकारी अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं और कुछेक के तबादले भी किए गए हैं। मध्य प्रदेश में घटित यह कोई अकेली घटना नहीं है। इसी तरह का समाचार गुजरात की राजधानी गांधी नगर से भी आया है, जहां दूषित पानी पीने से 150 से अधिक लोग बीमार हो गए हैं। यहां सीवरेज की पाइप लाइन से लीकेज होने के कारण सीवरेज की गंदगी से पानी दूषित हो गया था। देश के भिन्न-भिन्न भागों से अकसर ऐसे समाचार प्राप्त होते रहते हैं। पीने वाले पानी का दूषित होना एक राष्ट्रीय मामला बन चुका है। समाचार पत्र में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार देश का 70 प्रतिशत पीने वाला पानी दूषित है। पानी की गुणवत्ता के पक्ष से 122 देशों में भारत का स्थान 120वां है। देश के लगभग 60 करोड़ लोग गम्भीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। जल स्रोत मंत्रालय की एक रिपोर्ट पर आधारित इस समाचार में आगे और बताया गया है कि प्रत्येक वर्ष गंदा पानी पीने से देश में 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। इंटरनैशनल सेंटर फॉर सस्टेनेबिलटी की विगत वर्ष की प्रकाशित एक और रिपोर्ट में यह कहा गया है कि 2030 तक भारत में पानी की मांग मौजूदा समय से दो गुना बढ़ जाएगी, जिस कारण शुद्ध पानी तो एक तरफ रहा, साधारण पानी भी लोगों को मिलना कठिन हो जाएगा। इस संकट के कारण यह भी अनुमान लगाया जा रहा है कि देश के जी. डी. पी. का 6 प्रतिशत तक का नुकसान हो सकता है। 2005 से 2022 के बीच देश में दूषित पानी से संबंधित बिमारियों के 20.98 करोड़ से अधिक मामले दर्ज किए गए थे। इन बीमारियों में हैजा, टाइफाइड, हैपेटाइटिस आदि शामिल थे। सबसे अधिक 86 प्रतिशत मामले हैजा के सामने आए हैं। पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश और उत्तर प्रदेश में इन बीमारियों के कारण सबसे अधिक मौतें दर्ज की गई थीं। देश में पानी के संकट का बड़ा कारण यह भी है कि भारत में विश्व की 17 प्रतिशत आबादी रहती है, परन्तु देश के पास पानी के स्रोत सिर्फ 4 प्रतिशत हैं। हमारे लिए पीने वाले पानी का संकट इसलिए भी बढ़ रहा है कि हमारी 85 प्रतिशत निर्भरता भूमिगत पानी पर ही है और इस संबंध में अब अधिक चिन्ता की बात यह है कि हमारा भू-जल भी बेहद दूषित हो चुका है। 2023 में भू-जल की गुणवत्ता का पता लगाने के लिए देश भर में 15,259 नमूने लिए गए थे। इन नमूनों पर आधारित जो रिपोर्ट सामने आई है, उसके अनुसार 19.08 प्रतिशत नमूनों में नाइट्रेट की मात्रा तय सीमा से अधिक थी। 9.04 प्रतिशत नमूनों में फ्लोराइड की मात्रा तथा 3.55 प्रतिशत नमूनों में आर्सेनिक की मात्रा तय सीमा अधिक थी और 6.60 प्रतिशत नमूनों में यूरेनियम तय सीमा से अधिक पाया गया था।

पंजाब सहित देश के अलग-अलग राज्यों में भूमिगत पानी के दूषित होने तथा इसमें जहरीले रसायनों की मिलावट बढ़ने के ठोस कारण क्या हैं, चाहे इस संबंध में राष्ट्रीय स्तर पर कोई प्रवाणित रिपोर्ट सामने नहीं आई, परन्तु राज्यों के स्तर पर जो इस संबंध में जानकारियां सामने आ रही हैं, उनके अनुसार कृषि के लिए इस्तेमाल किए जा रहे कीटनाशकों, नदीननाशकों तथा रासायनिक खादों तथा इसके साथ-साथ अलग-अलग तरह के उद्योगों का प्रदूषित तथा जहरीला पानी नदियों-नालों में खुले रूप में डाले जाने तथा बहुत से उद्योगों द्वारा अपना ज़हरीला तथा दूषित पानी बोरवैल करके सीधा ज़मीन के भीतर डालने के कारण ही जहरीले रसायन भूमिगत पानी में मिलते जा रहे हैं। यदि केन्द्र सरकार तथा अलग-अलग राज्यों की सरकारों ने पानी के प्रदूषण के उपरोक्त कारणों को रोकने के लिए कृषि, उद्योगों तथा प्रदूषण पैदा करने वाले अन्य व्यवसायों के संबंध में प्रभावी नीतियां बना कर उनको पानी को दूषित करने से न रोका तो आगामी समय में भारत में विकास तो एक तरफ रहा, लोगों के जीवन जीने के लिए भी बड़े खतरे उत्पन्न हो जाएंगे। लगभग ऐसी स्थिति ही हमारे देश में वायु तथा खाद्य पदार्थों के दूषित या मिलावट के संबंध में भी है। समय मांग करता है कि सरकारें लोगों को शुद्ध पानी, शुद्ध हवा तथा शुद्ध खाद्य पदार्थ उपलब्ध करने के लिए प्रतिबद्ध हों और इस संबंध में ठोस नीतियां लेकर आगे आएं। निष्कर्ष यह है कि इस देश को लालच तथा स्वार्थों पर आधारित कार्पोरेट विकास माडल के स्थान पर एक वैकल्पिक जन-पक्षीय तथा प्रकृति-पक्षीय विकास माडल की जरूरत है।

दिशा और दशा तय करने का समय

डॉ. निधि शर्मा
(स्वतंत्र लेखिका)

आज की युवा पीढ़ी स्वयं को अपने में नहीं बल्कि दूसरों के नज़रिए से खोजने में लगी हुई है । वो नज़रिया जो उसकी पब्लिक इमेज तो बनाता है जबकि उसकी आंतरिक खोज अधूरी सी रह जाती है । कभी भीड़ में बड़ी-बड़ी लाइनों के बीच खड़े होकर उस भीड़ का हिस्सा बनना उसे अच्छा लगता है क्योंकि हर व्यक्ति उसी ओर चलना चाहता है । लेकिन ये मनोदशा युवा पीढ़ी के लिए अच्छी नहीं है । ये वो वर्ग है जिसकी तरफ नन्हा सा बालक और अधेड उम्र में खड़ा हर व्यक्ति देख रहा है क्योंकि उसका हर कदम किसी के लिए रोल मॉडल तो किसी के लिए आशा हो सकता है ।

जब स्कूल से निकलकर लाखों युवा बच्चे कॉलेज व यूनिवर्सिटी की दहलीज़ पर अपने और अपनों के सपनों के साथ कदम रखते हैं तो कई चुनौती पूर्ण पड़ाव उन्हें पार करने पड़ते हैं । इन हर पड़ावों पर फोकस रहना और अपनी दिशा तय करना, युवाओं के लिए आज के समय में सबसे बड़ा काम है । यकीन मानिए अगर भाग्य में मंजिल की ओर लंबी दूरी की रेलगाड़ी चल भी पड़ती है उसके बीच आने वाले लघु विरास जैसे भटकाव, नशा, नकारात्मकता, फोकस का टूटना, तनाव, अवसाद, सामाजिक-पारिवारिक दवाब और डिजिटल दुनिया में खो जाना आदि उनकी यात्रा में रूकावट पैदा कर सकते हैं और अक्सर करते हैं ।

इन उपरोक्त पलूओं में भटकाव वो कारक है जो युवा को गलत संगत में डालकर नशे में धकेल रहा है । अक्सर उन युवाओं के प्रति समाज का नज़रिया कि हमें क्या लेना है ? तब तक जब तक आग अपने घर ना पहुँच जाए, उस असोचनिए वर्ग को भी सवालों के कटघरे में खड़ा करता है । सबसे बड़ा डर उन परवाज़ों के लिए कि उनके इर्द-गिर्द वैज्ञानिक सोच की जगह अनैतिक धर्म व जाति की सोच पैदा की जा रही है जो उनके अंदर सामाजिक-पारिवारिक अड़चने पैदा कर रहा है । ये दवाब इतना बड़ा है कि उनके सोचने व समझने की शक्ति को अक्षुण्ण कर रहा है । समाज जिसे इस तरूण पीढ़ी को सजाना व संवारना चाहिए, वही कभी-कभी भटकाव पैदा कर देती है ।

इसके अलावा सबसे बड़ी परीक्षा डिजिटल परछाई से मुक्त कराने की है । युवा वर्ग का सुबह उठना-बैठना, खाना-पीना, आहार-व्यवहार और चाल व चलन सिर्फ सोशल मीडिया नियंत्रित कर रहा है । डिजिटल क्रांति का आगाज़ देश में वर्ष 2000 के बाद हुआ, उसके बाद पैदा हुए जेन जी कब इस मीडिया के आदी हो गए पता भी नहीं चला । सोशल मीडिया के कारण युवा वर्ग में आई मानसिक व शारीरिक अक्षमता ने इस मीडिया के आत्म मंथन पर जोर दे दिया है । बेशक आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस ने इस विश्लेषण को और व्यापक करने की रूपरेखा को तवज्जो दी हो जो सामाजिक व राजनैतिक तौर पर सोचनीय विषय है । बड़े-बड़े विकसित देश जैसे आस्ट्रेलिया, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड्स व दक्षिण कोरिया में स्कूल-स्तर पर मोबाइल फोन पर सख्त प्रतिबंध लगाए गए हैं । हमारे देश में भी 16 साल से कम उम्र के बच्चों में ये कानून सख्ती से लागू किया जाना चाहिए ।

लेकिन फिर वही सवाल की कानून तो सिर्फ बनाने के लिए बनाए जाते हैं लेकिन युवाओं में इन चुनौतियों का सामना करने का आत्मिक नियंत्रण होना चाहिए।

यद्यपि हर नज़र व आशा सिर्फ युवाओं से की जाए वो भी अच्छा नहीं । समाज को भी उन नवयुवकों को आबाद करने के लिए अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी । हर आशा व निराशा उस तबके से हटाकर सामूहिक होनी चाहिए ताकि वो सारा भार सिर्फ उस जोशिले वर्ग तक ना पहुँचे जो अभी-अभी उड़ना सीख रहे हैं। आशा कीजिए उनकी उड़ान काफी ऊँची होगी अगर राह में पड़ने वाले पड़ाव साकारात्मक, दवाब रहित होगें । याद रखिए जैसे हम बीज बोएंगें, वैसी ही तो फसल पैदा होगी ।

छात्र संदेश

कल की आवाज, आज के पन्ने पर

राधा रानी
कक्षा 10+2, बाबा दीप सिंह एजुकेशनल इंस्टीच्यूट, लुधियाना

कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) वरदान या चुनौती

आज का युग विज्ञान और तकनीक का युग है। इसी तकनीकी विकास की एक बड़ी देन है कृत्रि बुद्धिमता (एआई) ऐसी तकनीक है, जो मशीनों को इंसानों की तरह सोचते, समझने और निर्णय लेने में सक्षम बनाती है। एआई के अनेक फायदे हैं। यह काम को तेज, आसान और सटीक बनाता है। शिक्षा के क्षेत्र में एआई से ऑनलाईन पढ़ाई, स्मार्ट क्लास और व्यक्तिगत सीखने की सुविधा मिली है। चिकित्सा क्षेत्र में एआई बीमारियों की पहचान, रिपोर्ट विश्लेषण और ईलाज में डॉक्टरों की मदद कर रहा है। खेती में मौसम की जानकारी और फसल उत्पादन बढ़ाने में भी एआई उपयोगी साबित हो रही है। हालांकि एआई के कुछ नुकसान भी हैं। मशीनों के बढ़ते उपयोग से बेरोजगारी का खतरा बढ़ सकता है। लोग सोचने-समझने की बजाय मशीनों पर ज्यादा निर्भर हो सकते हैं। डेटा चोरी, प्राइवेसी और साइबर अपराध जैसी समस्याएं भी सामने आ रही हैं।

निष्कर्षत- कहा जा सकता है कि एआई न तो पूरी तरह वरदान है और न ही पूरी तरह अभिशाप। इसका सही सीमित और जिम्मेदार उपयोग किया जाये तो यह मानव समाज के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकता है।

संस्कृति और तकनीक के बीच सेतु बनी हिंदी

विश्व हिन्दी दिवस पर विशेष

हिन्दी केवल संचार का माध्यम नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति और चेतना की जीवंत धारा है। यह भाषा भारत की आत्मा को स्वर देती है और आज के डिजिटल युग में स्वयं को नए आयामों में ढाल रही है। पहले साहित्य और संवाद की भाषा मानी जाने वाली हिन्दी अब विज्ञान, तकनीक, डिजिटल प्लेटफॉर्म और वैश्विक संवाद की प्रभावशाली भाषा के रूप में उभर रही है।

विश्व हिन्दी दिवस 10 जनवरी को मनाया जाता है, जो 1975 में नागपुर में हुए पहले विश्व हिन्दी सम्मेलन की ऐतिहासिक याद दिलाता है। इस सम्मेलन ने हिन्दी को राष्ट्रीय सीमाओं से बाहर निकालकर वैश्विक मंच पर स्थापित किया। आज मॉरीशस, फिजी, सूरीनाम, त्रिनिदाद, नेपाल, दक्षिण अफ्रीका, यूरोप और अमेरिका सहित कई देशों में हिन्दी बोलने वाले समुदाय न केवल सांस्कृतिक रूप से जुड़े हैं, बल्कि तकनीकी क्षेत्र में भी हिन्दी का उपयोग बढ़ा रहे हैं।

इक्कीसवीं सदी का सबसे बड़ा परिवर्तन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है। अब एआई केवल मशीन नहीं, बल्कि भाषा समझने और संवाद करने वाली सक्षम प्रणाली बन चुका है। वैश्विक तकनीकी कंपनियाँ हिन्दी को गंभीरता से अपना रही हैं। चैटबॉट्स, वॉयस असिस्टेंट्स, अनुवाद उपकरण और डिजिटल प्लेटफॉर्म हिन्दी में सहज संवाद कर रहे हैं। इससे तकनीक और आम नागरिक के बीच की दूरी कम हो रही है और हिन्दी डिजिटल अर्थव्यवस्था की महत्वपूर्ण भाषा बनती जा रही है।

शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बैंकिंग और प्रशासन जैसे क्षेत्रों में हिन्दी आधारित तकनीकी समाधान लोगों के जीवन को सरल बना रहे हैं। नई शिक्षा नीति ने मातृभाषा में शिक्षा को बढ़ावा देकर इस परिवर्तन को गति दी है। इंजीनियरिंग, चिकित्सा, प्रबंधन और विज्ञान की सामग्री हिन्दी में उपलब्ध कराई जा रही है। विश्वविद्यालयों में हिन्दी माध्यम से शोध और नवाचार को प्रोत्साहन मिल रहा है, जिससे विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में हिन्दी की स्थिति मजबूत हुई है। डिजिटल मीडिया और तकनीकी पत्रकारिता में हिन्दी की भूमिका भी तेजी से बढ़ी है। तकनीक, साइबर सुरक्षा, डेटा प्राइवेसी और एआई से जुड़ी जानकारी हिन्दी में व्यापक रूप से उपलब्ध है। स्टार्टअप और व्यवसाय जगत भी हिन्दी को अपना रहे हैं, जिससे छोटे शहरों के युवाओं के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। हिन्दी ने न केवल अभिव्यक्ति के दायरे को विस्तृत किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय पहचान को भी मजबूती से स्थापित किया है, जो आने वाले समय में और प्रभावशाली होगी।

भविष्य में हिन्दी केवल संवाद की नहीं, बल्कि समाधान की भाषा बनेगी। यह परंपरा और आधुनिकता, संस्कृति और तकनीक के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में भारत और दुनिया को जोड़ती रहेगी।

अब बिजली बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट या मोबाइल ऐप पर देखना होगा बिल

पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त होगा बिजली बिल से संबंधित संदेश

हमीरपुर (सत्ता संदेश)-विद्युत उपमंडल लंबलू के सहायक अभियंता ज्ञान चंद भाटिया ने बताया कि उपमंडल में स्मार्ट मीटर लगाने का कार्य आरंभ कर दिया गया है। उन्होंने उपमंडल के सभी उपभोक्ताओं से स्मार्ट मीटर लगाने आ रहे कर्मचारियों का सहयोग करने की अपील की है। सहायक अभियंता ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद विद्युत बोर्ड का कोई भी कर्मचारी हर महीने बिजली का बिल वितरित करने उपभोक्ताओं के घर नहीं जाएगा। सभी उपभोक्ताओं को बिजली बोर्ड की आधिकारिक वैबसाइट या मोबाइल ऐप पर बिजली का बिल चैक करना होगा तथा उसकी अदायगी स्वयं ऑनलाइन माध्यम से या नजदीकी लोक मित्र केंद्र पर या विद्युत उपमंडल कार्यालय लंबलू में की जा सकती है। सभी उपभोक्ताओं को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर

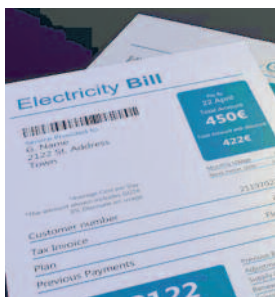

बिजली बिल से संबंधित संदेश (एस.एम.एस.) नियमित रूप से प्राप्त होते रहेंगे। यदि किसी उपभोक्ता को बिजली बिल से संबंधित संदेश प्राप्त नहीं हो रहे हैं, तो वे विद्युत उपमंडल लंबलू में आकर अपना मोबाइल नंबर अपने उपभोक्ता खाते के साथ लिंक करवा सकते हैं, ताकि उन्हें प्रत्येक माह बिल की जानकारी समय पर प्राप्त हो सके। सहायक अभियंता ने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय अवधि के भीतर अपने बिल का भुगतान करने की अपील भी की। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि में बिल का भुगतान न होने की स्थिति में बिजली आपूर्ति बिना किसी पूर्व सूचना के अस्थायी रूप से काट दी जाएगी। कटी हुई बिजली आपूर्ति को पुन: चालू करवाने हेतु उपभोक्ता को लागू श्रेणी के अनुसार 250, 500, 1000 या 1500 रुपये की पुन-संयोजन शुल्क राशि उपमंडल कार्यालय में जमा करवानी होगी।

भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना मोदी सरकार की नीतियों का परिणाम-अनुराग ठाकुर

हमीरपुर (सत्ता संदेश)-पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद अनुराग ठाकुर ने प्रैस को जारी बयान में कहा कि भारत का विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लागू की गई प्रभावी और दूरदर्शी आर्थिक नीतियों का परिणाम है। उन्होंने कहा कि बीते एक दशक में किए गए संरचनात्मक सुधारों, नीतिगत स्थिरता और दीर्घकालिक सोच का यह स्वाभाविक परिणाम है कि भारत आज वैश्विक मंच पर मजबूती के साथ उभरा है और दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

अनुराग ने कहा कि एक दशक पहले मोदी सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ठोस और दीर्घकालिक नीतिगत परिवर्तनों की मजबूत नींव रखी थी। आज उसी सोच और संकल्प का परिणाम है कि वैश्विक मंदी, युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा और उच्च महंगाई जैसे अंतर्राष्ट्रीय दबावों के बावजूद भारत न केवल स्थिर बना हुआ है, बल्कि इन चुनौतियों को अवसर में बदलने की क्षमता भी प्रदर्शित कर रहा है। आर्थिक सुधारों, संस्थागत मजबूती और बढ़ते राष्ट्रीय आत्मविश्वास ने भारत की भविष्य की विकास दिशा को स्पष्ट किया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के आंकड़े इस बात की पुष्टि करते हैं कि भारत की विकास गति लगातार मजबूत बनी हुई है।

हि.प्र. के मैडीकल कॉलेजों में बनेगी सीनियर रैजीडैंटशिप पॉलिसी-मुख्यमंत्री

कहा, प्रदेश के सभी मैडीकल कॉलेजों को आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जायेगा

शिमला (सत्ता संदेश)-हिमाचल प्रदेश सरकार राज्य के सभी मैडीकल कॉलेजों में सुधार और सुदृढ़ीकरण के लिए एक नई सीनियर रैजीडैंटशिप पॉलिसी लाने जा रही है। स्वास्थ्य शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग की गत दिवस एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने इस नीति को बनाने के निर्देश दिए। इस नई पॉलिसी के तहत प्रदेश भर के मैडीकल कॉलेजों में सीनियर रैजीडैंट के पदों का युक्तिकरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि नई नीति के अंतर्गत सीनियर रैजीडैंटशिप में जनरल ड्यूटी ऑफिसर्स (जी.डी.ओ.) का कोटा अब 66 प्रतिशत किया जाएगा। वर्तमान में यह अनुपात जी.डी.ओ. और सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए 50-50 प्रतिशत निर्धारित है। कोटे में इस बदलाव का उद्देश्य सेवारत चिकित्सकों को आगे बढ़ने के अवसर देना और स्वास्थ्य सेवाओं

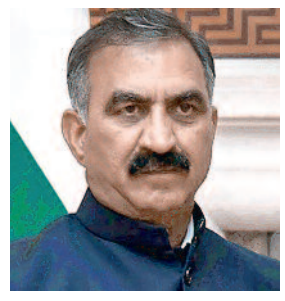

को मजबूत बनाना है। चिकित्सा शिक्षा के विस्तार पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज चम्बा, नाहन, हमीरपुर और नेरचौक में नए विषयों में एमडी और एम.एस. की पढ़ाई शुरू करवाई जाएगी। इसके साथ ही, प्रदेश के सभी मैडीकल कॉलेजों में आधुनिक सुविधाओं से लैस 'स्टेट-ऑफ-द-आर्ट' आई.सी.यू. स्थापित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि डी.एम. और एम.सी.एच. जैसी सुपर स्पैशलिस्ट डिग्री रखने वाले चिकित्सकों को मैडीकल कॉलेजों में नियुक्ति प्रदान की जाए। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (नवीनीकरण, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस) गोकुल बुटेल, सचिव स्वास्थ्य प्रियंका बासु इंगटी, विशेष सचिव स्वास्थ्य अश्वनी शर्मा एवं जितेंद्र सांजटा, डी.एम.ई. डॉ. राकेश शर्मा और निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं गोपाल बेरी सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा में शुरू होगी देश की पहली हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन

दो किलो गैस में तय करेगी एक किलोमीटर का सफर

अंबाला (सत्ता संदेश)-भारतीय रेलवे ने विश्व पटल पर नया इतिहास रचने की तैयारी पूरी कर ली है। देश की पहली और विश्व की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन पटरियों पर उतरने को तैयार है। राष्ट्रीय हाइड्रोजन मिशन और मेक इन इंडिया संकल्प से नई ऊंचाई पर ले जाते हुए यह ट्रेन जींद-सोनीपत सैक्शन के बीच जल्द रफ्तार भरेगी। इंटीग्रल कोच फैक्ट्री (आई.सी.एफ.) चेन्नई में तैयार हाइड्रोजन ट्रेन एक बार में 2,600 से अधिक यात्रियों को ले जाने की क्षमता रखती है। प्रतिदिन दो फेरे लगाते हुए कुल 356 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। हाइड्रोजन ट्रेन का इंटीरियर भी उच्च स्तरीय है। इसमें तापमान सेंसर, आटोमेटिक सिस्टम व बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था है। कोच में आधुनिक शौचालय और वाशबेसिन हैं। नीले रंग के आरामदायक गद्दे, छत पर आधुनिक डिजाइन पंखे और एल.ई.डी. लाइट लगाए हैं। ट्रेन में जो यात्री खड़े होकर सफर करेंगे उनके पकडने के लिए मजबूत हैंडग्रिप्स लगाए गए हैं। कोच के बीच में स्लाइडिंग दरवाजे हैं जिनमें कांच की बड़ी खिड़कियां हैं। इस ट्रेन में हाईटेक ड्राइवर कंसोल्ड बनाया गया है जो डिजिटल कमांड सेंटर का ड्राइविंग कैबिन का काकपिट जैसा अनुभव देगा। स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा गया है और ट्रेन में

आधुनिक बायो टायलेट विशेष रूप से बनाए गए हैं जो स्वच्छता के मानकों को पूरा करते हैं। फर्श पर एंटी-स्किड मेटालिक शीट का उपयोग किया गया है। दरवाजों के पास स्टील की रेलिंग और ग्रिल्स दी गई हैं। ट्रेन के आगे के हिस्से पर स्पष्ट रूप से एच-टू पावर्ड और क्लीन मोबिलिटी लिखा है, जो इसे डीजल ट्रेनों से अलग पहचान देता है। लोको पायलट का कैबिन भी अलग तरह का है। लोको पायलट के सामने मुख्य डिजिटल स्क्रीन है जो हाइड्रोजन स्तर, ट्रेन की गति और ऊर्जा खपत की सटीक जानकारी देती है। आधुनिक पुश बटन स्वचलित ब्रेकर पैनल लगाए गए हैं। कैबिन में 'रेड इमरजेंसी हैंडल' और आधुनिक पुश बटन कंट्रोल दिए गए हैं। यह ट्रेन सिर्फ दो किलोग्राम हाइड्रोजन में एक किलोमीटर का सफर तय करेगी।

हाइड्रोजन प्लांट 24 घंटे संचालित होगा

हाइड्रोजन प्लांट को स्थिर और निर्बाध 11 केवी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने चंडीगढ़ में बिजली निगम के अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि बिजली आपूर्ति प्रणाली की नियमित समीक्षा की जाए और वैकल्पिक व्यवस्था और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र को भी सुदृढ़ रखा जाए। ट्रेन चलाने की तैयारी अंतिम चरण में है। यह प्लांट 24 घंटे संचालित होगा।

अब हिमाचल में कमर्शियल और घरेलू प्लॉट के लिए लगेगी रजिस्ट्रेशन फीस

नई दरों से प्लाटेड विकास परियोजनाओं का पंजीकरण रेरा तहत और सख्त होगा

शिमला (सत्ता संदेश)-हिमाचल प्रदेश सरकार ने घरेलू और कमर्शियल उपयोग के लिए विकसित किए जाने वाले प्लाटों पर रजिस्ट्रेशन फीस की नई दरें लागू कर दी हैं। यह फैसला रियल एस्टेट रैगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के तहत लिया गया है, जिससे प्रदेश में प्लाटेड विकास परियोजनाओं को अधिक पारदर्शी और नियंत्रित किया जा सके। आवास विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार नई दरें प्रदेश में लागू कर दी गई हैं। नई व्यवस्था के तहत अब प्लाटों की रजिस्ट्रेशन फीस परियोजना के प्रकार और क्षेत्र के आधार पर तय की गई है। घरेलू (आवासीय) उपयोग के लिए विकसित प्लॉट्स पर जहां पहले 10 रुपए प्रति वर्ग मीटर शुल्क लिया जाता था, अब इसे बढ़ाकर ग्रामीण क्षेत्रों में 30 रुपए और शहरी क्षेत्रों में 40 रुपए प्रति वर्ग मीटर कर दिया गया है। इसी तरह कमर्शियल (वाणिज्यिक) उपयोग के लिए विकसित किए जाने वाले प्लॉट्स पर भी फीस में बड़ा इजाफा किया गया है। पहले जहां 20 रुपए प्रति वर्ग मीटर शुल्क था, वहीं अब ग्रामीण क्षेत्रों में 60

रुपए और शहरी क्षेत्रों में 80 रुपए प्रति वर्ग मीटर रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है। इसके अलावा जिन परियोजनाओं में घरेलू और कमर्शियल दोनों तरह के प्लॉट्स शामिल होंगे, उनके लिए भी अलग दरें तय की गई हैं। ऐसी संयुक्त परियोजनाओं पर ग्रामीण क्षेत्रों में 45 रुपए और शहरी क्षेत्रों में 60 रुपए प्रति वर्ग मीटर शुल्क देना होगा, वहीं आवासीय उपयोग के लिए स्वीकृत योजना अनुसार वर्तमान दर जो 10 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी, ग्रामीण क्षेत्र में 30 रुपए प्रति वर्ग मीटर, शहरी क्षेत्र में 40 रुपए प्रति वर्ग मीटर, वाणिज्यिक उपयोग के लिए स्वीकृत योजना अनुसार वर्तमान दर जो 20 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी, अब ग्रामीण क्षेत्र में 60 रुपए प्रति वर्ग मीटर, शहरी क्षेत्र में 80 रुपए प्रति वर्ग मीटर होगी। इसके अलावा संयुक्त आवासीय एवं वाणिज्यिक उपयोग के लिए स्वीकृत योजना अनुसार निर्मित क्षेत्र वर्तमान दर, जो 15 रुपए प्रति वर्ग मीटर थी, अब ग्रामीण क्षेत्र में 45 रुपए प्रति वर्ग मीटर और शहरी क्षेत्र में 60 रुपए प्रति वर्ग मीटर होगी। नई दरों से प्लाटेड विकास परियोजनाओं का पंजीकरण रेरा के तहत और सख्त होगा। इससे अवैध कालोनियों पर अंकुश लगेगा और प्लॉट खरीदने वाले लोगों को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। हिमाचल प्रदेश सरकार ने रियल एस्टेट (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 की धारा-84 के अंतर्गत संशोधन किए हैं। इसमें संशोधन कर नए नियमों को हिमाचल प्रदेश भू-संपदा (विनियमन और विकास) संशोधन नियम, 2025 नाम दिया गया है। इसे लेकर अधिसूचना सरकार की ओर से जारी की गई है। इससे अब रेरा के अंतर्गत किसी भी परियोजना के पंजीकरण के समय प्रमोटर को ऑनलाइन अथवा निर्धारित माध्यम से संशोधित रजिस्ट्रेशन फीस जमा करनी होगी।

हिमाचल सरकार के नये फैसले का पंजाब पर क्या होगा असर!

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-हिमाचल प्रदेश सरकार के फैसले ने पंजाब पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल दिया है। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा हाइड्रो पावर परियोजनाओं पर नया लैंड रेवेन्यू सेस लगाने का फैसला लिया गया है। इसके बाद पंजाब को हर साल करीब 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। जानकारी के अनुसार हिमाचल सरकार ने जल विद्युत परियोजनाओं पर 2 प्रतिशत लैंड रेवेन्यू सेस लागू किया है। इससे भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड के तहत आने वाली तीन बड़ी परियोजनाओं पर कुल 433 करोड़ रुपए से ज्यादा का वार्षिक बोझ बढ़ जाएगा। इस अतिरिक्त खर्च को पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को सांझा रूप से वहन करना होगा। इस फैसले को लेकर बी.बी.एम.बी. ने हिमाचल सरकार के समक्ष आपत्ति दर्ज कराई है। 3 जनवरी को हुई एक बैठक में हिमाचल के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यह सेस सभी हाइड्रो प्रोजैक्ट्स पर लागू किया जाएगा। इससे पहले वर्ष 2023 में हिमाचल सरकार ने जल उपकर लगाया था, जिसे केंद्र सरकार ने अवैध करार दिया था। अब हिमाचल सरकार ने 12 दिसंबर, 2025 को एक अधिसूचना जारी कर लैंड रेवेन्यू सेस लागू किया है और इससे जुड़े राज्यों से आपत्तियां भी मांगी गई हैं। पंजाब

सरकार ने 24 दिसंबर को अपना पक्ष रखते हुए कहा कि ये परियोजनाएं व्यावसायिक नहीं बल्कि जनहित से जुड़ी हैं और भूमि अधिग्रहण के समय मुआवजा पहले ही दिया जा चुका है। पंजाब सरकार का यह भी कहना है कि यदि लैंड रेवेन्यू लगाया जाता है तो वह केवल जमीन के मूल्य पर होना चाहिए, न कि पूरी परियोजना की लागत पर। इस मुद्दे को लेकर आने वाले समय में राज्यों और केंद्र सरकार के बीच चर्चा और तेज होने की संभावना है।

2029 तक देश के हर राज्य में होगा फॉरैंसिक विश्वविद्यालय या केन्द्रीय फॉरैंसिक प्रयोगशाला

फॉरैंसिक प्रयोगशालाओं का बिछेगा जाल- अमित शाह

नई दिल्ली-केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि अगले पांच वर्षों में देशभर में फॉरैंसिक प्रयोगशालाओं का जाल बिछाया जाएगा, जिस पर 30 हजार करोड़ रुपए का व्यय होने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2029 तक देश के हर राज्य में फॉरैंसिक विश्वविद्यालय या केन्द्रीय फॉरैंसिक प्रयोगशाला बनाई जाएगी। शाह ने शनिवार को अंडमान-निकोबार द्वीपसमूह के विजय पुरम में मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का विषय सेंट्रल फॉरैंसिक विज्ञान प्रयोगशाला और राष्ट्रीय फॉरैंसिक विज्ञान प्रयोगशाला था। केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, बंडी संजय कुमार, संसदीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य, गृह सचिव, विश्वविद्यालय के कुलपति और पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो के महानिदेशक सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि सरकार और राज्य सरकारें देश भर में फॉरैंसिक प्रयोगशालाओं का जाल बुनने के लिए अगले पांच साल में 30 हजार करोड़ रुपए निवेश किए जाएंगे। साथ ही राष्ट्रव्यापी मापदंडों की कमी को दूर करने के लिए एक वैज्ञानिक तंत्र तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि सर्वोत्तम और कमियों को साझा कर एक राष्ट्रव्यापी मापदंड निर्धारित किया जाएगा। शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने 2019 से लेकर अब तक संसदीय परामर्शदात्री समिति की 12 बैठकें की हैं जिसके अच्छे परिणाम मिले हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का विजन है कि आपराधिक कानूनों के पूरी तरह लागू होने के बाद समय पर न्याय मिले। उन्होंने कहा कि सरकार 2029 तक ऐसी व्यवस्था बनायेगी जिसमें तीन साल की अवधि में प्राथमिकी से लेकर उच्चतम न्यायालय तक न्याय की पूरी प्रक्रिया संपन्न हो सकेगी। उन्होंने कहा कि 2022 से अब तक हुए सुधार इसी दिशा में किए गए प्रयास हैं। गृह मंत्रालय इन प्रयासों की व्यापक निगरानी कर रहा है और कमियों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। शांह ने कहा कि अभी देश में 7 सी.एफ.एस.एल. हैं, जबकि 8 नई प्रयोगशाला बनाई जा रही हैं।

गैर हिंदुओं के प्रवेश पर हरिद्वार कुंभ क्षेत्र में लग सकता है प्रतिबंध

हरिद्वार-ऋषिकेश के नगर निगम क्षेत्रों सहित पूरे कुंभ क्षेत्र को पवित्र सनातन नगरी घोषित करने की तैयारी

देहरादून (सत्ता संदेश)-उत्तराखंड सरकार हरिद्वार कुंभ क्षेत्र के सभी धार्मिक स्थानों और गंगा घाटों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकती है। आधिकारिक सूत्रों अनुसार इसकी कवायद चल रही है जिसके तहत हरिद्वार-ऋषिकेश के नगर निगम क्षेत्रों सहित पूरे कुंभ क्षेत्र को पवित्र सनातन नगरी घोषित किया जा सकता है। सूत्रों ने बताया कि इस क्षेत्र में आने वाले सभी धार्मिक स्थानों तथा कुल 105 गंगा घाटों पर गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। हरिद्वार में हर की पौड़ी तथा आसपास के गंगा घाटों का प्रबंधन देखने वाली श्री गंगा सभा द्वारा हाल में इस संबंध में मांग उठाई गई थी जिसके बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी इस संबंध में संकेत दिए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरिद्वार, मां गंगा और साधु संतों का पूज्य स्थान है और वहां से इस संबंध में उठी मांग पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हरिद्वार क्षेत्र की पवित्रता, देवत्व और मान्यताओं को बनाए रखने के लिए सभी पहलुओं का अध्ययन किया जा रहा है तथा इस संबंध में पुराने अधिनियमों को भी

देखा जा रहा है। गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि जब सनातन हिंदुओं की आस्था के आधार पर इस क्षेत्र को 'कुंभ क्षेत्र' का नाम दिया गया है तो उसे हिंदू क्षेत्र घोषित किया जाना चाहिए तथा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी धार्मिक स्थलों और गंगा घाटों पर पूरी तरह से गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित करना चाहिए ताकि हिंदू अपने पूजा अनुष्ठान अपनी धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप कर सकें। गौतम ने इस संबंध में 100 साल से भी अधिक समय पहले 1916 में बनाए गए हरिद्वार नगरपालिका के नियमों का भी हवाला दिया जिसमें हर की पौड़ी के चारों ओर 7-8 किलोमीटर के पूरे क्षेत्र को गैर हिंदू प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित किया गया था। कुंभ मेला क्षेत्र में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की मांग का कुछ साधु-संतों ने समर्थन भी किया है। हालांकि, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने राज्य सरकार के इस प्रस्तावित कदम को गंगा-जमुनी तहजीब के खिलाफ बताया। धस्माना ने कहा, 'कुंभ क्षेत्र को गैर हिंदुओं के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र घोषित करने की कोई जरूरत ही नहीं है क्योंकि वहां केवल हिंदुओं का ही जमावड़ा होता है।' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार का यह कदम 2027 विधानसभा चुनावों से पहले वोटों का ध्रुवीकरण कर सत्ता हथियाने की एक कोशिश है।

50 चैनलों ने डाले डिजिटल तूफान के आगे हथियार

ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री में बढ़ते संकट के नजर आ रहे हैं आसार!

मुम्बई-देश में टी.वी. देखने की आदत तेजी से बदल रही है और दर्शक अब मोबाइल, स्मार्ट टी.वी. और ओवर-द-टॉप यानी ओ.टी. टी. प्लेटफॉर्म की ओर ज्यादा रुख कर रहे हैं। इसका सीधा असर पारंपरिक टी.वी. चैनलों पर पड़ा है। हालात ऐसे बन गए हैं कि पिछले 3 साल में करीब 50 टी.वी. चैनलों ने अपने लाइसैंस सरेंडर कर दिए हैं, जिससे ब्रॉडकास्टिंग इंडस्ट्री में बढ़ते संकट के संकेत मिलते हैं। मतलब साफ है कि डिजिटल तूफान के आगे टी.वी. चैनलों ने हथियार डाल दिए हैं। सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एम.आई.बी.) के आंकड़ों के अनुसार जियोस्टार, जी एंटरटेनमैंट, ईनाडु टी.वी., टी.वी. टुडे नैटवर्क, एन.डी.टी.वी. और ए.बी.पी. नैटवर्क जैसे बड़े ब्रॉडकास्टर भी लाइसेंस छोडने वालों में शामिल है। इसके अलावा सोनी पिक्चर्स नैटवर्क्स इंडिया चलाने वाली कुल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट ने भी 26 चैनलों के डाउनलिंक लाइसेंस वापस किए हैं। कई बड़े चैनल बंद या स्केल डाऊन किए गए हैं। जियोस्टार ने कलर ओडिया, एम.टी.वी. बीट्स, वी.एच.-1 और कॉमेडी सेंट्रल जैसे चैनलों

के लाइसेंस लौटाए हैं। जी एंटरटेनमेंट ने जी-सी चैनल बंद किया है, जबकि एंटर 10 मीडिया ने रणनीति में बदलाव करते हुए दंगल एच.डी. और दंगल ओडिया के लाइसेंस छोड़ दिए हैं। इसी तरह पे-टी.वी. सैक्टर पर दबाव लगातार बढ़ रहा है। एक ओर जहां आर्थिक रूप से सक्षम दर्शक ओ.टी.टी. प्लेटफॉर्म की ओर शिफ्ट हो रहे हैं, वहीं आम और कीमत के प्रति संवेदनशील दर्शक डी.डी. फ्री डिश जैसे फ्री चैनलों को अपना रहे हैं। नतीजतन पे-टी.वी. ग्राहकों की संख्या 2019 में 7.2 करोड़ से घटकर 2024 में 6.2 करोड़ रह गई है और अनुमान है कि 2026 तक यह संख्या 5.1 करोड़ से भी नीचे जा सकती है।

विज्ञापन से होने वाली कमाई में हुई कमी

डिजिटल तूफान के बढ़ते प्रभाव के चलते विज्ञापन से होने वाली कमाई को भी चोट पहुंचाई, जिस कारण अब विज्ञापन से होने वाली कमाई में आई कमी ने भी टी.वी. इंडस्ट्री की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। 2025 में टी.वी. विज्ञापन से आय में करीब 15 प्रतिशत की कमी का अनुमान है। हालांकि कुल विज्ञापन बाजार बढ़ रहा है।

उत्तर प्रदेश के स्कूलों में अब छात्रों को अखबार पढ़ना होगा अनिवार्य

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे-धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की

उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की-बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं।

2025 में 5 लाख से अधिक लोगों ने छत्तबीड़ चिडियाघर का किया भ्रमण

इनमें सरकारी स्कूलों के 62 हज़ार विद्यार्थी शामिल

चंडीगढ़ (सत्ता संदेश)-प्रदेश के जंगली जीवों के बारे में जानने की विद्यार्थियों की तीव्र इच्छा और बढ़ती दिलचस्पी को देखते हुए छत्तबीड़ चिडियाघर में आने वाले विद्यार्थियों

और विशेष रूप से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या में आश्चर्यजनक वृद्धि देखने को मिली है। जनवरी से दिसंबर 2025 तक 5 लाख से अधिक लोग छत्तबीड़ चिडियाघर का भ्रमण कर चुके हैं। इनमें से सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या 62 हजार से अधिक है। वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के सख्त प्रयासों और मंत्री लाल चंद कटारूचक्क के नेतृत्व में वन एवं वन्य जीव संरक्षण विभाग द्वारा किए गए अनोखे प्रयासों के कारण सरकारी एवं निजी स्कूलों के विद्यार्थियों ने महिंद्र चौधरी जूलॉजिकल पार्क, जिसे छत्तबीड़ चिडियाघर के नाम से भी जाना जाता है, का भ्रमण किया है। उल्लेखनीय है कि निजी प्राइमरी स्कूलों के 18,000 से अधिक तथा निजी हाई स्कूलों के विद्यार्थियों की संख्या 16,000 से अधिक थी। यह बड़ी संख्या पंजाब की युवा पीढ़ी में प्रदेश के जंगली जीवों के अलावा विभिन्न वनस्पतियों एवं जीव-जंतुओं के बारे में बढ़ रही उत्सुकता तथा प्रदेश सरकार द्वारा जंगली जानवरों के प्रति सहानुभूति की भावना पैदा करने के लिए उठाए गए विशेष कदमों को दर्शाती है, क्योंकि ये जंगली जीव भी प्रकृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि 1977 में अस्तित्व में आए छत्तबीड़ चिडियाघर में समय-समय पर लोगों में जंगली जीवों के प्रति संवेदनशीलता पैदा करने के लिए विभिन्न गतिविधियां करवाई जाती हैं, जिनमें रक्तदान शिविर, दौड़ प्रतियोगिता (रन फॉर वाइल्ड), जू एजुकेशन प्रोग्राम आदि शामिल हैं। इन गतिविधियों से बच्चों, युवाओं एवं आम जनता को जंगली जीवों के प्रति प्रेरित किया जाता है।

लेडी अफसर सोना चंदेल ने अपने ही सरकारी वाहन का काटा चालान

नाहन (हि.प्र.)-जिले की एक महिला अधिकारी ने ईमानदारी और समान कानून की मिसाल पेश की है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी (आर.टी.ओ.) सोना चंदेल ने न सिर्फ अपने सरकारी वाहन का चालान काटा, बल्कि नियम तोडने पर अपने ही परिवार के एक सदस्य की स्कूटी पर भी जुर्माना लगाकर साफ संदेश दिया कि कानून सबके लिए समान है। आर.टी.ओ. सोना चंदेल उस दिन कालाअंब क्षेत्र में वाहनों की नियमित जांच पर निकली थी। जांच के दौरान यह सामने आया कि बैरियर पर तैनात स्टाफ भी निजी वाहनों का उपयोग कर रहा था। जांच के दौरान उन्होंने कर्मचारियों से वाहनों के दस्तावेजों को लेकर सवाल किया। सभी ने दस्तावेजों के सही होने की बात कही, लेकिन इसी बीच एक कर्मचारी ने हिम्मत जुटाकर धीमी आवाज में यह कह दिया कि मैडम, आपके सरकारी वाहन का प्रदूषण प्रमाण पत्र (पी.यू.सी.) एक्सपायर हो चुका है। यह सुन मौके पर मौजूद लोग हैरान रह गए। ऐसे मामलों में जहां आमतौर पर लोग मामले को नजरअंदाज कर देते हैं, वहीं आर.टी.ओ. ने बिना किसी संकोच के अपने ही सरकारी वाहन का 500 रुपए का चालान काट दिया। इतना ही नहीं मौके पर ही वाहन का वैध प्रदूषण प्रमाण पत्र भी बनवाया गया। बता दें कि आर.टी.ओ. सोना चंदेल इससे पहले भी अपनों पर कानून का शिकंजा कस चुकी है। 27 मई 2025 को हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट अभियान के दौरान उनके परिवार के एक सदस्य की स्कूटी पर नंबर प्लेट नहीं पाई गई। जैसे ही यह जानकारी सामने आई, उन्होंने बिना किसी रियायत के 3,000 रुपए का चालान काट दिया। सूत्रों के अनुसार इस चालान की राशि बाद में उन्होंने स्वयं अपनी जेब से अदा की। उधर, इस महिला अफसर की कार्यशैली की बात करें तो आर.टी.ओ. सोना चंदेल का रिकॉर्ड भी बेहद प्रभावशाली रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में उन्हें चालानों के जरिए डेढ़ करोड़ रुपए राजस्व जुटाने का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन उन्होंने लगभग अढ़ाई करोड़ रुपए सरकार के खजाने में जमा कराए।

वित्त वर्ष पौने 3 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया

मौजूदा वित्त वर्ष में भी डेढ़ करोड़ रुपए के लक्ष्य के मुकाबले अब तक करीब पौने 3 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित किया जा चुका है। इसी शानदार प्रदर्शन के चलते परिवहन विभाग ने सिरमौर जिले को टोयोटा की हाइब्रिड वाहन अतिरिक्त पुरस्कार के रूप में प्रदान की। जब इस पूरे मामले को लेकर आर.टी.ओ. सोना चंदेल से बात की गई तो उन्होंने बड़ी सादगी से कहा कि क्या यह भी कोई खबर है? हालांकि अपने सरकारी वाहन का गत दिनों चालान काटने और कुछ समय पहले अपने परिवार के एक सदस्य की स्कूटी पर जुर्माना लगाने की बात स्वीकार की।

एम.आर.आई. मशीन में स्कैन के दौरान कपल ने बनाए संबंध

नीदरलैंड -अगर आपको लगता है कि एमआरआई मशीन का इस्तेमाल सिर्फ हड्डियों और बीमारियों की जांच तक सीमित है, तो यह कहानी आपकी सोच बदल सकती है। यह कोई फिल्मी सीन या कल्पना नहीं, बल्कि एक ऐसा वास्तविक प्रयोग है, जिसने मैडीकल दुनिया में हलचल मचा दी थी। विज्ञान के नाम पर की गई इस अनोखी रिसर्च ने यह साबित कर दिया कि शोध के लिए कभी-कभी बेहद असामान्य रास्ते भी अपनाए जाते हैं। यह मामला साल 1991 का है, जब नीदरलैंड के वैज्ञानिक मेनको विक्टर 'पेक' वैन एंडेल मानव शरीर में होने वाले बदलावों को और गहराई से समझना चाहते थे। इस रिसर्च में उनकी दोस्त आइडा साबेलिस और उनके साथी जुप ने सहयोग किया। उद्देश्य था यह जानना कि करीबी पलों के दौरान शरीर के भीतर किस तरह के शारीरिक परिवर्तन होते हैं और उन्हें एम.आर.आई. तकनीक से कैसे देखा जा सकता है। रिसर्च के तहत तय किया गया कि एम.आर.आई. मशीन के अंदर कपल रहेगा और उसी दौरान शरीर के अंदर होने वाले बदलावों को रिकॉर्ड किया जाएगा। पूरा प्रयोग वैज्ञानिक निगरानी में और शोध के उद्देश्य से किया गया। हालांकि, इस प्रयोग में सबसे बड़ी चुनौती एम.आर.आई. मशीन की सीमित जगह थी। उस समय की एम.आर.आई. मशीनें आज की तरह आधुनिक और आरामदेह नहीं थीं। अंदर की जगह बेहद संकरी थी, जिससे सामान्य स्थिति में रह पाना संभव नहीं था। ऐसे में दोनों ने एक ऐसी मुद्रा चुनी, जिसमें वे मशीन के भीतर फिट हो सकें। पूरी प्रक्रिया के दौरान कंट्रोल रूम से लगातार निर्देश दिए जाते रहे, ताकि तस्वीरें साफ और उपयोगी मिल सकें। इस अनोखे प्रयोग के नतीजे साल 1999 में ब्रिटिश मैडीकल जर्नल में प्रकाशित किए गए। तस्वीरों और निष्कर्षों ने मैडीकल साइंस में खासा ध्यान खींचा और खासतौर पर महिलाओं के शरीर को बेहतर तरीके से समझने में मदद की। कई साल बाद आइडा साबेलिस ने एक पॉडकास्ट में इस अनुभव को याद करते हुए इसे 'अजीब' लेकिन यादगार' बताया। उन्होंने हंसते हुए कहा कि शुरुआत में सब कुछ योजना के मुताबिक नहीं चला। मशीन के भीतर फिट होना ही सबसे बड़ी परेशानी थी। जब यह समझ आया कि तय तरीका काम नहीं करेगा, तो तुरंत स्थिति बदलनी पड़ी। उनके मुताबिक, यह अनुभव भले ही थोड़ा हास्यास्पद था, लेकिन विज्ञान के लिए बेहद अहम साबित हुआ।

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या- पीटने के बाद जहर देकर मारा

बांग्लादेश - बांग्लादेश में 22 दिन में 8वें हिंदू की मौत का मामला सामने आया है। गुरुवार को सुनामगंज जिले में एक और हिंदू की हत्या की गई। व्यक्ति की पहचान जॉय महापात्रा के तौर पर हुई है। जॉय की फैमिली ने दावा किया है कि अमिरुल इस्लाम नाम के व्यक्ति ने जॉय को पीटा और जहर देकर हत्या कर दी।

जैसे-जैसे बांग्लादेश में इलेक्शन नजदीक आते जा रहे हैं, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार की घटनाएं भी बढ़ती जा रही हैं। बांग्लादेश हिंदू बुद्धिस्ट क्रिश्चियन

यूनिटी काउंसिल के मुताबिक, दिसंबर में ऐसे हमलों की करीब 51 घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बता दें कि बांग्लादेश में 12 फरवरी को जनरल इलेक्शन होने वाले हैं।

विदेश में नौकरी के नाम पर अंतरराष्ट्रीय तस्करी, युवाओं को थाइलैंड-म्यांमार में बनाया गया साइबर गुलाम

धर्मशाला- हिमाचल प्रदेश के युवाओं के साथ अब तक की सबसे बड़ी विदेशी नौकरी ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। विदेश में आकर्षक नौकरी का लालच देकर युवाओं को थाइलैंड और म्यांमार ले जाकर उनसे ऑनलाइन साइबर ठगी करवाने वाले एक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। कांगड़ा जिले के पालमपुर और गगल थानों में इस मामले को लेकर गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, एजेंट वरयाम सिंह, अश्वनी कुमार और राहुल ने सोशल मीडिया, रोजगार मेलों और विज्ञापनों के माध्यम से युवाओं को सिक्योरिटी गार्ड, सेल्समैन, डाटा एंट्री और वेयरहाउस की नौकरी दिलाने का झांसा दिया। इंटरव्यू और चयन प्रक्रिया के नाम पर उनसे हजारों रुपए वसूले गए और पहले दुबई, फिर थाइलैंड भेजा गया। वहां से युवाओं को अवैध तरीके से म्यांमार पहुंचाया गया। म्यांमार पहुंचते ही युवाओं के पासपोर्ट और मोबाइल फोन छीन लिए गए।

उन्हें कड़ी निगरानी में कैंपों में रखा गया और इंस्टाग्राम, फेसबुक, क्रिप्टो और ऑनलाइन डेटिंग ऐप्स के जरिए अमरीका, भारत और अन्य देशों के लोगों को ठगने के लिए मजबूर किया गया। काम से मना करने पर युवाओं को पीटा जाता था, भूखा रखा जाता था और जान से मारने की धमकी दी जाती थी। पीड़ितों ने किसी तरह भारतीय दूतावास और इमिग्रेशन विभाग से संपर्क कर मदद मांगी, जिसके बाद म्यांमार की सेना और थाइलैंड इमिग्रेशन की सहायता से अनेकों भारतीय युवाओं को मुक्त कराया गया। इनमें कई हिमाचल के युवक भी शामिल हैं, जिन्हें बाद में भारत वापस लाया गया। पुलिस ने अब आरोपियों पर आईटी एक्ट, इमिग्रेशन एक्ट, पासपोर्ट एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस का कहना है कि यह गिरोह देश भर के बेरोजगार युवाओं को निशाना बनाकर विदेश भेजने के नाम पर गुलामी में धकेल रहा था।

युवाओं के लिए चेतावनी

सरकार और पुलिस ने हिमाचल के युवाओं से अपील की है कि किसी भी विदेशी नौकरी के झांसे में आने से पहले उसकी सरकारी मान्यता, दूतावास से पुष्टि और लाइसेंस प्राप्त एजेंसी की जांच अवश्य करें। अनजान व्हाट्सऐप ग्रुप, फेसबुक विज्ञापन और कथित एजेंटों से दूर रहें।

पहली बार साथ नजर आएंगे अक्षय कुमार- रानी मुखर्जी

बॉलीवुड की फ्रेंचाइजी 'ओह माय गॉड' के तीसरे पार्ट को लेकर एक अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अक्षय कुमार के साथ इस बार फिल्म में रानी मुखर्जी लीड रोल में नजर आएंगी। खास बात यह है कि फिल्म में पहली बार रानी और अक्षय ऑनस्क्रीन साथ काम करेंगे।

लंबे अर्से के बाद कंगना रनौत ने शुरू की 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग

मुंबई-बॉलीवुड अभिनेत्री एवं भाजपा सांसद कंगना रनौत ने नए साल में अपनी नई फिल्म की शूटिंग का ऐलान कर दिया है। लंबे समय तक फिल्मों से दूरी बनाए रखने के बाद एक्ट्रेस फिर से बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। कंगना ने अपकमिंग फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' की शूटिंग शुरू कर दी है। हाल ही में फिल्म के सैट से उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद उनके फैंस फिर से एक्साइटड हो गए हैं। कंगना रनौत के साथ इस वीडियो में निर्देशक मनोज तापडिया भी नजर आ रहे हैं। और दोनों इस क्लिप में टीम के साथ बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो के कंगना सीन की डिटेलिंग को समझने की कोशिश करती और ध्यान से सुनती नजर आ रही हैं। इस दौरान उनके साथ निर्देशक मनोज तापडिया भी नजर आ रहे हैं और दोनों टीम के साथ बात करते दिख रहे हैं। वीडियो शेयर करते हुए कंगना ने कैप्शन में लिखा-'फिल्म सैट पर वापस आकर अच्छा लग रहा है।' वीडियो में कंगना ऑफ व्हाइट सूट में नजर आ रही हैं।

38 की उम्र में बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर बनेंगी दुल्हन !

मुंबई-बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर बीते काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं। 38 साल की हो चुकी श्रद्धा कपूर के फैंस यह जानने को बेकरार है कि आखिर वह शादी कब कर रही हैं। अब श्रद्धा कपूर ने इसका जवाब दे दिया है। दरअसल, एक जूलरी ब्रांड के प्रमोशन के लिए श्रद्धा ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। श्रद्धा कपूर के इस जवाब पर फैंस कयास लगा रहे हैं कि उनकी शादी फिक्स हो गई हैं। वह जल्द ही सात फेरे ले सकती हैं। एक फैन ने कमेंट किया, अब ज्यादा इंतजार मत करवाओ, जल्दी-जल्दी दुल्हन बन जाओ। एक अन्य ने लिखा, मगर वह दिन कब आएगा प्यारी स्त्री। बॉलीवुड गलियारों में काफी समय से एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के अफेयर की खबरें सुनने को मिलती रही हैं। हालांकि, दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को सार्वजनिक तौर पर स्वीकार नहीं किया है। वहीं, अब एक बार फिर श्रद्धा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार मामला सिर्फ डेटिंग तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बात उनकी शादी तक पहुंच गई है। शेयर किये वीडियो में श्रद्धा ने कहा कि वैलेंटाइन डे के आसपास सबसे ज्यादा ब्रेकअप होते हैं और बजट खत्म होने की वजह से लोग महंगे गिफ्ट नहीं खरीद पाते, इसलिए उन्होंने खास वैलेंटाइन डे गिफ्ट तैयार किए हैं। श्रद्धा के इस जवाब के बाद फैंस और ज्यादा एक्साइटड हो गए। किसी ने उनसे शादी का प्रस्ताव रख दिया तो किसी ने लिखा कि अब ज्यादा इंतजार मत करवाइए। एक यूजर ने कमेंट किया, 'मेरे साथ कर लो शादी', तो दूसरे ने लिखा, 'वो दिन कब आएगा', प्यारी स्त्री? वहीं कुछ फैंस ने तो सीधे-सीधे उन्हें जल्दी दुल्हन बनने की सलाह दे डाली। बता दें, श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी के रिलेशनशिप की अफवाहें तब तेज हुई थीं, जब साल 2024 में दोनों को मुंबई में एक साथ डिनर डेट पर देखा गया था। इसके बाद से ही दोनों के अफेयर की खबरें लगातार सामने आने लगीं। हालांकि, श्रद्धा ने अब तक अपने और राहुल के रिश्ते पर कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। बताते चले राहुल मोदी पेशे से एक लेखक हैं और उन्होंने 'प्यार का पंचनामा 2' और 'सोनू के टीटू की स्वीटी' जैसी सफल फिल्मों की कहानी और पटकथा लिखी है।

शाहरुख़ ख़ान की फिल्म किंग का हिस्सा बनना मेरे लिए बहुत बड़ी बात

मुंबई- बॉलीवुड अभिनेता अक्षय ओबेरॉय का कहना है कि शाहरुख़ ख़ान की फिल्म किंग का हिस्सा बनना उनके लिए बहुत बड़ी बात है। अक्षय ओबेरॉय, जो इन दिनों शाहरुख़ ख़ान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग से जुड़े हुए हैं, ने इस बड़े प्रोजेक्ट का हिस्सा बनने को लेकर अपने विचार साझा किए हैं। अक्षय के लिए यह सिर्फ़ एक साथ काम करने का अनुभव नहीं है, बल्कि यह उनके लिए एक बेहद निजी उपलब्धि और लंबे समय से देखे गए सपने के पूरा होने जैसा है। अक्षय ओबेरॉय शाहरुख़ ख़ान के नेतृत्व वाली फिल्म किंग में काम करने के अनुभव पर बात करते हुए कहा, शाहरुख़ ख़ान की फिल्म किंग का हिस्सा बनना सच में सपने के सच होने जैसा है।

नारी संसार

बदलती जीवनशैली में सेहत संभाल जरूरी...

तेज रफ्तार जिंदगी में बदलें अपनी जीवन शैली, सब्जियों का सेवन करें

आज की तेज रफ्तार जिंदगी में इंसान खुद के शरीर और सेहत पर ध्यान देना भूलता जा रहा है। काम का दबाव, अनियमित दिनचर्या, गलत खानपान और तनाव के कारण लोग कम उम्र में ही थकान, मोटापा, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हृदय रोग जैसी समस्याओं का शिकार हो रहे हैं। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान दोनों ही इस बात पर जोर देते हैं कि अच्छी सेहत का आधार सही जीवनशैली और संतुलित भोजन है।

आयुर्वेद के अनुसार, जैसा भोजन हम करते हैं, वैसा ही हमारा शरीर बनता है। दिन की शुरुआत अगर सही तरीके से की जाए तो पूरा दिन ऊर्जावान रह सकता है। आयुर्वेद में सुबह उठकर गुनगुना पानी पीने की सलाह दी जाती है। इससे शरीर में पानी की कमी दूर होती है और पाचन तंत्र सक्रिय होता है। इसे ÷अग्नि÷ यानी पाचन शक्ति को मजबूत करने का सरल उपाय माना जाता है। अगर गुनगुने पानी में थोड़ा सा नींबू मिला लिया जाए, तो यह शरीर की अंदरूनी सफाई में मदद करता है और मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाता है। नियमित रूप से यह आदत अपनाने से वजन संतुलन में भी सहायता मिल सकती है।

आज के समय में बाजार में मिलने वाला पैक्ड और प्रोसेस्ड फूड देखने में भले ही आकर्षक और स्वादिष्ट लगे, लेकिन सेहत के लिहाज से यह बेहद नुकसानदायक होता है। वैज्ञानिक शोध बताते हैं कि ज्यादा पैक्ड फूड खाने से शरीर में सूजन बढ़ती है, जबकि आयुर्वेद इसे भारी और दोष बढ़ाने वाला भोजन मानता है। अगर रोजाना इस तरह का खाना खाया जाए तो शरीर धीरे-धीरे सुस्त होने लगता है और बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इसके विपरीत, घर का ताजा, सादा और कम प्रोसेस्ड भोजन शरीर को जरूरी पोषक तत्व देता है और लंबे समय तक स्वस्थ रखता है।

भोजन का समय भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना भोजन की गुणवत्ता। रोजाना तय समय पर खाना खाने से शरीर एक लय में काम करता है। इससे ब्लड शुगर संतुलित रहता है और बार-बार भूख लगने की समस्या कम होती है। सही समय पर भोजन करने से पाचन क्रिया बेहतर रहती है और अधिक खाने की आदत अपने-आप नियंत्रित हो जाती है। देर रात खाना या बार-बार अनियमित समय पर खाने से पाचन तंत्र कमजोर हो सकता है।

इसके साथ-साथ यह भी जरूरी है कि हमारी थाली में सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों। अक्सर देखा जाता है कि लोग रोटी या चावल तो खाते हैं, लेकिन प्रोटीन की मात्रा कम रह जाती है। शरीर को मजबूत और ऊर्जावान बनाए रखने के लिए दालें, दूध, दही, पनीर, अंकुरित अनाज, फल और हरी सब्जियां बहुत जरूरी हैं। फल और सब्जियां शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती हैं और बीमारियों से लड़ने की ताकत देती हैं। पर्याप्त मात्रा में पानी पीना भी सेहत के लिए बेहद जरूरी है, क्योंकि यह शरीर को तरोताजा रखता है और विषैले तत्वों को बाहर निकालने में मदद करता है।

हार्ट अटैक के बाद दी जाने वाली दवा पर उठे सवाल

सेहत से जुड़ी एक अहम खबर हृदय रोगियों के लिए चिंता का विषय बनकर सामने आई है। दिल का दौरा पड़ने के बाद पिछले करीब 40 वर्षों से मानक इलाज के तौर पर दी जा रही बीटा ब्लॉकर्स दवा अब संदेह के घेरे में आ गई है। हालिया अध्ययन में चेतावनी दी गई है कि यह दवा महिलाओं के लिए फायदे की बजाय नुकसानदेह साबित हो सकती है।

स्पेन और इटली के 109 अस्पतालों में 8,500 से अधिक मरीजों पर किए गए इस अध्ययन में पाया गया कि बीटा ब्लॉकर्स लेने वाली महिलाओं में मृत्यु और दोबारा हार्ट अटैक का जोखिम उन महिलाओं की तुलना में अधिक था, जिन्हें यह दवा नहीं दी गई। वहीं, पुरुष मरीजों में इस तरह का कोई खास अंतर नहीं देखा गया।

इस अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित मेडिकल जर्नल New England Journal of Medicine और European Heart Journal में प्रकाशित हुए हैं। साथ ही इन्हें मैड्रिड में आयोजित European Society of Cardiology कांग्रेस में भी प्रस्तुत किया गया।

Mount Sinai Fuster Heart Hospital के अध्यक्ष Valentin Fuster का कहना है कि यह अध्ययन भविष्य में अंतरराष्ट्रीय नैदानिक दिशा-निर्देशों को बदलने की दिशा में अहम भूमिका निभा सकता है। वहीं, प्रमुख शोधकर्ता Borja Ibanez के अनुसार, वर्तमान में 80 प्रतिशत से अधिक हार्ट अटैक मरीजों को अस्पताल से छुट्टी के समय बीटा ब्लॉकर्स दी जाती हैं, लेकिन इन नए नतीजों के बाद उपचार रणनीति पर पुनर्विचार जरूरी हो गया है।

दिल का दौरा झेल चुकी 58 वर्षीय एक महिला ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शुरुआत में दवा से राहत महसूस हुई, लेकिन कुछ ही हफ्तों में अत्यधिक थकान और चक्कर आने लगे। बाद में डॉक्टरों ने बताया कि यह दवा कुछ मामलों में विपरीत प्रभाव भी डाल सकती है।

निष्कर्ष

तेज रफ्तार जीवन में सेहत को नजरअंदाज करना भारी पड़ सकता है। संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और जागरूक चिकित्सा सलाह ही स्वस्थ जीवन की कुंजी है। किसी भी दवा को बिना डॉक्टर की सलाह के न बदलें, लेकिन नई रिसर्च के प्रति जागरूक रहना और अपनी जीवनशैली में सुधार करना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

प्रति वर्ष 30 लाख रुपये वेतन पाने वालों की टैक्स बेस में हिस्सेदारी 23.34 प्रतिशत पहुंची

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-भारत में उच्च वेतन पाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इस कारण वेतन पाने वाले करदाताओं में 30 लाख रुपए प्रति वर्ष कमाने वालों की संख्या 2025 में बढ़कर

23.34 प्रतिशत हो गई है, जोकि 2024 में 18.49 प्रतिशत थी। क्लियर टैक्स की ओर से जारी की वार्षिक रिपोर्ट भारत ने 2025 में कैसे टैक्स भरा में बताया कि 40+50 आयु वर्ग के करीब 38 प्रतिशत लोगों को 30 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक का वेतन मिल रहा है, जोकि इसे सबसे मजबूत आय अर्जित करने वाला और टैक्स में योगदान देने वाला वर्ग बनाता है। यह ट्रेंड दिखाता है कि मिड-करियर के सालों में अनुभव और करियर की स्थिरता ज्यादा सैलरी में कैसे बदल जाती है। इसी के साथ रिपोर्ट में बताया कि भारतीय जिस तरह से आय अर्जित करते हैं, उसमें एक बड़ा बदलाव आया है। टैक्स देने वाले अब सिर्फ सैलरी पर निर्भर नहीं हैं। आई.टी.आर.-3 और आई.टी.आर.-2. में हुई वृद्धि दिखाती है कि बिजनैस, ट्रेडिंग और निवेश से आय में तेज इजाफा हुआ है और यह दिखाता है कि लोग अब केवल एक माध्यम से होने वाली आय पर निर्भर नहीं है और अपनी आय के स्रोतों में विविधता ला रहे हैं। निवेश भी अब एक खास एक्टिविटी न रहकर एक आम फाइनांशियल आदत बन गई है। आई.टी.आर.-3 फाइल करने वाले अधिकतर करदाताओं ने कैपिटल गेन की जानकारी दी, जिससे पता चलता है कि इक्विटी मार्केट और ट्रेडिंग अब कई भारतीयों के लिए रैगुलर फाइनांशियल प्लानिंग का हिस्सा बन गए हैं।

प्रयागराज में संगम तट पर बसा अस्थायी तंबुओं का शहर

800 हैक्टेयर भूमि पर 7 सेक्टरों में बसाया

प्रयागराज में संगम की रेती पर माघ मेला 2026 का भव्य आयोजन 3 जनवरी से शुरू होकर 15 फरवरी तक यानि 44 दिनों का महापर्व होगा। यह अस्थायी तंबुओं का भव्य शहर करीब 800 हैक्टेयर भूमि पर 7 सैक्टरों में बसाया जा रहा है। इस बार प्रशासन को प्रमुख स्नान पर्वों पर 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के पवित्र डुबकी लगाने की उम्मीद है। इसके अलावा इस अवधि में प्रयाग के संगम और पश्चिम बंगाल के गंगा सागर सहित देश के कई हिस्सों में (जैसे छत्तीसगढ़ में राजिम) माघ मेले का आयोजन होता है।

* कल्पवास-पौष पूर्णिमा से माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) तक लगभग 20 से 25 लाख कल्पवासी एक माह की कठोर साधना करेंगे।

* स्नान पर्व-पौष पूर्णिमा (3 जनवरी), मकर संक्रांति (15 जनवरी), मौनी अमावस्या (18 जनवरी), बसंत पंचमी (30 जनवरी), माघी पूर्णिमा (1 फरवरी) और महाशिवरात्रि (15 फरवरी) मुख्य स्नान होंगे।

* पानी और स्वच्छता-सिंचाई विभाग द्वारा 10 हजार क्यूसेक पानी की उपलब्धता और नमामि गंगे के तहत जल शुद्धता सुनिश्चित की जाएगी। गंगा-यमुना में सीवर का एक बूंद भी न जाए, इसके लिए यूपी जल निगम 242 किमी पेयजल और 85 किमी सीवर लाइन बिछा रहा है।

* सुरक्षा-बहुस्तरीय और हाईटेक सुरक्षा योजना लागू की गई है, जिसमें ड्रोन कैमरे, इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम, पुलिस, पीएसी और एनडीआरएफ की टीमें तैनात होंगी।

प्रयाग का विशेष महत्व

प्रयागराज में संगम या किसी भी पवित्र नदी (जैसे गंगा, गोदावरी, नर्मदा) में स्नान करने का बहुत महत्व है। पद्मपुराण के अनुसार, प्रयाग में माघ मास में तीन बार स्नान करने का फल दस हजार अश्वमेघ यज्ञ के बराबर होता है। मान्यता है कि इस समय देवता भी मनुष्य रूप में धरती पर आकर प्रयाग में स्नान और दान करते हैं।

* माघ पूर्णिमा (16 फरवरी)-इस तिथि पर जल और वातावरण में विशेष ऊर्जा होती है। इस दिन शनि, गुरु, सूर्य और शुक्र का संयोग होने के कारण स्नान और दान का महत्व बढ़ जाता है। विधिवत स्नान और मां गंगा की पूजा से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा ग्रहों का शुभ प्रभाव मिलता है।

* अन्य अनुष्ठान-माघ माह में कल्पवास किया जाता है, जिसमें नदी के तट पर सत्संग, स्वाध्याय (धर्मग्रंथों का अध्ययन) और धर्माचरण पर जोर दिया जाता है। इस मास में तिलों का दान करने का विशेष महत्व है।

* पर्यटक सुविधा-भारत और विदेशों से आने वाले पर्यटकों के लिए प्रशिक्षित गाइडों की विशेष टीम तैनात की जाएगी।

* बुनियादी सुविधाएं-कल्पवासियों के लिए बिजली, पेयजल, शौचालय, अस्थाई अस्पताल और खोया-पाया केंद्र जैसी विशेष व्यवस्थाएँ की जा रही हैं। यह माघ मेला भारतीय आस्था, आध्यात्मिक ऊर्जा और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम प्रस्तुत करने को तैयार है।

**** माघ मेला 2026 के प्रमुख स्नान पर्वों की तारीखें-***

1. पौष पूर्णिमा-3 जनवरी 2026 (मेले का आरंभ)
2. मकर संक्रांति-15 जनवरी 2026
3. मौनी अमावस्या-18 जनवरी 2026
4. बसंत पंचमी-30 जनवरी 2026
5. माघी पूर्णिमा-1, फरवरी 2026
6. महाशिवरात्रि-15 फरवरी 2026 (मेले का अंतिम स्नान)

* माघ मास-माघ मास हिंदू धर्म में पवित्र स्नान के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस मास में शीतल जल में डुबकी लगाने से मनुष्य पापमुक्त होता है और भगवान श्रीहरि (वासुदेव) को प्रसन्नता मिलती है। माघ स्नान से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों की प्राप्ति होती है और अकाल मृत्यु नहीं होती।

पौंग झील में बढ़ता खतरा-रहस्यमयी मौतों से दहशत, 60 हजार प्रवासी पक्षियों पर मंडरा रहा संकट

जवाली- अंतरराष्ट्रीय पहचान रखने वाली हिमाचल प्रदेश की पौंग झील एक बार फिर चर्चा में है, लेकिन इस बार कारण प्राकृतिक सुंदरता नहीं, बल्कि प्रवासी पक्षियों की लगातार हो रही रहस्यमयी मौतें हैं। झील के आसपास वन्य प्राणी विभाग की भूमि पर बड़ी संख्या में विदेशी परिंदों के मृत पाए जाने से क्षेत्र में तनाव और चिंता का माहौल बन गया है। स्थानीय लोगों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संगठनों का दावा है कि विभागीय भूमि पर अवैध खेती की जा रही है, जिसमें उपयोग होने वाले जहरीले रसायन प्रवासी पक्षियों के लिए जानलेवा साबित हो रहे हैं। इसके साथ ही कई जगहों पर जाल और फंदों के जरिए अवैध शिकार की भी आशंका जताई जा रही है। इससे यह खतरा और बढ़ गया है कि 60,000 से ज्यादा प्रवासी परिंदों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। कुछ वर्षों पहले भी पौंग झील में बर्ड फ्लू फैलने से बड़ी संख्या में पक्षियों की मौत हुई थी। उस समय मृत परिंदों को दफनाकर मामला शांत किया गया था, लेकिन मौजूदा हालात पिछले मामलों से कहीं ज्यादा गंभीर दिखाई दे रहे हैं।

ट्रंप दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध में झोंकने को आमादा!

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ऐसे बयान दे रहे हैं मानों वे दुनिया को तीसरे विश्व युद्ध में झोंकने को आमादा है। वे कोलंबिया, ग्रीनलैंड, क्यूबा, ईरान समेत कई स्थानों पर हमले की धमकी दे रहे हैं। ट्रंप ने कोलंबिया के नेताओं पर अमेरिका में ड्रग्स की तस्करी के लिए जिम्मेदार होने का आरोप लगाया और संभावित मिलिट्री ऑपरेशन की धमकी दी। उन्होंने कहा कि कोलंबिया भी बहुत बीमार है, एक बीमार आदमी इसे चला रहा है। उसे कोकीन बनाना और उसे अमेरिका में बेचना पसंद है। वह ज्यादा वक्त तक ऐसा नहीं कर पाएगा। इधर वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अब भी मादुरो के समर्थन खड़ी नजर आ रही है। ट्रंप प्रशासन ने अब वेनेजुएला की नई राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को दी धमकी। उन्होंने कहा कि वेनेजुएला का नेतृत्व वॉशिंगटन की मांगों को मानने में नाकाम रहता है, तो अमेरिका वेनेजुएला के खिलाफ एक और मिलिट्री हमला कर सकता है। ट्रंप की नजर ग्रीनलैंड पर भी है। उन्होंने हाल ही में ग्रीनलैंड के रणनीतिक महत्व को अमेरिकी रक्षा जरूरतों से जोड़ते हुए इस क्षेत्र पर कब्जे की बात कही थी। ट्रंप का कहना है कि ग्रीनलैंड की रणनीतिक स्थिति और हाई-टेक क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की प्रचुरता के कारण अमेरिकी सुरक्षा हितों की पूर्ति होगी। इस इलाके पर फिलहाल डेनमार्क का कब्जा है। इससे पहले ट्रंप ने ईरान को भी चेतावनी देते हुए कहा कि अगर प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाई तो अमेरिका वहां हमला कर देगा। ट्रंप की धमकी पर ईरान ने भी उसे हद में रहने को कहा है।

* ट्रंप ने भारत को धमकाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे व्यक्तित्व हैं, वे एक अच्छे इंसान हैं। उन्हें पता था कि मैं खुश नहीं था। मुझे खुश करना जरूरी था। वे ट्रेड करते हैं, और हम उन पर बहुत जल्दी टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

* डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड पर कंट्रोल लेने की टिप्पणी पर एतराज जताया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप को यह कहने का कोई हक नहीं है कि वह ग्रीनलैंड को अमेरिका का हिस्सा बना लेंगे।

* कोलंबियाई राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने खुले तौर पर डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा, यदि आप मुझे जेल में डालना चाहते हैं, तो कोशिश करें और देखें कि क्या आप कर सकते हैं। यदि आप मुझे नारंगी वर्दी में रखना चाहते हैं, तो इसे आज़माएं। कोलंबियाई लोग मेरी रक्षा के लिए सडकों पर उतरेंगे।

बाबा वेंगा की चेतावनी

बाबा वेंगा ने भी 2026 में चीन, रूस और अमेरिका सहित दुनिया की बड़ी शक्तियों के बीच बढ़ते तनाव की भविष्यवाणी की थी। कुछ रिपोर्टों में ताइवान पर चीन के संभावित हमले और रूस और अमेरिका के बीच सीधे टकराव का भी जिक्र है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या दुनिया विश्व युद्ध की ओर बढ़ रही है।

चीन, रूस और उत्तर कोरिया नाराज

- ट्रंप की वेनेजुएला पर कार्रवाई से दुनिया के कई देश खासे नाराज हैं। चीन और रूस ने अमेरिका के इस कदम की कड़ी निंदा की। उत्तर कोरिया ने तो अपने दोस्त मादुरे की गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उन्हें रिहा करने की मांग की। उत्तर कोरिया ने सुपरसोनिक मिसाइल टेस्ट करते हुए उत्तर कोरिया की तैयारी भी बता दी।

* वेनेजुएला में अमेरिकी हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय मंच पर चर्चा शुरू हो गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद् ने आपातकालीन बैठक बुलाई है। यह बैठक परिषद् के अस्थाई सदस्य कोलंबिया के अनुरोध पर बुलाई गई है और इसे स्थाई सदस्य देशों चीन और रूस का समर्थन प्राप्त है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस इस बात से बेहद चिंतित हैं कि इस अभियान के गंभीर क्षेत्रीय परिणाम हो सकते हैं।

ईरान में सरकार विरोधी आंदोलन तेज, मृतकों की संख्या पर विरोधाभास

तेहरान -ईरान की राजधानी तेहरान और आसपास के इलाकों में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन लगातार तेज़ होते जा रहे हैं। बढ़ते तनाव के बीच सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने सुरक्षा एजेंसियों को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। आरोप है कि सुरक्षाबलों ने कई जगहों पर प्रदर्शनकारियों पर गोलीबारी की, जिससे भारी जनहानि हुई है।

स्थानीय स्रोतों के अनुसार, एक डॉक्टर ने दावा किया है कि केवल तेहरान के छह अस्पतालों में ही अब तक कम से कम 217 प्रदर्शनकारियों की मौत दर्ज की जा चुकी है। सुरक्षा कारणों से डॉक्टर ने अपनी पहचान उजागर नहीं की। बताया जा रहा है कि ज्यादातर लोगों की मौत गोली लगने से हुई है।

डॉक्टर के मुताबिक, उत्तरी तेहरान के एक पुलिस स्टेशन के बाहर जुटी भीड़ पर मशीन गन से अंधाधुंध फायरिंग की गई, जिसके बाद बड़ी संख्या में लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। अस्पतालों में पहुंच रहे शवों का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है, जिससे हालात बेहद गंभीर बने हुए हैं।

नियमों की धज्जियां उड़ाकर बिना परमिट पर्यटकों को घुमाने वाले निजी बस ऑप्रेटर का आर.टी.ओ. ने काटा 10 हजार का चालान

शिमला (सत्ता संदेश)-पर्यटन सीजन की आड़ में शिमला शहर के निजी बस ऑप्रेटरों द्वारा नियमों की धज्जियां उड़ाने का मामला सामने आया है। स्टेज कैरिज (सवारी ढोने) के परमिट पर चल रही लोकल बसें अवैध रूप से कॉन्ट्रैक्ट कैरिज (पर्यटक ग्रुप बुकिंग) की तरह काम कर रही हैं। आर.टी.ओ. शिमला की टीम ने ढली में कार्रवाई करते हुए एक निजी बस को रंगे हाथों पकड़ा और मौके पर ही 10 हजार रुपए का चालान काट दिया। मिली जानकारी के अनुसार शिमला शहर में चलने वाली कुछ निजी बसें अपने निर्धारित रूट को छोड़कर पर्यटकों के ग्रुप को शिमला से कुफरी और अन्य पर्यटन स्थलों पर भ्रमण करवा रही हैं। गुरुवार को आर.टी.ओ. शिमला की टीम ढली में निरीक्षण कर रही थी। इस दौरान एक लोकल बस को रोका गया, जिसमें पर्यटकों का एक समूह बैठा हुआ था। जब बस चालक और परिचालक से पर्यटकों के ग्रुप को ले जाने का कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट मांगा, तो वे कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा सके। नियमों की इस अवहेलना पर आरटीओ टीम ने बस

मालिक पर सख्त कार्रवाई करते हुए 10 हजार रुपए का जुर्माना लगाया, साथ ही चेतावनी दी कि भविष्य में ऐसा करने पर बस को जब्त भी किया जा सकता है। परिवहन विभाग के नियमों के अनुसार स्टेज कैरिज परमिट वाली बसें केवल निर्धारित रूट पर जगह-जगह से एक-एक सवारी बिठा सकती हैं। किसी टूरिस्ट ग्रुप या समूह को एक साथ ले जाने के लिए बस ऑप्रेटरों को कॉन्ट्रैक्ट कैरिज परमिट या आरटीओ से स्पैशल परमिशन लेनी पड़ती है। स्टेज कैरिज वाली बसें बिना स्पैशल परमिशन के पर्यटकों का ग्रुप बुक नहीं कर सकतीं।

टैक्सी ऑप्रेटरों की शिकायत पर की आर.टी.ओ. ने कार्रवाई

निजी बसों की इस मनमानी से शिमला के टैक्सी ऑपरेटरों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा था। राजधानी टैक्सी मैक्सी वैल्फेयर सोसायटी शिमला ने इस संबंध में आर.टी.ओ. शिमला से शिकायत की थी कि लोकल बसें अवैध रूप से पर्यटकों को कुफरी घुमा रही हैं, जिससे टैक्सी का काम प्रभावित हो रहा है। इसी शिकायत के आधार पर आर.टी.ओ. ने यह नाका लगाकर कार्रवाई की। दूसरी तरफ बस ऑप्रेटर की इस लापरवाही और लालच का खमियाजा बाहरी राज्यों से आए पर्यटकों को भी भुगतना पड़ा।

नियमों की उल्लंघना करने वालों को नहीं बख्शा जायेगा-आर.टीओ.

विश्व मोहन देव चौहान ने बताया कि शहर में नियमों की उल्लंघना करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि निरीक्षण के दौरान बिना परमिट पर्यटकों को ले जाती बस पकड़ी गई है जिस पर 10 हजार का चालान किया गया है।

सैटेलाइट टाउनशिप प्रोजेक्ट के लिए उजाड़े जायेंगे 9 गांव

शिमला (सत्ता संदेश)-हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के पास राज्य की पहली नियोजित माऊंटेन सैटेलाइट टाऊनशिप बनाने की सरकारी योजना के खिलाफ स्थानीय ग्रामीणों में भारी रोष और चिंता का माहौल है। जठिया देवी जंक्शन पर वर्षों से सब्जी बेचने वाले नीरज ठाकुर जैसे कई लोगों की दिनचर्या 25 दिसम्बर, 2025 को तब थम गई, जब उन्हें पता चला कि उनका पैतृक गांव उन 9 गांवों की सूची में शामिल है, जिन्हें टाऊनशिप के लिए अधिग्रहित किया जाना है। नीरज का कहना है कि हमें बताया गया कि हमारे खेत और घर ले लिए जाएंगे। सरकार मूल निवासियों को विस्थापित करके नए लोगों के लिए घर बनाने की योजना बना रही है। 1374 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह टाऊनशिप शिमला शहर से 14 किलोमीटर और जुब्बड़हट्टी हवाई अड्डे से मात्र 2 किलोमीटर दूर प्रस्तावित है। इस परियोजना पर वर्ष 2014 से हिमुडा काम कर रहा है। हाल ही में भूमि अधिग्रहण अधिनियम, 2013 की धारा 5 और नियम 8 के तहत नोटिस जारी किए गए, जिससे ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। सोशल इंपैक्ट असैसमेंट रिपोर्ट के अनुसार, शिमला ग्रामीण के 8 गांवों चणन, पंती, अंजी, शिल्ही बागी, मझोला, शिलरू, धनोकरी, क्यारगी और सोलन के एक गांव मंजियारी की कुल 249 हैक्टेयर (लगभग 2,959 बीघा) जमीन अधिग्रहण के लिए चिह्नित की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक इससे 386 परिवार सीधे प्रभावित होंगे और 158 लोगों की आजीविका छिन सकती है।

शिमला के पास हिमुडा के 1374 करोड़ के प्रोजैक्ट ने उड़ाई हजारों किसानों की नींद

क्या कहना है 44 वर्षीय किसान चमन लाल का

शिल्ही बागी के 44 वर्षीय किसान चमन लाल का कहना है कि हम बड़े किसान नहीं हैं, लेकिन खेती ही हमारी आजीविका है। हिमुडा ने पहले बंजर पहाड़ियां ली थीं, लेकिन इस बार वे पूरे गांव क्यों लेना चाहते हैं, यह हमारी समझ से परे है।

2025 में देश के आठ बड़े शहरों में घरों की ब्रिकी में आई गिरावट

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-साल 2025 दौरान देश के 8 प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री सालाना आधार पर 1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3.48 लाख इकाइयों से अधिक रही, हालांकि औसत मूल्य वृद्धि में 19 प्रतिशत तक की वृद्धि के बीच मांग स्थिर बनी रही। रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया को ऑनलाइन एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गृह ऋण पर ब्याज दरों में गिरावट, मजबूत आर्थिक वृद्धि और कम मुद्रास्फीति कुछ ऐसे प्रमुख कारक थे, जिन्होंने आसन्न मंदी की आशंकाओं के बावजूद 2025 कैलेंडर वर्ष के दौरान आवास की मांग को बनाए रखने में मदद की। आंकड़ों के अनुसार देश के 8 प्रमुख शहरों में आवासीय बिक्री 2025 में 1 प्रतिशत घटकर 3,48,207 इकाई हो गई।

नियम बदलकर दिया गया था लाल बहादुर शास्त्री को भारत रत्न

भारत में जब भी सम्मान की बात होती है, सबसे पहले भारत रत्न का नाम आता है। यह देश का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है, जो विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण और विशिष्ट सेवा देने वाले व्यक्तियों को दिया जाता है। इस सम्मान के बाद पद्म पुरस्कारों की बात आती है, जो नागरिक सेवा को सम्मान प्रदान करते हैं। इन पुरस्कारों की शुरुआत 71 साल पहले 2 जनवरी 1954 को हुई थी। शुरुआत में भारत रत्न केवल जीवित व्यक्तियों को ही दिया जाता था। मरणोपरांत यह सम्मान नहीं दिया जाता था, लेकिन 1966 में प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री का ताशकंद में आकस्मिक निधन हो गया। उनके असाधारण योगदान को देखते हुए तत्कालीन सरकार ने नियम बदल दिया। इसके बाद

258 साल पुरानी टकसाल में तैयार होता है 'भारत रत्न' का पदक

शास्त्री जी को मरणोपरांत भारत रत्न दिया गया। वह भारत रत्न पाने वाले पहले व्यक्ति बने, जिन्हें यह सम्मान पोस्ट ह्यूमस मिला। वहीं खान अब्दुल गफ्फार खान पहले विदेशी

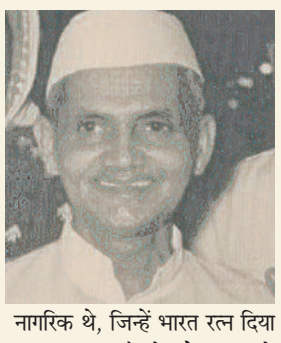

नागरिक थे, जिन्हें भारत रत्न दिया गया। 1767 के में कोलकाता में अलीपुर मिंट की स्थापना हुई थी। यहीं पर भारत रत्न का निर्माण होता है। अब तक 53 लोगों को भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका हैं।आइए जानते हैं तब से लेकर अब तक इस सम्मान की परंपरा में क्या बदलाव देखने को मिले। साथ ही जानते हैं कब-कब ये चर्चा में रहे...

पहले होता था गोल आकार का पदक

भारत रत्न और पद्म पुरस्कारों उद्देश्य देश के प्रति अद्वितीय सेवा और उत्कृष्ट योगदान को पहचानना और सम्मानित करना था। पहली बार जब भारत रत्न दिया गया तो इसका मैडल मौजूदा पीपल के पत्ते के आकार का नहीं था। पहला मैडल गोल आकार का था। इसका डायमीटर करीब 35 मिमी और यह सोने से बना था। यह डिजाइन ब्रिटिश काल के सर्कुलर पदकों से प्रेरित था। इसके बीच में सूर्य की किरणों का डिजाइन और ऊपर देवनागरी में भारत रत्न तथा पीछे अशोक स्तंभ के साथ सत्यमेव जयते लिखा हुआ था।

दो प्रधानमंत्रियों को मिला पद पर रहते हुए यह सम्मान

पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी देश के दो ऐसे प्रधानमंत्री रहे, जिन्हें पद पर रहते हुए यह सम्मान मिला। नेहरू को 1955 में यह सम्मान मिला। रशीद किदवई अपनी किताब 'भारत के प्रधानमंत्री देश, दशा और दिशा' में लिखते हैं कि राजेन्द्र प्रसाद ने नेहरू को भारत रत्न देने की पहल की थी। राष्ट्रपति ने अध्यादेश लाकर, नेहरू को यह सम्मान तब दिया. जब वे यूरोप के दौरे पर थे। इसी तरह 1971 युद्ध के बाद राष्ट्रपति वीवी गिरी की पहल पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को भारत रत्न दिया गया।

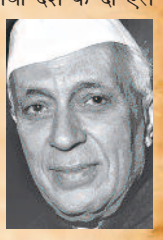

पदक के डिजाइन में हुआ दो बार बदलाव

भारत रत्न की बनावट में पहला बदलाव 1955 में किया गया। तब इसे पीपल के पत्ते जैसा आकार दिया गया। नए मैडल का आकार 59 मिमी लंबा, 48 मिमी चौड़ा और 3.2 मिमी मोटा था। इसके किनारे प्लेटिनम से बने हुई थे। इस नए डिजाइन को नंद लाल बोस ने बनाया था। पदक के डिजाइन में दूसरा बदलाव 1957 में हुआ। पहले मैडल सिल्वर और गोल्ड के गिल्ट से बनाया जाता था। 1957 में सिल्वर गिल्ट को ब्रॉन्ज में बदल दिया गया, ताकि पदक अधिक टिकाऊ और कम महंगा बन सके। अब इसे टोन्ड ब्रॉन्ज से बनाया जाता है।

पहली बार में 3 नहीं सिर्फ एक पद्म पुरस्कार था

भारत रत्न के साथ ही पद्म पुरस्कारों की शुरुआत हुई। इस समय 3 पद्म पुरस्कार नहीं थे, बल्कि एक ही पद्म विभूषण था, जिसे 3 वर्गों में बांटा गया था। एक साल बाद 1955 को राष्ट्रपति के नोटिफिकेशन से इनका नाम बदल दिया गया। पहला वर्ग पद्म विभूषण ही रहा। जबकि दूसरे और तीसरे वर्ग को क्रमशः पद्म भूषण और पद्मश्री कर दिया गया। वर्तमान में नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से पुरस्कारों के लिए आवेदन स्वीकार किए जाते हैं।

सलामी बल्लेबाज शिखर धवन आयरिश गर्लफ्रैंड से करने जा रहे हैं दूसरी शादी

40 वर्षीय पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज शिखर धवन अपनी आयरिश गर्लफ्रैंड सोफी शाइन से शादी करने वाले हैं। गौरतलब है कि साल 2020 में उनकी वह अपनी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी से अलग हुए और उनका तलाक 2023 में हुआ। विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो

फरवरी के दूसरे हफ्ते यानि कि वैलेंटाइन वीक में दोनों की शादी दिल्ली-एन.सी.आर. क्षेत्र में होने की संभावना है। 2023 में आयशा मुखर्जी से तलाक के बाद अब वे सोफी शाइन के साथ रिलेशनशिप में आ गए हैं। इस कपल को हालही में कई बार स्पॉट किया गया जिसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। वे चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान दुबई में शिखर धवन के साथ दिखी थीं, उसके बाद मुंबई एयरपोर्ट पर और बाबा बागेश्वर धाम भी वे शिखर धवन के साथ पहुंची थी। फैंस सोच ही रहे थे कि क्या धवन को नया पार्टनर मिल चूका है, तभी दोनों ने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी। 1 मई 2025 को दोनों ने साथ में एक फोटो शेयर की, जिसमें सोफी ने कैप्शन में लिखा था 'माई लव' (मेरा प्यार) और साथ में एक हार्ट इमोजी भी बनाया हुआ था। फिर क्या था, कुछ ही देर में दोनों की यह तस्वीर वायरल हो गई और फैंस को बेहद पसंद आई। शिखर और सोफी के प्रेम संबंध तो उजागर हो गए थे लेकिन फैंस को यकीन नहीं था कि शिखर शादी करने का फैसला तलाक के इतनी जल्दी बाद ले लेंगें। उनकी पहली पत्नी आयशा मुखर्जी अपने बेटे जोरावर को लेकर ऑस्ट्रेलिया अपने बच्चों के साथ रहने चली गई। तलाक के बाद से आयशा शिखर को जोरावर से बात तक नहीं करने देती, शिखर को बेटे से मिले 2 साल से ज्यादा हो गया है और धवन उससे मिलने के लिए हर पल तरसते हैं। 2002 में उनकी शादी आयशा मुखर्जी से हुई थी। शिखर धवन ने 2010 में भारत के लिए डेब्यू किया था। 13 साल के करियर में वह 34 टेस्ट, 167 वनडे और 68 टी20 मैचों में देश का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। अपने करियर में वे 24 शतक और 55 अर्धशतक जड़ जुड़े हैं। सोफी शाइन की बात करें तो उनका जन्म आयरलैंड में हुआ था। मौजूदा समय में वह अबू दाबी में नॉर्दर्न ट्रस्ट कॉर्पोरेशन में उत्पाद सलाहकार के रूप में काम कर रहीं हैं।

गुजरात जायंट्स ने यूपी वॉरियर्ज को 10 रनों से हराया

नवी मुंबई- कप्तान एश्ले गार्डनर (65/ एक विकेट), अनुष्का शर्मा (44) और सोफी डिवाइन (38) के बाद गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन की बदौलत गुजरात जायंट्स महिला ने शनिवार को वूमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दूसरे मुकाबले में यूपी वॉरियर्ज महिला को 10 रनों से शिकस्त दी। 208 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूपी वॉरियर्ज महिला की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में किरण नवगिरे (एक) का विकेट गंवा दिया। उन्हें रेणुका सिंह ने बोल्ड आउट किया। इसके बाद कप्तान मेग लेनिंग और फीबी लिचफील्ड की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 70 रन जोड़े।

रोहित और कोहली की मौजूदगी से कप्तानी आसान हो जाती है- शुभमन गिल

वडोदरा - भारतीय वनडे कप्तान शुभमन गिल ने टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली की मौजूदगी को अपने लिए बड़ी ताकत बताया है। न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू हो रही तीन मैचों की वनडे सीरीज से पहले गिल ने कहा कि इन दो दिग्गजों के साथ खेलना कप्तान के तौर पर उनकी जिम्मेदारी को काफी आसान बना देता है।

लंबे अंतराल के बाद वनडे टीम में वापसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला वनडे मुकाबला रविवार को बीसीए स्टेडियम (कोटाम्बी), वडोदरा में खेला जाएगा। इस मैच के साथ रोहित शर्मा और विराट कोहली की लंबे अंतराल के बाद वनडे टीम में वापसी होगी, जबकि शुभमन गिल दक्षिण अफ्रीका सीरीज से बाहर रहने के बाद एक बार फिर इस प्रारूप में कप्तानी संभालेंगे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोले गिल

प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा, 'आप जिन दो खिलाड़ियों की बात कर रहे हैं, उनमें से एक रोहित शर्मा वनडे क्रिकेट के सर्वकालिक महान ओपनरों में से एक हैं और विराट भाई इस फॉर्मेट के सबसे महान बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। जब ऐसे खिलाड़ी आपकी टीम में होते हैं तो कप्तान के तौर पर जिंदगी काफी आसान हो जाती है।'

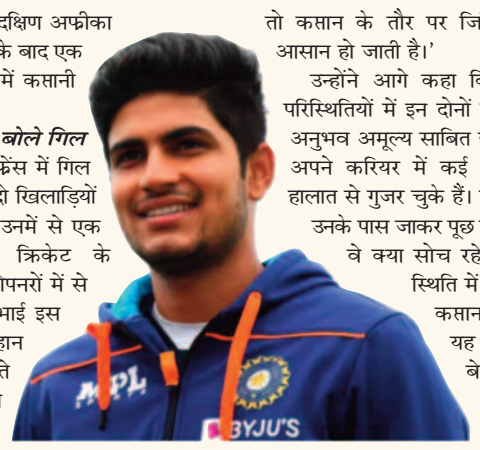

उन्होंने आगे कहा कि मुश्किल परिस्थितियों में इन दोनों दिग्गजों का अनुभव अमूल्य साबित होता है। 'वे अपने करियर में कई बार कठिन हालात से गुजर चुके हैं। ऐसे में आप उनके पास जाकर पूछ सकते हैं कि वे क्या सोच रहे हैं या उस स्थिति में क्या करते। कप्तान के लिए यह जानकारी बेहद कीमती होती है।'

हरमनप्रीत कौर ने जीत का श्रेय डब्ल्यूपीएल को दिया

मुंबई (सत्ता संदेश)-हरमनप्रीत कौर ने कहा कि महिला प्रीमियर लीग और उनकी टीम मुंबई इंडियंस ने उनके भीतर जीत की मानसिकता भरी, जिसका इस्तेमाल उन्होंने भारतीय महिला टीम को वनडे विश्व कप जिताने में किया। डब्ल्यू.पी.एल. में मुंबई इंडियंस को 2 खिताब दिला चुकी हरमनप्रीत ने कहा कि फ्रैंचाइजी ने प्रतिस्पर्धा में अलग सोच के साथ उतरने में उनकी मदद की। उन्होंने मुंबई इंडियंस द्वारा आयोजित प्रैस कान्फ्रैंस में कहा कि मेरा मानना है कि मैं जहां भी जाती हूं, जीत के बारे में ही सोचती हूं क्योंकि भागीदारी तो हम बरसों से कर रहे है हैं, लेकिन जीत की सोच के साथ उतरने और उस दिशा में काम करने से बहुत कुछ हासिल कर सकते हैं। डब्ल्यू.पी.एल. ने मेरे भीतर बहुत कुछ बदला है खासकर सोच बदली है। हरमनप्रीत ने कहा कि मुंबई इंडियंस बरसों से आई.पी.एल. खिताब जीत रही और इस टीम से जुड़ने के बाद मेरे भीतर भी जीत की वही मानसिकता आई। टीम में यही बात होती है कि हम कैसे किसी टीम को हरा सकते हैं और खिताब जीत सकते हैं।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान - चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने

के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए।

उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।''झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।'

सेमीफाइनल में हारी पीवी सिंधु, टूर्नामेंट में भारतीय अभियान समाप्त

कुआलालंपुर- दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को शनिवार को मलेशिया ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में महिला एकल के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ सीजन के पहले बीडब्ल्यूएफ सुपर 1000 टूर्नामेंट में भारत का अभियान खत्म हो गया। आज यहां स्टेडियम एक्सियाटा एरिना में खेले गए सेमीफाइनल में विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में नंबर 18 पर मौजूद पीवी सिंधु महिला एकल में दूसरे नंबर पर मौजूद चीन की वांग झेई से 21-16, 21-15 से हार गईं।

पी.जी.टी.आई. में बांग्लादेशी खिलाडियों की भागीदारी को लेकर अभी कोई फैसला नहीं : कपिल देव

महान क्रिकेटर और पी.जी.टी.आई. के अध्यक्ष कपिल देव ने कहा कि भारत के पेशेवर गोल्फ टूर (पी.जी.टी.आई.) में बांग्लादेशी खिलाडियों की भागीदारी को लेकर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा कारणों से और अपनी सरकार की सलाह के बाद भारत में अगले महीने टी-20 विश्व कप के लिये टीम नहीं भेजने का फैसला लिया। इससे पहले आई.पी.एल. टीम के.के.आर. ने बी.सी.सी.आई. के निर्देश पर बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को टीम से अलग करने का फैसला किया था। पी.जी.टी.आई. टूर से बांग्लादेशी खिलाडियों को बाहर करने की संभावना के बारे में पूछने पर कपिल ने कहा,''हम इस पर बात करेंगे पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है।'' बांग्लादेश के जमाल हुसैन, मोहम्मद सिद्दीकुर रहमान और

मोहम्मद अकबर हुसैन समेत कई प्रमुख गोल्फर पीजीटीआई टूर पर खेलते हैं। कपिल ने आई.सी.सी. को पत्र लिखने वाले बी.सी.बी. के ताजा फैसले पर टिप्पणी से इनकार कर दिया। विश्व कप 1983 विजेता कप्तान पी.जी.टी.आई. की फ्रेंचाइजी आधारित गोल्फ लीग '72 द लीग' के उद्घाटन से मीडिया से मुखातिब थे। कपिल ने कहा कि भारत को गोल्फ के विकास के लिये टीम आधारित ढांचे की जरूरत है। उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग के बाद भारतीय क्रिकेट में आये बदलाव का भी उदाहरण दिया।उन्होंने कहा ,'' मैं क्रिकेट खेलता था जो टीम का खेल है जबकि गोल्फ व्यक्तिगत खेल है, लेकिन भारत को गोल्फ में भी टीम प्रारूप की जरूरत है।'' उन्होंने कहा ,'' इंडियन प्रीमियर लीग आने के बाद क्रिकेट में जो बदलाव आया, हम इस लीग के जरिये गोल्फ में भी वही करना चाहते हैं।''

अर्जुन तेंदुलकर मंगेतर सानिया से 5 मार्च को रचा सकते हैं शादी!

मुंबई (सत्ता संदेश)-विश्व के महान बल्लेबाजों में शुमार सचिन तेंदुलकर, जिन्हें क्रिकेट का भगवान भी कहा जाता है, के बेटे अर्जुन तेंदुलकर 5 मार्च को सानिया चंडोक से शादी रचाने जा रहे हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसान जाने-माने कारोबारी रवि घई की पोती सानिया चंडोक एंटरप्रेन्योर हैं। वह एक क्वालिफाइड वेटर्नरी टैक्नीशियन भी हैं। सूत्रों अनुसार शादी की रस्में 3 मार्च से शुरू होने की उम्मीद है। 5 मार्च को दोनों शादी रचाएंगे, जो मुंबई में होगी। इस शादी में सिर्फ परिवार, दोस्त और करीबी लोग ही शामिल होंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक कपल ने पिछले साल अगस्त में सगाई की थी। इस समारोह में सिर्फ परिवार और करीबी लोग ही शामिल हुए थे। अर्जुन एक तेज गेंदबाज और काबिल लोअर-ऑर्डर बल्लेबाज हैं, जिन्हें कुछ हफ्तों पहले इंडियन प्रीमियर लीग (आई.पी.एल.) में मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड किया गया था।

टी-20 विश्व कप के लिए सैंटनर होंगे कीवी टीम के कप्तान

नई दिल्ली (सत्ता संदेश)-टी-20 विश्व कप 2026 के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी ऑलराऊंडर मिचेल सैंटनर 15 सदस्यीय टीम का नेतृत्व करेंगे। कप्तान के साथ ही मिचेल सैंटनर विश्व कप में सबसे अनुभवी खिलाड़ी भी होंगे। वह अपना 9वां आई.सी.सी. इवेंट खेलेंगे। उनके साथ अनुभवी स्पिनर ईश भी टीम का हिस्सा हैं। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी का साल 2025 में शानदार प्रदर्शन रहा है। उन्हें भी टीम में जगह दी गई है। डफी ने पिछले साल तीनों फॉर्मेट मिलाकर 81 विकेट लिए थे। टी-20 में गेंदबाजों की रैंकिंग में वह दूसरे नंबर पर हैं। तेज गेंदबाजी में डफी के साथ लॉकी फर्ग्यूसन, मैट

हेनरी और एडम मिल्ने को जगह दी गई है। जिमी नीशम भी तेज गेंदबाजी ऑलराऊंडर के रूप में टीम में शामिल हैं। ऑलराऊंडर माइकल ब्रेसवेल, ग्लेन फिलिप्स और रचिन रवींद्र टीम में गेंदबाजी और बल्लेबाजी को मजबूत करेंगे। विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी टिम सीफर्ट को दी गई है। काइल जैमीसन रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर शामिल हैं। जैमीसन को टूर्नामेंट में खेलने का मौका मिल सकता है। फर्ग्यूसन और मैट हेनरी दोनों पैटरनिटी लीव लेने वाले हैं। इस दौरान जैमिसन की टीम में एंट्री हो सकती है। न्यूजीलैंड के हैड कोच रॉब वाल्टर टी20 विश्व कप को लेकर उत्साहित हैं। वॉल्टर ने कहा, विश्व कप खास होते हैं, और भारत आधुनिक क्रिकेट की धड़कन है और इससे बेहतर जगहें बहुत कम हैं।

ये इश्क इश्क है इश्क इश्क...

जयपुर की सडक़ों से फ्रांस तक पहुंची एक ऑटो चालक के सच्चे इश्क की कहानी

जयपुर-कहते हैं किस्मत कभी टिकट या फ्लाइट से नहीं, बल्कि ऑटो की पिछली सीट पर बैठकर मिल जाती है। फ्रांस से भारत घूमने आई एक युवती और जयपुर के एक साधारण ऑटो ड्राइवर की यह प्रेम कहानी इन दिनों सोशल मीडिया पर लोगों का दिल छू रही है। दो अलग देशों, अलग भाषाओं और अलग संस्कृतियों से आने वाले ये दो लोग सिर्फ दिल की आवाज़ से जुड़े और फिर यह रिश्ता मोहब्बत में बदल गया। इस कहानी की खास बात यह है कि इसमें न कोई दिखावा है, न पैसा और न ही शोहरत। बस सादगी, भरोसा और सच्चा प्यार है, जो आज के दौर में कम ही देखने को मिलता है। कहानी के मुताबिक, युवक जयपुर में ऑटो रिक्शा चलाता था। उसकी रोजमर्रा की जिंदगी तब बदल गई, जब फ्रांस से भारत घूमने आई युवती सारा उसकी ऑटो में सवारी बनकर बैठी। सारा यूरोप से राजस्थान की संस्कृति और इतिहास देखने आई थीं। युवक ने करीब दो हफ्तों तक अपने ऑटो से उन्हें जयपुर के अलग-अलग हिस्से घुमाए। इन्हीं दिनों बातचीत शुरू हुई, फिर भरोसा बढ़ा और दोस्ती गहरी होती चली गई। धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई। भाषा और देश अलग थे, लेकिन भावनाओं की भाषा एक थी।

जब दिल जुड़ते हैं, तो रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं

यह कहानी सिर्फ सोशल मीडिया पर वायरल होने वाला एक वीडियो नहीं है, बल्कि यह सबूत है कि अगर प्यार सच्चा हो तो सरहदें, वीजा, समाज और हालात भी रास्ता नहीं रोक सकते। जयपुर की गलियों से शुरू हुई यह अनोखी लव स्टोरी फ्रांस तक पहुंचकर यह सिखाती है कि जब दिल जुड़ते हैं, तो रास्ते खुद-ब-खुद बन जाते हैं।

सारा के वापस यूरोप लौटने पर दोनों को हुआ दूरी का एहसास

जब सारा वापस यूरोप लौटीं, तो दोनों को दूरी का एहसास हुआ, लेकिन रोज घंटों की बातचीत, वीडियो कॉल और मैसेज ने उनके रिश्ते को और मजबूत बना दिया। कुछ समय बाद दोनों ने शादी करने का फैसला कर लिया। हालांकि रास्ता आसान नहीं था। सारा के परिवार ने इस रिश्ते का विरोध किया। वजह यह थी कि युवक दसवीं पास भी नहीं था और पेशे से ऑटो ड्राइवर था। इन्हीं कारणों से युवक का फ्रांस का वीजा कई बार रिजेक्ट हुआ। यह समय दोनों के लिए सबसे कठिन था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। कई कोशिशों, धैर्य और विश्वास के बाद युवक फ्रांस पहुंचने में सफल रहा। इसके बाद दोनों ने शादी कर ली। आज यह कपल फ्रांस में साथ रह रहा है और दिवाली के साथ-साथ क्रिसमस भी धूमधाम से मनाता है। वीडियो में युवक भावुक शब्दों में लिखता है, 'लोग कहते थे वह तुम्हें छोड़ देगी, लेकिन 13 साल बाद भी वह मेरे साथ है।' आज उनका एक छोटा-सा खुशहाल परिवार है और दो प्यारे बच्चे हैं।

संबंधों को नई गति

भारत की यूरोपीय संघ से बढ़ती निकटता

पहली बार ईयू के दोनों शीर्ष नेता एक साथ करेंगे भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में शिरकत

नई दिल्ली-अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों में आई तल्खी के बीच नई दिल्ली ने यूरोपीय संघ (ईयू) और इसके प्रमुख सदस्य देशों के साथ संबंधों को नई गति देने का फैसला किया है। जनवरी-फरवरी 2026 का कैलेंडर इस रणनीतिक बदलाव की गवाही दें रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस समय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। 10 जनवरी तक चलने वाली उनकी यात्रा के ठीक दो दिन बाद जर्मनी के चांसलर फ्रैडरिक मर्ज भारत आ रहे हैं। इसके बाद यूरोपीय संघ के दिग्गज नेता-उर्सुला वान डेर लेयेन और एंटोनियो कोस्टा 26 जनवरी, 2026 को भारत के गणतंत्र दिवस समारोह के राजकीय मेहमान होंगे। इसके दो सप्ताह बाद ही फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों भी मुंबई व नई दिल्ली की यात्रा पर आएंगे। इन तीनों अवसरों पर भारत का यूरोपीय संघ के देशों के साथ कारोबारी संबंधों के साथ ही सुरक्षा, रक्षा व ऊर्जा के क्षेत्र में नई संभावनाओं पर बात होगी। कूटनीतिक जानकार इसे हाल के वर्षों में भारत की तरफ से दुनिया की कई शक्तियों के साथ अलग- अलग तालमेल बनाने की कोशिश को और गति देने के तौर पर देख रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, 12 जनवरी

को जर्मनी के नए चांसलर फ्रैडरिक मर्ज दो दिवसीय यात्रा पर भारत आने वाले हैं। सत्ता संभालने के बाद यह उनकी एशिया के किसी देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। रक्षा सहयोग, पनडुब्बी सौदे, व्यापार और हिंद-प्रशांत रणनीति जैसे मुद्दे इस यात्रा का मुख्य एजेंडा होगा। जर्मनी के साथ भारत के संबंध पहले से मजबूत हैं, लेकिन नए चांसलर की यह यात्रा दोनों देशों के बीच रक्षा और औद्योगिक साझेदारी को नया आयाम देगी। इसके बाद सबसे बड़ा राजनयिक आयोजन 26 जनवरी को होगा, जब गणतंत्र दिवस परेड के मुख्य अतिथि के रूप में यूरोपीय संघ के शीर्ष नेता-यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा भारत दौरे पर होंगे। यह पहली बार होगा जब ईयू के दोनों शीर्ष नेता एक साथ भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान भारत-ईयू समिट भी आयोजित होगा, जिसमें लंबे समय से लंबित मुक्त व्यापार समझौते (एफ.टी.ए.) पर निर्णायक प्रगति की उम्मीद है। यूरोपीय संघ के साथ एफटीए पर बातचीत अंतिम चरण में है। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल जल्द ही इस वार्ता के लिए ब्रसेल्स जा रहे हैं। ये लगातार हो रही उच्चस्तरीय यात्राएं कोई संयोग नहीं हैं। अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को लेकर बातचीत कब पूरी होगी, इसको लेकर पूरी तरह से अनिश्चितता बनी हुई है।

सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर ने हाई कोर्ट का खटखटाया दरवाजा

चंडीगढ़- पंजाब के सस्पेंड डीआईजी हरचरण सिंह भुल्लर ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट में रेगुलर जमानत के लिए याचिका दायर की है। हरचरण सिंह भुल्लर अभी चंडीगढ़ की मॉडल जेल में बंद हैं। उन्होंने अपने वकील के जरिए कोर्ट को बताया कि जांच पूरी हो चुकी है और पिछले साल 3 दिसंबर को फ़ाइल फ़ाइनल जांच रिपोर्ट दायर की गई थी, जिससे हिरासत में पूछताछ की जरूरत नहीं है। भुल्लर के वकील ने कहा कि 24 घंटे से ज़्यादा हिरासत में रखने के

बाद याचिकाकर्ता को मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाता है।

रिश्वत मामले में गिरफ्तार

गौरतलब है कि डीआईजी ने 17 अक्टूबर, 2025 को रिश्वत मामले में भुल्लर को गिरफ़्तार किया था। तब से वह हिरासत में हैं। इस मामले में ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी ज़मानत रद्द किए जाने के बाद, भुल्लर ने अब रेगुलर ज़मानत के लिए हाई कोर्ट का दरवाज़ा खटखटाया है। भुल्लर का कहना है कि इस केस में 13 दिसंबर को चालान फाइल दायर की गई है। अब जब उन्हें नौकरी से सस्पेंड कर दिया गया है, तो वे किसी को प्रभावित नहीं कर सकते। इसलिए उन्हें जमानत मिलनी चाहिए।

कलयुगी दोस्त की करतूत , मदद करने वाले दोस्त की हत्या कर लाश के किये टुकड़े

लुधियाना (जिम्मी भामियां)-लुधियाना में कम्प्यूटराईज्ड निटिंग की मशीनें लगाकर फैक्टर चलाने और फिर घाटा पड़ने के बाद मुंबई (महाराष्ट्र) जाकर काम करने वाले एक नौजवान का उसके ही 8 साल पुराने दोस्त ने बड़ी बेरहमी से कथित रूप से कत्ल कर लाश के टुकड़े करके ड्रम में भरकर बेआबाद प्लाट में फैंकने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस की ओर से की गई जांच में बेशक हत्याकांड का कारण पुरानी रंजिश बताया जा रहा है, लेकिन यारी दोस्ती में पिछले लगभग 8 सालों से अपने दोस्त की आर्थिक तौर पर मदद करने वाले व्यक्ति को दोस्त की मदद का ईनाम अपनी जान देकर मिला। जानकारी अनुसार मृतक दविंद्र लगभग 6 महीने पहले नेपाल से मुंबई गया था। मशीनों के सस्ते स्पेयर पार्टस लुधियाना से लेने के लिए 5 जनवरी को ट्रेन से लुधियाना पहुंचा तो अपना सामान घर रखकर अपने दोस्त शमशेर सिंह शेरा के पास चला गया। इसके बाद वह वापिस घर नहीं पहुंच तो परिवार ने 6 जनवरी को थाना सलेमटाबरी की पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद पुलिस की जांच दौरान 8 जनवरी को दविंद्र सिंह की लाश 6 टुकड़ों में जालंधर बाईपास निकट सैकर्ड हार्ट स्कूल के पास प्लाट में अलग-अलग जगहों से बरामद हुई।

दविंद्र की हत्या को लेकर पुलिस द्वारा किये गये दावे- पुलिस ने कथित दोषी शमशेर सिंह शेरा और उसकी पत्नी कुलदीप कौर को भी गिरफ्तार कर लिया है, जिसके बाद ए.डी.सी.पी.-1 समीर वर्मा ने प्रैस कान्फ्रैंस दौरान बताया कि घर से लापता दविंद्र कुमार पुत्र संत राम की बेरहमी से की गई हत्या के मामले में कुछ ही घंटों में दोषी शमशेर सिंह उर्फ शेरा व उसकी पत्नी कुलदीप कौर का काबू कर लिया है। जांच दौरान सामने आया कि पुरानी रंजिश कारण दोशी शमशेर सिंह उर्फ शेरा ने नशे की हालत में दविंद्र कुमार का आरी के साथ कत्ल करके उसकी लाश के टुकड़े कर दिये और पत्नी कुलदीप कौर की मदद से शरीर के हिस्से बोरे/कम्बल में और सिर वाला हिस्सा प्लास्टिक ड्रम में डालकर गुरु हरि राए नगर स्थित भारती कालोनी रोड निकट फैंक दिये। टुकड़ों में मिली लाश सिविल अस्पताल लुधियाना में जमा करवा दी गई और पुलिस ने दोषी शमशेर सिंह उर्फ शेरा व उसकी पत्नी कुलदीप कौर को वारदात में प्रयोग किये मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार कर लिया गया है, जिनको अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड हासिल करके वारदात में प्रयोग किये गए हथियार बरामद करवाये गये।